विक्रम संवत् 2079 ▪ माघ/फाल्गुन मास(12) ▪ 01फरवरी 2023 ▪ मूल्य : 23 रु.

चरैवेति

आर.एन.आई. पंजीयन क्र.017261/69, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/297/2021-23, पृष्ठ संख्या-44, प्रकाशन दिनांक प्रत्येक माह की 10 तारीख, पोस्टिंग प्रत्येक माह की 10 एवं 15 तारीख

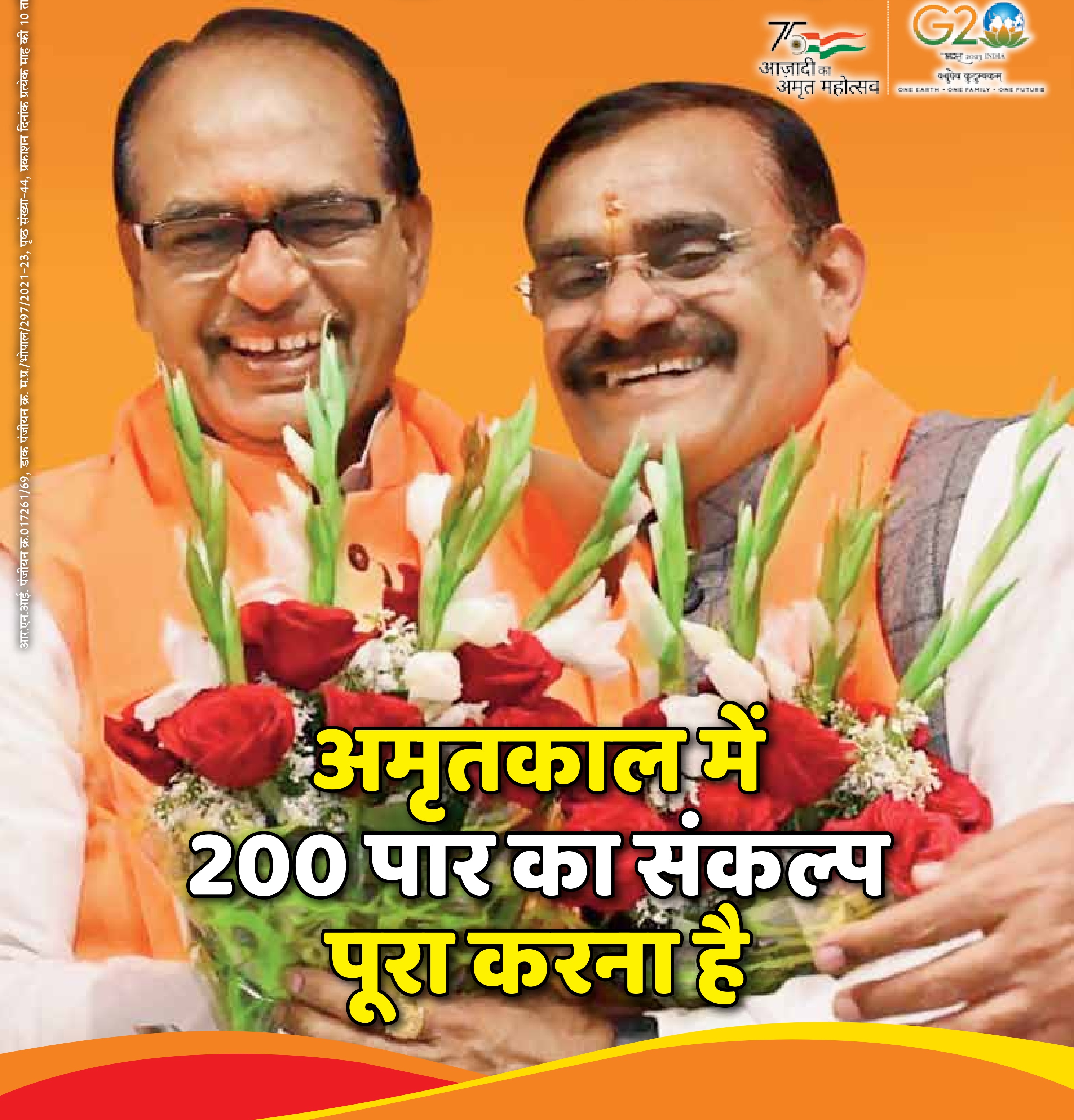

अमृतकाल में 200 पार का संकल्प पूरा करना है

▶ 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी।

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ''परीक्षा पे चर्चा'' के दौरान छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करते हुए।

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने रोजगार मेले में 71,000 नियुक्ति पत्र बांटे।

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए।

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने शहीद दिवस पर गांधी स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की।

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती के अवसर पर।

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों के नामकरण समारोह के अवसर पर।

▶ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सांसद खेल महाकुंभ 2022-23 के दूसरे चरण के उद्घाटन के अवसर पर।

अनुक्रमणिका

संपादकीय ▶ संजय गोविन्द खोचे 04

- 200 पार का संकल्प पूरा करना है

कवर स्टोरी : प्रदेश कार्यसमिति ▶ 05

- अमृतकाल में समाजनीति की ओर बढ़ें - विष्णुदत्त शर्मा

05

12

21

- **राजनैतिक प्रस्ताव :** 09
  एक हाथ में कलम एक हाथ में धर्म-दीप्त विज्ञान लेकर उठने वाला है धरती...
- **प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन :** 12
  प्रवासी भारतीय सशक्त और समर्थ भारत की आवाज - नरेन्द्र मोदी...
- **प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन :** 15
  प्रवासी भारतीय विश्वसनीय भागीदार : शिवराज सिंह चौहान...
- **म. प्र. ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 :** 17
  स्थिर, निर्णायक, सही नीयत से चलने वाली सरकार विकास को अभूतपूर्व...
- **म. प्र. ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 :** 19
  निवेश के लिए पूरी मदद मुख्यमंत्री : श्री शिवराज सिंह चौहान...
- **जी-20 कार्यक्रम :** 21
  प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान...
- **राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक :** 22
  भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक :भारत की G20 अध्यक्षता...
- **राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक :** 23
  राजनीतिक प्रस्ताव...
- **राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक :** 26
  सामाजिक-आर्थिक संकल्प :मोदी सरकार के अंतर्गत गरीबों के...
- **युवा मोर्चा :** 29
  मोदी सरकार युवाओं को कर रही सशक्त...
- **खेलेगा मध्यप्रदेश :** 30
  देश-प्रदेश को सशक्त, सक्षम बनाने के लिए काम करने का संकल्प...
- **आलेख : हितानंद शर्मा** 31
  स्वत्व व सतीत्व का प्रतीक : चंदेरी का जौहर स्मारक...
- **मन की बात :** 33
  पद्म पुरस्कारों में जनजातीय जीवन का अच्छा-खासा प्रतिनिधित्व
- **पुण्यतिथि :** 37
  वासुदेव बलवंत फड़के : जिनके नाम से अंग्रेज काँपते थे...
- **पुण्यतिथि :** 38
  ऋग्वेद से निकला है हिन्दू शब्द
- **जयंती :** 39
  सप्तसिन्धु से हिन्दू : पूज्य मा. स. गोलवलकर
- **विचार-प्रवाह :** 40
  राष्ट्र जीवन की समस्याएँ

मुख्य व्रत-त्यौहार

1. जया / अजा, भीष्म एकादशी 2. तिल / भीष्म द्वादशी, प्रदोष व्रत 4. दशलक्षण पर्व समाप्त 5. स्नानदान व्रत, माघी पूर्णिमा 6. षोडषकारण व्रत पूर्ण 9. गणेश चतुर्थी व्रत 13. सीताष्टमी 16. विजया एकादशी व्रत 18. प्रदोष व्रत, महाशिवरात्रि व्रत 20. स्ना. दा. श्रा. सोमवती अमावस 21. चन्द्रदर्शन 22. फुलरिया दोज 23. विनायकी चतुर्थी व्रत 26. चौमासी अटठाई प्रारम्भ 27. अष्टान्हिका पर्व प्रारम्भ 28. रोहिणी व्रत

मुख्य जयंती-दिवस

3. गुरू हरराय, प्रभु नित्यानंद जयंती 4. विश्व कैंसर दिवस 11. पं. दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि 15. कवि. सुभद्राकुमारी चौहान पु.ति. 18. नटराज नटेश्वर महादेव जयंति, लोधेश्वर दिवस 19. गुरू गोलवलकर जयंती 22. स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती 25. अवतार मेहेर बाबा जन्मोत्सव 27. चन्द्रशेखर आजाद शहीद दिवस

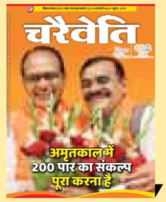

वर्ष-54, अंक : 12, भोपाल, फरवरी 2023

हमारे प्रेरणास्रोत
पं. दीनदयाल उपाध्याय

ध्येय बोध

ये जरूरी है कि हम हमारी राष्ट्रीय पहचान के बारे में सोचे जिसके बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।

- पं. दीनदयाल उपाध्याय

अध्यक्ष
अजय प्रताप सिंह

उपाध्यक्ष
प्रशांत हर्णे

सचिव, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
संजय गोविंद खोचे*

कोषाध्यक्ष
कैलाश सोनी

प्रभारी वैचारिकी
डॉ. दीपक विजयवर्गीय

सहायक सम्पादक
पं. सलिल मालवीय

व्यवस्थापक
योगेन्द्रनाथ बरतरिया
मोबा. नं. 09425303801

पं. दीनदयाल विचार प्रकाशन म.प्र. के लिये मुद्रक एवं प्रकाशक संजय गोविंद खोचे द्वारा पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल-462016 से प्रकाशित एवं एम. पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेस-II, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा - 201 305 से मुद्रित.

संपादकीय पता
पं. दीनदयाल परिसर,
ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल- 462016
e-mail:charevetibpl@gmail.com
web site:www.charaiveti.org

मूल्य- तेईस रुपये
*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार

200 पार का संकल्प पूरा करना है

भारतीय जनता पार्टी की सरकार का विकास के मामले में दृष्टिकोण स्पष्ट है। पार्टी और सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। निश्चित ही कार्यसमिति के द्वारा लिए गये संकल्प ''अबकी बार दो सौ पार'' का फलीभूत होना तय है।

प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की कार्यसमिति की बैठक भोपाल में सम्पन्न हुई। कार्यसमिति में यह विश्वास साफ-साफ दिखा की कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से आगामी विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी दो सौ से भी ज्यादा सीटों पर विजय श्री प्राप्त करके एक बार फिर मध्यप्रदेश में सरकार बनाने जा रही है। कारण साफ है भारतीय जनता पार्टी का निष्ठावान कार्यकर्ता अपनी सामाजिक भूमिका का निर्वाह हर संकट के समय पूरे मनोयोग से करता है। यही कारण है, भारतीय जनता पार्टी का संगठन औरों से अलग है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार सारे वायदों को पूरा कर रही है जो पार्टी की स्थापना के समय लिये गये थे। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ रही है। प्रदेश कार्यसमिति ने इसे और तेज करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बूथ विस्तारक अभियान को और सशक्त करने पर जोर रहेगा।

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति ने 51 प्रतिशत मत प्रदेश में पाने का संकल्प लिया है। निश्चित ही संगठन के माध्यम से यह लक्ष्य अवश्य पूरा होगा। ग्रामीण और नगरीय निकायों में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की। इसके अलावा जनजातीय क्षेत्रों में भी भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड जीत हासिल की। यह सिलसिला निश्चित ही जारी रहेगा। काँग्रेस की सरकार के समय मध्यप्रदेश की पहचान एक बीमारू राज्य के रूप में होती थी, उसके बाद जब से मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है मध्यप्रदेश बीमारू राज्य से विकासशील राज्य और फिर आज विकासशील राज्य से विकसित प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अन्तर साफ दिखता है पहले काँग्रेस की सरकार के समय सिर्फ 2900 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था अब 26000 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। पहले सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर खेती के क्षेत्र में सिंचाई होती थी अब प्रदेश में 42 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होने लगी है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में अब मध्यप्रदेश सरकार ने 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य तय किया है, जो निश्चित ही शीघ्र पूरा होगा। मध्यप्रदेश में बिजली, सड़क और पानी की सुविधा व्यापक रूप से उपलब्ध है। मध्यप्रदेश का इन्फ्रास्ट्रक्चर और शासन व्यवस्था व्यापार और निवेशकों के लिए बहुत अनुकूल है। इन्दौर में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की सफलता प्रदेश के विकास को और ज्यादा गति प्रदान करेगी। इसी तरह से इन्दौर में आयोजित प्रवासी भारतीय सम्मेलन भी एतिहासिक कार्यक्रम बन गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। इसी का परिणाम है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसी वर्ष नवम्बर में मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। कार्यसमिति में यह निश्चय किया गया कि सरकार, संगठन और जनप्रतिनिधि मिल कर दो सौ सीट जीतने के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे। केन्द्र में विश्व के सर्वाधिक लाकप्रिय नेता श्री नरेन्द्र मोदी जी और मध्यप्रदेश में प्रदेश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता श्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। इसके साथ नगरीय निकाय में भी भारतीय जनता पार्टी का वर्चस्व है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार का विकास के मामले में दृष्टिकोण स्पष्ट है। पार्टी और सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। निश्चित ही कार्यसमिति के द्वारा लिए गये संकल्प ''**अबकी बार दो सौ पार**'' का फलीभूत होना तय है।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक दिल्ली में आयोजित हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक मंचों पर भारत की छवि निर्णायक, दूरदर्शी और मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित हुई है। कोरोना संकट और रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत के सामर्थ्य और क्षमताओं से पूरी दुनिया परिचित और अभिभूत हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत को मिली जी-20 और एससीओ जैसे प्रतिष्ठित अर्न्तराष्ट्रीय संगठनों की अध्यक्षता ने देश के इतिहास में नए अध्याय की शुरूवात की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में काशी तमिल संगमम् का आयोजन अत्यंत गौरव पूर्ण रहा। इसने भारत की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत से देशवासियों को परिचित कराया। उम्मीद है इस तरीके के कार्यक्रम भविष्य में भी होते रहेंगे। भारत की साझी विरासत को जानने और समझने के लिए इस तरीके के कार्यक्रम आवश्यक हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में काशी तमिल संगमम् के जरिये संस्कृति और सभ्यता के दो कालजयी केन्द्र एक डोर में बंधे और देश की एकता और मजबूत हुई ।

विपक्ष हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को अलग-अलग बिना किसी मतलब के झूठी दलीलों से घेरने की कोशिश करता रहता है लेकिन हर बार इसे जनता के द्वारा करारा जबाब मिल जाता है। गुजरात के चुनाव परिणाम इसका प्रमाण हैं। काँग्रेस और विपक्ष के कुछ नेता सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर पुलवामा तक, पाकिस्तान से लेकर चीन तक और भी न जाने कई-कई झूठे मुद्दों पर कुछ भी अर्नगल बयानबाजी करते रहते हैं। चुनावों में तो भारत की जनता उन्हें सबक सिखाती ही है पर अभी सुप्रीम कोर्ट में भी इन तत्वों को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा। चाहे गुजरात दंगों का मामला हो, पेगासस का मामला हो, आर्थिक आधार पर आरक्षण का मामला हो, सेन्ट्रल विस्टा का मामला हो, नोटबंदी का मामला हो, हर बार विपक्ष को हार का सामना करना पड़ा। भारत की जनता को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अटूट विश्वास है। क्योंकि श्री मोदी जी भारत की जनता के दिलों पर राज करते हैं।

(संजय गोविन्द खोचे)
सम्पादक

अमृतकाल में समाजनीति की ओर बढ़ें - विष्णुदत्त शर्मा

मध्यप्रदेश जनसंघ की वह भूमि है, जहां ठाकरे जी ने संगठन विस्तार की एक पद्धति दी। कार्यकर्ताओं के सहयोग से मध्यप्रदेश संगठन देश भर में नई गाथा गढ़ रहा है।

पंच-सरपंच से लेकर प्रधानमंत्री और 16 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार मजबूती के साथ खड़ी है। यह सब टीम भावना के कारण फलीभूत हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी राजनीति के साथ समाजनीति पर विश्वास करती है। यही वजह है कि देश और दुनिया पर जब-जब भी संकट आए हैं, हमारे कार्यकर्ताओं ने अपनी सामाजिक भूमिका निर्वाह करते हुए उस संकट का डटकर मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में हमारी सरकारें उन संकल्पों को साकार कर रही हैं, जो जनसंघ की स्थापना के समय हमारे पूर्वजों ने लिए थे। दुनिया में भारत की भूमिका लगातार विस्तारित हो रही है और यह देश के लिए अमृतकाल का समय है। देश के इस अमृतकाल में पार्टी कार्यकर्ता पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ जनकल्याण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ें।

भाजपा सरकार अंत्योदय के माध्यम से गरीबों के जीवन बदलने का काम कर रही है

मध्यप्रदेश जनसंघ की वह भूमि है, जहां ठाकरे जी ने संगठन विस्तार की एक पद्धति दी। कार्यकर्ताओं के सहयोग से मध्यप्रदेश संगठन देश भर में नई गाथा गढ़ रहा है। पंच-सरपंच से लेकर प्रधानमंत्री और 16 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार मजबूती के साथ खड़ी है। यह सब टीम भावना के कारण फलीभूत हुआ है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने जिस अंत्योदय के विचार का प्रतिपादन किया, आज केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीब कल्याण की योजनाओं के माध्यम से गरीबों का जीवन बदल रही है। हमारी योजनाएं सामाजिक परिवर्तन कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता स्पोक पर्सन बनकर सरकार के विकास कार्यों को जनता के समक्ष रखें। बूथ स्तर तक वातावरण तैयार करें।

बूथ विस्तारक अभियान-2 में हमें जुटना है

बूथ विस्तारक अभियान में जिस तरह हमने बूथ को सशक्त करने का काम किया, ठीक उसी प्रकार बूथ विस्तारक-2 अभियान में हमें जुटना है। 51 प्रतिशत मत पाने का जो संकल्प पार्टी ने लिया है, उसे संगठन तंत्र की ताकत के साथ

हमें पूरा करना है। हम बूथ पर जो काम कर रहें हैं, उनको गति देते हुए प्रत्येक बूथ पर वोट शेयर बढ़ाना है। बूथ विस्तारक-2 में हमें लगातार प्रवास करना है। चुनाव में हम जहां कमजोर हैं, ऐसे बूथों पर फोकस करते हुए हमें लगातार प्रवास करना है। साथ ही आकांक्षी विधानसभाओं को ताकत देने का काम करना है। 18 से 39 साल के 52 प्रतिशत युवा वोटर हैं, 30 लाख नये वोटर बनें हैं, हमें नवमतदाता और युवा मतदाताओं पर फोकस कर कार्ययोजना पर काम करना है। युवा मोर्चा ने 180 विधानसभाओं में प्रदेश सरकार द्वारा बनाई जा रही यूथ पॉलिसी पर चर्चा की है, जिसके माध्यम से बड़ी संख्या में हम युवाओं तक पहुंचे हैं। आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग द्वारा सुघोष अभियान चलाये जा रहे हैं।

जनजातीय क्षेत्रों में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की

ग्रामीण और नगरीय निकायों में भारतीय जनता पार्टी ने जीत का इतिहास रचा। कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से भारतीय जनता पार्टी को बहुमत प्राप्त हुआ। जिस समय राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में विद्वेष फैला रहे थे, तब प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार गौरव यात्रा के माध्यम से जनजातीय भाईयों को उन्हें अधिकार संपन्न बनाने के लिए लागू किए गए पेसा एक्ट की जानकारी दे रही थी। जनजातीय क्षेत्रों में उस यात्रा का लाभ मिला और भारतीय जनता पार्टी ने इन क्षेत्रों में प्रचण्ड जीत हासिल की।

निवेशकों को आकर्षित कर रही प्रदेश की अनुकूलता, गुड गवर्नेंस: नरेंद्रसिंह तोमर

मध्यप्रदेश में आज विकास का जो वातावरण है, उसे देखकर हम गर्व के साथ यह कह सकते हैं कि प्रदेश विकसित राज्यों की कतार में अपने कदम बढ़ा रहा है। लेकिन प्रदेश की यह स्थिति हमेशा से नहीं है। 2003 के पहले मध्यप्रदेश एक बीमारू राज्य था। भाजपा सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री के रूप में सुश्री उमा दीदी, स्व. बाबूलाल गौर और श्री शिवराजसिंह चौहान ने प्रदेश को आगे बढ़ाया। प्रदेश में सड़कों की हालत खराब थी, बिजली के अभाव में उद्योगपति प्रदेश छोड़ने का मन बना रहे थे। भाजपा की सरकार बनने के बाद यह महसूस किया गया कि प्रदेश में निवेश आए, इसके लिए जरूरी है कि यहां अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर हो, गुड गवर्नेंस हो और बिजली-पानी की उपलब्धता हो। भाजपा सरकार ने इस दिशा में प्रयास शुरू किए। उसी का नतीजा है कि 2003 के पहले जहां प्रदेश में सिर्फ 2900 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था, अब 26000 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। प्रदेश में पहले जहां सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई होती थी, अब बढ़कर 42 लाख हेक्टेयर में सिंचाई होने लगी है और प्रदेश सरकार ने 65 लाख हेक्टेयर में सिंचाई का लक्ष्य तय किया है। मध्यप्रदेश की अच्छी सड़कों की चर्चा पूरे देश में हो रही है। मध्यप्रदेश अब निवेशकों के लिए सबसे अनुकूल है। यहां जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर और गुड गवर्नेंस है। इंदौर में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता में भी प्रदेश की इस अनुकूलता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रदेश में होगा 15.40 लाख करोड़ का निवेश, पैदा होंगे 29 लाख रोजगार

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं और भारत-शंघाई को-ऑपरेशन तथा जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। दुनिया में देश के इस बढ़ते प्रभाव का असर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर भी दिखाई दिया। इस समिट में 84 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। मुख्यमंत्री जी ने 100 से अधिक प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यही वजह है कि इस समिट में 15.40 लाख करोड़ से अधिक के करार हुए, जो बड़ी सफलता है। इतने निवेश से प्रदेश में 29 लाख रोजगार पैदा होंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ रहा है। भारत की यह विकास यात्रा जारी रहे, इसके लिए जरूरी है कि पार्टी कार्यकर्ता अपनी ताकत बढ़ाएं और आने वाले चुनावों में फिर भाजपा को जिताएं, फिर मोदी सरकार बनाएं।

मध्यप्रदेश ने रचा सफल कार्यक्रमों का इतिहास: ज्योतिरादित्य सिंधिया

मध्यप्रदेश को केंद्र की ओर से जो भी जिम्मेदारी दी गई, उसे उसने पूरा किया है। चाहे प्रवासी

भारतीय सम्मेलन हो या जी-20 की मीटिंग, मध्यप्रदेश ने सफल कार्यक्रमों का इतिहास रच दिया है। इंदौर में 8 से 10 जनवरी तक आयोजित प्रवासी भारतीय सम्मेलन एक ऐतिहासिक कार्यक्रम बन गया है। इस दौरान प्रवासी दिवस का आयोजन भी किया गया, जिसका फोकस मध्यप्रदेश पर था। इस सम्मेलन के दौरान प्रवासी भारतीयों को आम लोगों के घरों में रुकवाया गया है और उन्होंने मध्यप्रदेश की आर्थिक तथा सांस्कृतिक शक्ति का अनुभव किया। दुनिया के विभिन्न देशों में रह रहे 3.5 करोड़ भारतीय मूल के लोगों ने भारत के प्रति दुनिया के रुख को बदला है। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के सीईओ से लेकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री तक भारतीय मूल के हैं और इन प्रवासी भारतीयों ने सारी दुनिया में भारत का झंडा थाम रखा है। भारत से बाहर रह रहे इन भारतीयों ने हर कठिनाई में देश की मदद की है। चाहे 1998 में परमाणु परीक्षण के बाद देश पर लगे प्रतिबंध हों, रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान वहां फंसे भारतीय छात्रों को निकालने की घटना हो, या अन्य कोई संकट, इन प्रवासियों ने भारत को उबारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आज देश की जीडीपी की 3.5 प्रतिशत राशि प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे जाने वाले रेमिटेंस से मिलती है।

भारत आज दुनिया का नेतृत्व कर रहा है

भारत जो कभी गरीब और पिछड़े देशों की सूची में शामिल था, आज दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। यह अद्भुत काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले आठ सालों में हुआ है। भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। जी-20 के महत्व का अंदाज इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था का 75 फीसदी हिस्सा जी-20 देशों के हाथों में है। इन देशों में दुनिया की 85 फीसदी आबादी रहती है और इनका नेतृत्व भारत कर रहा है। हर कठिनाई के समय दुनिया भारत और मोदी जी की ओर देखती है। मोदी जी के नेतृत्व में

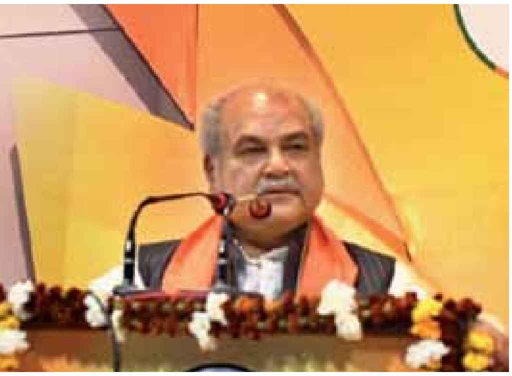

भारत ने कोरोना संकट के समय दो-दो वेक्सीन बनाकर दुनिया के 100 से अधिक देशों में जिंदगियां बचाने का काम किया। चाहे वह सोलर अलाइंस की सोच हो, या जलवायु परिवर्तन की चिंता, भारत का झंडा और भारत माता का नाम मोदी जी के नेतृत्व में सारी दुनिया में चमक रहा है। हमने बीता वर्ष स्व. कुशाभाऊ ठाकरे के जन्मशताब्दी वर्ष के रूप में मनाया है। आने वाले चुनावों में हमें स्व. कुशाभाऊ के नारे 'संगठन गढ़े चलो, बढ़े चलो-बढ़े चलो' को साकार करते हुए आगे बढ़ना है और पार्टी के पितृ पुरुषों के संकल्पों को साकार करना है।

प्रवास से संगठन है और संगठन से सरकार

200 दिन में 200 पार का लक्ष्य पूरा करने में जुटें : मुरलीधर राव

विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। सरकार, संगठन और जनप्रतिनिधि की दृष्टि से हमें 200 दिन में 200 सीट जीतने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना है। केन्द्र, प्रदेश और नगरों में हमारी सरकार है। वहीं विकास की दृष्टि में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार का मुकाबला किसी से भी नहीं हो सकता। भारतीय जनता पार्टी की सरकार विकास के मामले में रोल मॉडल है। विकास की दृष्टि से आगामी 200 दिन का रोडमैप तैयार करें और चुनाव में जुट जाएं।

जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी एक लंबी यात्रा करते हुए यहां पहुंची है। 50 वर्षों बाद भी हमारी पार्टी नहीं बदली है। इसका मूल कारण हमारी कार्यपद्धति और प्रवास है। हमारे प्रवास से संगठन है और संगठन से सरकार है। हमारे दायित्व भले ही अलग हो, लेकिन हमारा लक्ष्य एक है। अबकी बार 200 पार सिर्फ नारा नहीं है बल्कि अमृतकाल का वह संकल्प है जिसे हमें मिलकर पूरा करना है। पार्टी ने जो दायित्व और जो काम सौंपा है, उसे पूरी निष्ठा के साथ साधना मानते हुए पूरा करें। 51 प्रतिशत वोट शेयर को लेकर माइक्रो प्लानिंग पर काम करना है। हर बूथ पर बैठक हो और बूथ कार्य विस्तार योजना का सफल क्रियान्वयन हो।

राम मंदिर निर्माण को लेकर कई वर्षों से लड़ाई चल रही थी। वहीं धारा 370 को लेकर हमारे पूर्वजों के बलिदान हुए। ऐसे कई मुद्दे हैं जो वर्षों से लंबित पड़े थे। राष्ट्रीय गर्व करने वाले मानबिन्दु पूरे हो रहे है, तो वह केन्द्र में मोदी सरकार के कारण संभव हुए है। राम मंदिर बन रहा है और धारा 370 भी हटी है। वर्षों से लंबित मुद्दों को सम्मान के साथ पूरा करना है तो आने वाले 25 वर्षों तक हमें पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक सत्ता में रहना होगा। जिसके लिए हमें प्लानिंग पर काम करना है। नवमतदाताओं ने कांग्रेस के समय का कार्यकाल नहीं देखा है। हमें नए वोटरों को कांग्रेस की हकीकत बतानी है।

बैठक में प्रस्तुत राजनैतिक प्रस्ताव का कार्यसमिति ने किया समर्थन

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति में पार्टी नेताओं ने अलग अलग सत्रों में विषयवार जानकारी देते हुए पार्टी द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों एवं अभियानों की जानकारी दी। प्रदेश कार्यसमिति बैठक में पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्री भगवानदास सबनानी ने पार्टी के अभी तक संपन्न हुए कार्य एवं वर्तमान में जारी कार्यक्रमों की जानकारी दी। वहीं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालसिंह आर्य ने प्रदेश कार्यसमिति बैठक में 'अनुसूचित जाति कार्य विस्तार की योजनाएं एवं क्रियान्वयन' विषय पर संबोधन दिया, वहीं प्रदेश प्रवक्ता एवं संयोजक, विदेश संपर्क विभाग डॉ. दिव्या गुप्ता ने प्रदेश कार्यसमिति बैठक में 'जी-20 गौरवशाली अवसर' विषय एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन ने आर्थिक विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने आगामी केन्द्र व राज्य सरकार के बजट पर केन्द्रित पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। प्रदेश महामंत्री व राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने लोकसभा प्रवास योजना एवं प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने पर किये जाने वाले आयोजनों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। वहीं प्रदेश मंत्री श्री रजनीश अग्रवाल ने 'बूथ कार्य विस्तार योजना' की चर्चा की। प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने फरवरी माह में होने वाली 'विकास यात्रा' कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अर्चना चिटनीस ने राजनैतिक प्रस्ताव रखा। प्रदेश महामंत्री एवं विधायक श्री हरिशंकर खटीक, प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक श्री यशपाल सिसोदिया एवं प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कांवरे ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

बूथ और शक्ति केन्द्र को सशक्त करने की कार्ययोजना में जुटें : हितानंद

हम एक राष्ट्रवादी दल के कार्यकर्ता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश, दुनिया का नेतृत्व करने के लिए आगे बढ़ रहा है। हम सब कार्यकर्ता मिलकर इस दिशा में आगे बढ़े। इसके लिए हमें अपने बूथ और शक्ति केन्द्र को मजबूत करने की कार्ययोजना में जुटना है।

गुजरात चुनाव में बूथ केन्द्र और शक्ति केन्द्र की मजबूती के कारण पार्टी की विराट विजय हुई। इस दिशा में हमें आगे बढ़ते हुए ग्राम केन्द्र और नगर केन्द्र के शक्ति केन्द्रों को मजबूत करना है। पार्टी की योजनानुसार शक्ति केन्द्रों एवं बूथ पर गठन हो। आकांक्षी विधानसभाओं में वरिष्ठ नेताओं के प्रवास होंगे। इस दृष्टि से तैयारियों में जुटें। फरवरी माह में होने वाली विकास यात्रा को सफल बनायें।

नवमतदाताओं को जोड़ने के अभियान में युवा मोर्चा के साथ सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित हमारे जनप्रतिनिधि और मोर्चा जुटें। भारतीय जनता पार्टी सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसी कई योजनाएं महिलाओं के लिए चलायी है। स्वसहायता समूह के माध्यम से मातृशक्ति सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हुई है। महिला मोर्चा इस दिशा में कार्ययोजना बनाकर मातृशक्ति को पार्टी से जोड़ें। 11 फरवरी को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बूथ स्तर पर आजीवन सहयोग निधि के कार्यक्रम हो। 6 अप्रैल को पार्टी स्थापना दिवस के कार्यक्रम होंगे। वहीं 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम प्रदेश भर में आयोजित होंगे। 23 मई को मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम

आयोजित करें। 2 फरवरी से 10 फरवरी के बीच केन्द्र सरकार का बजट प्रस्तुत होगा। बजट पर चर्चा को लेकर अलग अलग प्रकोष्ठ प्रबुद्धजन संवाद के कार्यक्रम आयोजित करें। 5 फरवरी को संत रविदास के पंचायत स्तर पर कार्यक्रम होंगे। वहीं 8 फरवरी को सागर में वृहद कार्यक्रम आयोजित होगा।

15 महीनों की कांग्रेस सरकार की करतूतों को याद रखें: शिवराजसिंह चौहान

यहां बैठे कार्यकर्ताओं में से कितने ही कार्यकर्ता ऐसे हैं, जिनकी दुकानों और मकानों पर कांग्रेस की सरकार ने दुर्भावनापूर्वक बुलडोजर चलवा दिए थे। कितने कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे लाद दिए थे। नागरिकता संशोधन कानून के समर्थन में रैली निकाल रहे लोगों को पीटा था। हमारी विचाराधारा को कुचलने का प्रयास किया। यही लोग आज भी हमारी विचारधारा पर हमला कर रहे हैं, सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगते हैं और धारा 370 हटाने का विरोध करते हैं। 15 महीने की उस सरकार ने प्रदेश को लूट लिया और संबल समेत जनहित की सारी योजनाएं बंद कर दी थी। वो सरकार अपने इन्हीं कर्मों से गिरी थी और हमें उस सरकार के कारनामों को भूलना नहीं है। वहीं कमलनाथ अब फिर रोज एक ट्वीट कर रहे हैं। झूठे वादों का जाल फैला रहे हैं। हमें इनके झूठ और पाखंड को जनता के सामने लाना है।

प्रदेश के विकास की झांकी प्रस्तुत करेगी विकास यात्राएं

2003 के पहले की प्रदेश की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सड़कें जर्जर थीं। डाकुओं के कई गिरोह सक्रिय थे और प्रदेश में कुंओं से हथियार निकलते थे। हमारी सरकार ने प्रदेश से डाकुओं का समूल नाश कर दिया है और नक्सलियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। गुंडों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 23000 एकड़ सरकारी जमीन मुक्त कराई गई है, जिस पर गरीबों की कॉलोनियां बनाई जाएंगी। 42 दुराचारियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। वर्तमान में प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये की सिंचाई और सड़क परियोजनाओं पर काम चालू है।

बिजली की उपलब्धता इतनी है कि हम दिल्ली तक प्रदेश की बिजली भेज रहे हैं। गेंहू उत्पादन में पंजाब को पीछे छोड़ दिया है और धान के उत्पादन में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार ने 19000 लोगों को तीर्थदर्शन कराया और संबल योजना के हितग्राहियों को 3700 करोड़ रुपये दिये हैं। हमने जनजातीय क्रांतिवीरों को सम्मान दिया। उज्जैन के महाकाल महालोक की तर्ज पर देवास, मैहर, ओंकारेश्वर में भी काम हो रहा है। ओरछा और चित्रकूट में भी इसी तरह काम किए जाएंगे। क्या विकास के इतने काम गिनने के लायक नहीं हैं? क्या इनके बारे में जनता को नहीं बताया जाना चाहिए? यही काम हम 5 फरवरी से शुरू हो रही विकास यात्राओं के माध्यम से करेंगे, जिसमें संगठन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इन यात्राओं के दौरान हम लोकार्पण, शिलान्यास के अलावा हितग्राही सम्मेलन भी आयोजित करेंगे।

मोदी जी भारत के लिए वरदान

हमारे नेता और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के लिए ईश्वर का वरदान हैं। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था- मैं भारतमाता को फिर से विश्वगुरु के रूप में अधिष्ठित होते देख रहा हूं। उनके इस सपने को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी पूरा कर रहे हैं। हमारा संगठन काफी मजबूत है और बूथों को डिजिटलाइज करने का जैसा काम मध्यप्रदेश में हुआ है, कहीं नहीं हुआ। लेकिन हमें बूथ को और ज्यादा मजबूत करने के प्रयास करना है। विकास और लोगों का जीवन स्तर उठाने के मामले में जो काम हमारी सरकार ने किए हैं, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किए हैं, वो अदभुत और अकल्पनीय हैं। हमारे पास अभी 200 दिन हैं। इसलिए काम में लग जाएं। खुद को तैयार करें और संकल्प लेकर खड़े हो जाएं। जीत हमारी होगी।

हमें कहां अधिक मजबूती की जरूरत, इस पर चिंतन करें: अजय जामवाल

हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। देश के सबसे ज्यादा राज्यों में हमारी सरकारें हैं। पंच-सरपंच से लेकर देश के राष्ट्रपति पद तक हमारे कार्यकर्ता हैं। जो काम हमारे प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी कर रहे हैं, वो इससे पहले कहीं नहीं हुए। हम देश का सबसे बड़ा कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल हैं और मध्यप्रदेश का पार्टी संगठन देश में आदर्श संगठन है। इसके बाद भी अगर हम खुद को कुछ जगहों पर कमजोर पाते हैं, तो इस पर हमें चिंतन करना चाहिए। चुनाव की दृष्टि से बूथ सबसे महत्वपूर्ण इकाई है।

जिसका बूथ अच्छा होगा, जीत भी उसी की होगी। इसलिए बूथ को साध लें, तो मंडल, शक्ति केंद्र और जिला सब मजबूत हो जाएंगे। प्रदेश के 90 प्रतिशत घरों में हमारी केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं के हितग्राही मौजूद हैं। हमें उन सभी से संपर्क करना है। अगर ये दोनों काम कर लेते हैं, तो जीत तय है।

तय करें कि कोई समस्या नहीं होगी

हमारे सामने कोई समस्या नहीं है। हर समस्या का समाधान हम ही हैं। जिस दिन सभी कार्यकर्ता यह तय कर लेंगे कि मेरे कारण कोई समस्या पैदा नहीं होने दूंगा, तो जीत आपकी है। हम राष्ट्र के लिए काम कर रहे हैं। अपने ऊपर, पार्टी पर और ईश्वर पर विश्वास रखें, जीत को कोई रोक नहीं सकता। जिस तरह से परिवार में बुजुर्गों को सम्मान मिलता है, वैसे ही वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मान दें। स्वयं खुश रहें, दूसरों को खुश रखें और कार्यकर्ताओं से मिलते रहें, क्योंकि वही हमारे भगवान हैं। अगर इतना करते हैं, तो जीत को कोई रोक नहीं सकता। ▪

म. प्र. भाजपा प्रदेश कार्यसमिति का राजनैतिक प्रस्ताव

एक हाथ में कलम एक हाथ में धर्म-दीप्त विज्ञान लेकर उठने वाला है धरती पर हिंदुस्तान

ढेर सारी बधाई और अभिनंदन! भारतीय जनता पार्टी को गुजरात विधानसभा चुनाव में 5 वी बार लगातार मिली ऐतिहासिक जीत हेतु माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री जे.पी. नड्डा जी, गृहमंत्री माननीय श्री अमित शाह जी को मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री विष्णु दत्त शर्मा जी एवं म. प्र. की जनता की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा हार्दिक बधाईयां।

जी 20, शंघाई सहयोग संगठन SCO तथा संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद जैसी तीन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का एक ही वर्ष में भारत को अध्यक्ष बनाया जाना दिखाता है कि अब दुनिया भारत के महत्व और शक्ति को समझ रही है।

कोरोना काल के बाद जहां एक ओर दुनिया में प्रगति थम सी गई है वहीं आर्थिक क्षेत्र में भी भारत ने निर्णायक बढ़त हासिल की है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी, प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री विष्णु दत्त शर्मा जी का नगरीय निकाय के चुनाव परिणाम में मिली सफलता के लिये प्रदेश कार्यसमिति कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं का भी वंदन करती है जिनके परिश्रम से यह विजयश्री प्राप्त हुई।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन व संगठन के सुगठित तंत्र ने 4 नगर पालिका और 8 नगर परिषदों में जीत हासिल करते हुए 64 प्रतिशत निकायों में सफलता प्राप्त की।

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र व राज्य की सरकारों ने विगत दिनों सम्पन्न हुई कार्यसमिति के पश्चात देश व प्रदेश में अनेक निर्णायक और युगांतकारी ऐतिहासिक कार्य किये हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत के प्रति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतना भरोसा बढ़ा है कि जी 20, शंघाई सहयोग संगठन SCO तथा संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद जैसी तीन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का एक ही वर्ष में भारत को अध्यक्ष बनाया जाना दिखाता है कि अब दुनिया भारत के महत्व और शक्ति को समझ रही है। कोरोना काल के बाद जहां एक ओर दुनिया में प्रगति थम सी गई है वहीं आर्थिक क्षेत्र में भी भारत ने निर्णायक बढ़त हासिल की है। कोरोना काल में मध्यप्रदेश में बनी क्राइसेस मेनेजमेंट कमेटियां एक उद्धरण बन गई हैं। 2014 में जहां भारत विश्व की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था आज हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान में आटे की एक-एक बोरी के लिए हाहाकार मचा हुआ है वहीं हमारे देश में महंगाई की दर पिछले तिमाही में 5.7 प्रतिशत से घटकर 4.5 प्रतिशत हो गई है। पिछली तिमाही की सकल घरेलू उत्पाद दर 13.5 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर रही है जबकि इसी समय में चीन जैसे देश की विकास दर मात्र 5 प्रतिशत रही है। प्रदेश कार्यसमिति के सम्मुख यह बताते हुए मैं आनंदित हूँ कि मध्यप्रदेश ने 2021-22 में 19.74 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है जो कि सारे देश में सर्वाधिक है। भारत की जीडीपी में मध्यप्रदेश का योगदान 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.6 प्रतिशत हुआ, वहीं जीडीपी 9.76 लाख करोड़ रूपये से 11.69 लाख करोड़ रूपये हुई व प्रदेश का निर्यात दस गुना बढ़कर 60 हजार करोड़ रूपये हो गया है।

देश घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक क्षेत्र में मजबूत होता जा रहा है साथ ही स्वतंत्र भारत में पहली बार सांस्कृतिक पहचान और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रकटी करण हुआ है। निश्चित रूप से इस समय को इतिहास में सांस्कृतिक पुनरुद्धार का काल कहा जाएगा। जहां एक ओर 500 वर्षों के संघर्षों के परिणाम में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, भारत स्वरूप की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरीडोर के निर्माण से बनारस का प्राचीन वैभव और भी बढ़ा है। हिमालय में केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार और चारों धाम को ऑल वेदर सड़क से जोड़ने के अतिरिक्त, पाक अधिकृत कश्मीर की तरह नेहरू जी की अदूरदर्शिता के स्मारक करतारपुर साहिब में कोरिडोर का निर्माण, गुजरात के मोढेरा में सूर्य मंदिर के नव निर्माण से धर्म के प्रति आस्था व विश्वास बढ़ा है। जिसे देश वासियों ने हाल ही में स्वीकार किया है। इसी श्रृंखला में हमें गर्व है कि भूत भावन ज्योतिर्लिंग महाकाल विश्व प्रसिद्ध मंदिर में भव्य महाकाल लोक का निर्माण हुआ है। जिसका लोकार्पण यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने किया है। प्रदेश वासियों को बदलता दृश्य गौरवान्वित कर रहा है। प्रख्यात महाकाल मंदिर परिसर के परिवर्तन से न केवल धर्म के प्रति आस्था जागरूक हुई है, बल्कि लाखों तीर्थ यात्रियों का आवागमन देखते ही देखते बढ़ रहा है। जिससे स्थानीय रोजगार का भी सृजन हुआ है। भाजपा की सरकारों में देश अपने सांस्कृतिक पुर्नजागरण और पुर्ननिर्माण की

ओर अग्रसर है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा दिए गए महासूत्र अंत्योदय को साकार करने के लिए भी नित नए नए कदम, नए आयाम तय किए हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत 16 करोड़ से अधिक गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को 7 लाख 74 हजार करोड़ के ऋण दिए गए हैं। साथ ही नवीन जनकल्याणकारी योजनाएं भी आकार ले रही है, जैसे वय वंदना योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के जमा पर न्यूनतम 8 प्रतिशत ब्याज अदा की जाएगी और यदि रिजर्व बैंक रेपो रेट कम करता है तो शेष ब्याज की भरपाई सरकार करेगी इससे वरिष्ठ नागरिकों को बहुत राहत मिली है, इस प्रकार के निर्णय सरकार की संवेदनशीलता के परिचायक हैं।

मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण की नई मंजिलें तय की जा रही है।

सबको न्याय व सामाजिक समरसता संविधान की मूल अवधारणा में सम्मिलित है। केंद्र सरकार के द्वारा दिए गये महत्वाकांक्षी निर्णय EWS गरीब सामान्य वर्ग के युवाओं को भी शासकीय नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने हाल ही में निर्णय कर प्रारम्भ कर दिया है।

राजभाषा अधिनियम के लागू होने के 55 वर्ष बाद भी कोई उम्मीद नहीं कर सकता था, कि एमबीबीएस और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में हो सकेगी, मध्य प्रदेश राजभाषा हिंदी को मान देते हुए मेडिकल की शिक्षा हिंदी में देने वाला प्रथम राज्य बन गया है तथा प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों में हिन्दी पाठयक्रम सम्मिलित कर चिकित्सा के क्षेत्र में युवाओं को अवसर प्रारम्भ कर दिया है। साथ ही सरकार का यह संकल्प भी है कि मेडिकल के साथ ही इंजीनियरिंग का पाठयक्रम भी हिन्दी भाषा के साथ जोड़ा जाए। हमारे युवाओं के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में 1 लाख भर्तियों का लक्ष्य रखा था। जिसके अनुपालन में बड़े स्तर पर 1 लाख 10 हजार से अधिक भर्तियों का सिलसिला जारी कर दिया गया है। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पवित्र रामायण, महाभारत, श्रीमद् भागवत गीता जी के प्रसंगो को पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है। इसी प्रकार विक्रमादित्य जी, गुरूनानक देव जी, संत रविदास जी, महर्षि वाल्मिकी जी, टंट्या मामा, रानी दुर्गावती आदि महापुरूषों के योगदान को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।

एमएसएमई रोजगार सृजन में बड़ा योगदान देता है इसीलिए मध्यप्रदेश में 35 एमएसएमई क्लस्टर और 10 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश में विभिन्न प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगारों का सृजन होगा।

गरीब रेहड़ी पटरी वाले स्ट्रीट वेंडर्स कुटीर उद्योग सब्जी वेंडर्स आदि को आर्थिक संबल के लिए प्रधानमंत्री स्व निधि योजना जो 31 मार्च को पूरी होना थी, मध्यप्रदेश में जनवरी में ही उसका लक्ष्य पूरा कर दिया गया है। इस योजना के अंतर्गत छह लाख लोगों को पीएम स्व निधि योजना का लाभ देकर मध्य प्रदेश सभी राज्यों में प्रथम व द्वितीय चरण में नंबर वन बन गया है।

वर्ष 2003 के पूर्व मध्यप्रदेश दिखता ही नहीं था वहीं आज मध्यप्रदेश देश के अन्य राज्यों को विकास और सेवा की राह दिखाता है। तीर्थ दर्शन योजना भी उन महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जिसे माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने सर्वप्रथम सोचा और प्रारंभ किया, जिसे अन्य राज्यों ने भी दोहराया। पिछले वर्ष 19 हजार से अधिक तीर्थयात्री लाभान्वित हुए हैं और अब मध्यप्रदेश हवाई जहाज के द्वारा तीर्थ यात्रा करवाने की ओर अग्रसर हो रहा है।

प्रदेश की बेटियों के सम्मान में प्रत्येक जिले में कम से कम एक सड़क का नामकरण लाड़ली लक्ष्मी पथ कर दिया गया है ज्ञातव्य है की आज प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी की संख्या 44 लाख से अधिक हो गई है। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना-2 के तहत अब बेटियों को महाविद्यालयीन शिक्षा ग्रहण करते हुए 25 हजार की आर्थिक सहायता प्रोत्साहन स्वरूप प्रदत्त की जायेगी। लाड़ली लक्ष्मी योजना के परिणाम स्वरूप जो परिदृश्य सामने आया वह अदभुत है, एक समय एक हजार बेटों पर 911 बेटियाँ जन्म लेती थीं, वहीं आज 978 बेटियाँ जन्म ले रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में हमने देश में नंबर 1 होते हुए 32 लाख 51 हजार से अधिक महिलाओं को 1370 करोड़ रूपये की सहायता प्रदान की। चाइल्ड बजटिंग प्रारंभ करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में नल से जल प्रत्येक महिला का स्वप्न होता है इसे पूरा करने हेतु जल जीवन मिशन के अंतर्गत 56 लाख ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाया गया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी को देश साधुवाद देता होगा, पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नदी जोड़ो के सपनों को साकार करने के लिये। कांग्रेस के शासनकाल में बुंदेलखण्ड सदैव उपेक्षित रहा है, वहीं 44,650 करोड़ की केन बेतवा लिंक परियोजना से न केवल क्षेत्रीय असंतुलन दूर होगा बल्कि बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर भी बदलेगी। इससे बुंदेलखंड के 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर भूमि की अतिरिक्त सिंचाई होगी व 9 लाख लोगों को इस योजना के अंतर्गत पेयजल की उपलब्धता होगी। ओंकारेश्वर में विश्व का सबसे बड़ा 600 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्लांट बन रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने जल शक्ति अभियान के अंतर्गत अमृत सरोवर बनाने की प्रेरणा देश भर को दी, जिसे माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के जन-जन ने अपना संकल्प मान लिया। 1 हजार करोड़ रूपये की लागत से 5 हजार से अधिक अमृत सरोवर बने है।

प्रदेश में पिछले 32 सालों के इतिहास में पहली बार एक वर्ष में 1 करोड़ 14 लाख रूपये के 6 इनामी नक्सली मार गिराये। पीएफआई के 25 से अधिक सक्रिय सदस्य एवं पदाधिकारी गिरफ्तार किये गये। 23 हजार एकड़ भूमि को भू-माफियाओं से मुक्त करा कर गरीबों के लिये स्वराज कॉलोनी बनाने का कार्य भोपाल जिले से प्रारम्भ किया जाना कोई साधारण कार्य नहीं है। गरीबों को आवासीय भू-खण्ड दिए जाना प्रारम्भ किए हैं जिससे टीकमगढ़ में 10 हजार, सिंगरोली जिले में 25 हजार लोगों को भू-खण्ड वितरित किए गये हैं। माताओं-बहिनों और बेटियों की ओर आँख उठाकर देखने वालों के घरों पर बुलडोजर चलाये गये। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत नये पात्र हितग्राहियों को व्यापक स्तर पर जोड़ने के लिये ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाये गये। 38 हितग्राही मूलक योजनाओं में अभियान के अंतर्गत 83 लाख नये हितग्राही जोड़ने का रिकार्ड बना। यह शासन के साथ संगठन के समन्वय के परिणाम का अपने आप में एक उदाहरण है। कांग्रेस ने किये 15 महिने की सरकार में संबल कार्ड निरस्त, भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने पर 3 लाख 57 हजार से अधिक हितग्राहियों को श्री नितिन गड़करी जी ने अपनी स्वीकारोक्ति प्रदान की। साथ

ही ओरछा में रामराजा लोक व चित्रकूट में वनवासी रामलोक के निर्माण की घोषणा भी की। इसके लिए यह कार्य समिति मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित करती है।

अवार्ड लेने में भी मध्यप्रदेश की सरकार ने रिकार्ड बनाया है स्वच्छ सर्वेक्षण 2020-2022 में मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य के पुरूस्कार सहित अब तक कुल 16 राष्ट्रीय पुरुस्कार मिले। केंद्र सरकार के माप दण्डों के अनुसार इंदौर ने 6 वीं बार स्वच्छता का चैंम्पीयन बनकर इतिहास रच दिया है। इंदौर को 7 स्टार रेटिंग मिली है। वहीं मध्यप्रदेश के 99 नगरीय निकायों को स्टार रेटिंग मिलने का गौरव प्राप्त हुआ है। सत्ता और संगठन रूके नहीं है, थमे नहीं है अमृतकाल में अमृत वर्षा का दौर मध्यप्रदेश में जारी है।

जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार देश और प्रदेश के विकास और जनकल्याण के नए प्रतिमान गढ़ रही है वही कांग्रेस भारत तोड़ो यात्रा में व्यस्त हैं यह यात्रा उसी टुकड़े टुकड़े गैंग का ब्रेंनचाइल्ड है जिन्होंने किसान आंदोलन की असफलता के बाद भाजपा सरकार के विरुद्ध नया टूल किट तैयार किया है, इस यात्रा में वे सब लोग हैं जो भारत और भारतीयता के खिलाफ खड़े रहे हैं जैसे टुकड़े टुकड़े गैंग के सरगना कन्हैया कुमार, कई आंदोलनजीवी व विकास विरोधी तत्व शामिल हुए। भारतीय सुरक्षा बलों के खिलाफ नक्सलवाद की मदद के लिए 519 केस लगाने वाले हिमांशु कुमार 1600 करोड़ के धोखाधड़ी के आरोपी पूर्व वित्त सचिव अरविंद मायाराम जैसे कुख्यात लोगों से परिपूर्ण रही। भाजपा पूछती है कि भारतीय संविधान से धारा 370 को हटाने का विरोध करने वाली कांग्रेस की यह भारत तोड़ो यात्रा नहीं तो और क्या है। संदिग्ध और खोखले उद्देश्यों को लेकर जारी इस यात्रा में दिए गए उनके वक्तव्यों में भी भारत और भारतीयता, हिंदू और हिंदुत्व राष्ट्र और राष्ट्रवाद का विरोध बार-बार सामने आया है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह जी पुलवामा अटैक में लैप्स ढूंढते कल भी दिखे और सर्जिकल स्ट्राइक पर सबूत मांग भारतीय सेना का मनोबल गिरा रहे हैं। यह कार्य समिति कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह जी की कड़े शब्दों में निंदा करती है व चेतावनी देती है कि वह सेना से माफी मागें।

श्री राम और सियाराम, कौरव खाकी नेकर पहनते थे, पांडवों ने जीएसटी नहीं लगाया, वीर सावरकर वीर नहीं थे ऐसे घटिया जुमलों से सजी बगैर ब्लूप्रिंट और बगैर रोड मैप की इस यात्रा ने देश व दुनिया के सामने कांग्रेस की एम.आर.आई. रिपोर्ट ही प्रस्तुत कर दी है।

भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश की सरकार भी अनोखी है और संगठन भी अदभुत...

संगठन की दृष्टि से मध्यप्रदेश देश का सिरमौर है...

माननीय शिवराज सिंह जी ई-गर्वनेंस से सरकार चला रहे हैं तो दूसरी और मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी तकनीक में नित्य नए नवाचार कर रहा है और आज हमने प्रदेश कार्यसमिति में ई-रजिस्ट्रेशन का नवाचार किया है। मध्यप्रदेश के संगठन एप का अब देश अनुकरण कर रहा है। बूथ पर माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी की 'मन की बात' को सुनकर अधिकतम रियल टाईम रिपोर्टिंग, फोटोग्राफ्स के साथ करने वाला राज्य मध्यप्रदेश अग्रणी बना। इसके लिए माननीय प्रदेश अध्यक्ष जी को हम बधाई देते है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे. पी. नड्डा जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान जी तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी के नेतृत्व में अगले विधान सभा चुनाव में 200 से ज्यादा सीटों पर भाजपा जीत हासिल करेगी।

यही समय है यही समय है,
भारत का अनमोल समय है।
असंख्य भुजाओं की शक्ति है,
हर तरफ देश की भक्ति है।।
तुम उठो तिरंगा लहरा दो,
भारत के भाग्य को फहरा दो।
यही समय है यही समय है,
भारत का अनमोल समय है।।
कुछ ऐसा नहीं जो कर न सको,
कुछ ऐसा नहीं जो पा न सको।
तुम उठ जाओ तुम जुट जाओ,
सामर्थ्य को अपने पहचानो।।
कर्तव्य को अपने सब जानो,
यही समय है यही समय है
भारत का अनमोल समय है।।

प्रस्तावक - श्रीमती अर्चना चिटनीस जी, प्रदेश प्रवक्ता भाजपा एवं पूर्व मंत्री समर्थक -

1. श्री हरिशंकर खटीक जी,
   प्रदेश महामंत्री भाजपा एवं विधायक
2. श्री यशपालसिंह सिसौदिया जी,
   प्रदेश प्रवक्ता भाजपा एवं विधायक
3. श्री रामकिशोर कांवरे जी,
   मंत्री म. प्र. शासन ▪

नई गाँठ लगती

अटल बिहारी वाजपेयी

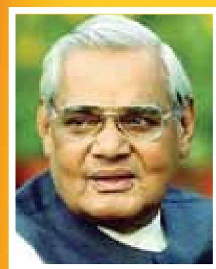

जीवन की डोर छोर छूने को मचली,
जाड़े की धूप स्वर्ण कलशों से फिसली,
अन्तर की अमराई
सोई पड़ी शहनाई,
एक दबे दर्द-सी सहसा ही जगती।
नई गाँठ लगती।

दूर नहीं, पास नहीं, मंजिल अजानी,
साँसों के सरगम पर चलने की ठानी,
पानी पर लकीर-सी,
खुली जंजीर-सी।
कोई मृगतृष्णा मुझे बार-बार छलती।
नई गाँठ लगती।

मन में लगी जो गाँठ मुश्किल से खुलती,
दागदार जिन्दगी न घाटों पर धुलती,
जैसी की तैसी नहीं,
जैसी है वैसी सही,
कबिरा की चादरिया बड़े भाग मिलती।
नई गाँठ लगती।

प्रवासी भारतीय सशक्त और समर्थ भारत की आवाज - नरेन्द्र मोदी

भारत की महान विरासत में प्रवासी भारतीय राष्ट्रदूत हैं

एक स्मारक डाक टिकट 'सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं' जारी किया।

आजादी का अमृत महोत्सव- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासी भारतीयों का योगदान विषय पर पहली डिजिटल प्रवासी भारतीय दिवस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इंदौर एक शहर होने के साथ-साथ एक दौर भी है जो अपनी विरासत को संरक्षित करते हुए समय से आगे चलता है।

अमृत काल में भारत की यात्रा में हमारे प्रवासी भारतीयों का महत्वपूर्ण स्थान है।

अमृत काल के दौरान भारत की अनूठी वैश्विक दृष्टि और वैश्विक व्यवस्था में इसकी भूमिका को प्रवासी भारतीयों द्वारा मजबूत किया जाएगा।

प्रवासी भारतीयों में, हम वसुधैव कुटुंबकम और एक भारत श्रेष्ठ भारत की व्यापक छवि देखते हैं।

हमें जी-20 को केवल एक डिप्लोमेटिक इवेंट नहीं, बल्कि जन-भागीदारी का एक ऐतिहासिक आयोजन बनाना है जहां कोई भी 'अतिथि देवो भव' की भावना का साक्षी बन सके।

भारतीय युवाओं का कौशल, मूल्य और कार्य नैतिकता वैश्विक विकास का इंजन बन सकता है।

पिछले 8 वर्षों में, भारत ने अपने प्रवासी भारतीयों को मजबूत करने का प्रयास किया है।

प्रवासी भारतीय सम्मेलन मध्य प्रदेश की उस धरती पर हो रहा है, जिसे देश का हृदय क्षेत्र कहा जाता है। MP में माँ नर्मदा का जल, यहाँ के जंगल, आदिवासी परंपरा, यहाँ का आध्यात्म, ऐसा कितना कुछ है, जो आपकी इस यात्रा को अविस्मरणीय बनाएगा।

अभी हाल ही में पास ही उज्जैन में भगवान महाकाल के महालोक का भी भव्य और दिव्य विस्तार हुआ है। आशा करता हूँ आप सब वहाँ जाकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद भी लेंगे और उस अदभुत अनुभव का हिस्सा भी बनेंगे।

करीब 4 वर्षों के बाद प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन एक बार फिर अपने मूल स्वरूप में, अपनी पूरी भव्यता के साथ हो रहा है। अपनों से आमने-सामने की मुलाकात का, आमने-सामने की बात का अपना अलग ही आनंद भी होता है, और उसका महत्व भी होता है।

प्रत्येक प्रवासी भारतीय अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के साथ अपने देश की माटी को नमन करने आया है। प्रवासी भारतीय सम्मेलन मध्य प्रदेश की उस धरती पर हो रहा है, जिसे देश का हृदय क्षेत्र कहा जाता है। MP में माँ नर्मदा का जल, यहाँ के जंगल, आदिवासी परंपरा, यहाँ का आध्यात्म, ऐसा कितना कुछ है, जो आपकी इस यात्रा को अविस्मरणीय बनाएगा। अभी हाल ही में पास ही उज्जैन में भगवान

महाकाल के महालोक का भी भव्य और दिव्य विस्तार हुआ है। आशा करता हूँ आप सब वहाँ जाकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद भी लेंगे और उस अदभुत अनुभव का हिस्सा भी बनेंगे।

वैसे हम सभी अभी जिस शहर में हैं, वो भी अपने आप में अदभुत है। लोग कहते हैं कि इंदौर एक शहर है, लेकिन मैं कहता हूँ इंदौर एक दौर है। ये वो दौर है, जो समय से आगे चलता है, फिर भी विरासत को समेटे रहता है। इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में देश में एक अलग पहचान स्थापित की है। खाने-पीने के लिए '**अपन का इंदौर**' देश ही नहीं, पूरी दुनिया में लाजवाब है। इंदौरी नमकीन का स्वाद, यहां पर पोहे का पैशन है, साबूदाने की खिचड़ी, कचौरी-समोसे-शिकंजी, जिसने भी इन्हें देखा, उसके मुंह का पानी नहीं रुका। और जिसने इन्हें चखा, उसने कहीं और मुड़कर नहीं देखा! इसी तरह, छप्पन दुकान तो प्रसिद्ध है ही, सर्राफा भी महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि कुछ लोग इंदौर को स्वच्छता के साथ-साथ स्वाद की राजधानी भी कहते हैं। यहाँ के अनुभव आप खुद भी नहीं भूलेंगे, और वापस जाकर दूसरों को यहाँ के बारे में बताना भी नहीं भूलेंगे।

This Pravasi Bharatiya Divas is special in many ways. We celebrated 75 years of India's independence just a few months ago. A digital exhibition related to our freedom struggle has been organised here. It brings that glorious era in front of you again.

The nation has entered the Amrit Kaal of the next 25 years. Our Pravasi Bharatiyas have a significant place in this journey. India's unique global vision and its important role in the global order will be strengthened by you people.

हमारे यहाँ कहा जाता है- "**स्वदेशो भुवनत्रयम्**"। अर्थात्, हमारे लिए पूरा संसार ही हमारा स्वदेश है। मनुष्य मात्र ही हमारा बंधु-बांधव है। इसी वैचारिक बुनियाद पर हमारे पूर्वजों ने भारत के सांस्कृतिक विस्तार को आकार दिया था। हम दुनिया के अलग-अलग कोनों में गए। हमने सभ्यताओं के समागम की अनंत संभावनाओं को समझा। हमने सदियों पहले वैश्विक व्यापार की असाधारण परंपरा शुरू की थी। हम असीम लगने वाले समंदरों के पार गए। अलग-अलग देशों, अलग-अलग सभ्यताओं के बीच व्यावसायिक संबंध कैसे साझी समृद्धि के रास्ते खोल सकती है, भारत ने और भारतीयों ने करके दिखाया। आज अपने करोड़ों प्रवासी भारतीयों को जब हम ग्लोबल मैप पर देखते हैं, तो कई तस्वीरें एक साथ उभरती हैं। दुनिया के इतने अलग-अलग देशों में जब भारत के लोग एक कॉमन फैक्टर की तरह दिखते हैं, तो '**वसुधैव कुटुंबकम्**' की भावना उसके साक्षात् दर्शन होते हैं। दुनिया के किसी एक देश में जब भारत के अलग-अलग प्रान्तों, अलग-अलग क्षेत्रों के लोग मिलते हैं, तो '**एक भारत, श्रेष्ठ भारत**' का सुखद अहसास भी होता है। दुनिया के अलग-अलग देशों में जब सबसे शांतिप्रिय, लोकतांत्रिक और अनुशासित नागरिकों की चर्चा होती है, तो Mother of Democracy होने का भारतीय गौरव अनेक गुना बढ़ जाता है। और जब, हमारे इन प्रवासी भारतीयों के योगदान का विश्व आकलन करता है, तो उसे '**सशक्त और समर्थ भारत**' इसकी आवाज सुनाई देती है। इसलिए सभी प्रवासी भारतीयों को विदेशी धरती पर भारत का राष्ट्रदूत ब्रैंड एंबेसेडर कहता हूं। सरकारी व्यवस्था में राजदूत होते हैं। भारत की महान विरासत में आप राष्ट्रदूत होते हैं।

Your role as India's brand ambassador is diverse. You are brand ambassadors of Make In India. You are brand ambassadors of Yoga and Ayurveda. You are also brand ambassadors of India's cottage industries and handicrafts. At the same time, you are also brand ambassadors of India's millets. You would already know that 2023 has been declared by the United Nations as the International Year of Millets. I appeal to you to take some millet products with you while returning. You also have another important role to play in these rapidly changing times. You are the people who will address the world's desire to know more about India. Today, the whole world is waiting and watching India keenly with great interest and curiosity. It is important to understand why I am saying this.

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विकास की जो गति प्राप्त की है, जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो असाधारण हैं, अभूतपूर्व हैं। जब भारत कोविड महामारी के बीच कुछ महीनों में ही स्वदेशी वैक्सीन बना लेता है, जब भारत अपने नागरिकों को 220 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज मुफ्त लगाने का रिकॉर्ड बनाता है, जब वैश्विक अस्थिरता के बीच भी भारत विश्व की उभरती अर्थव्यवस्था बनता है, जब भारत विश्व की बड़ी economies से compete करता है, टॉप-5 इकॉनॉमी में शामिल होता है, जब भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप ecosystem बनता है, जब मोबाइल manufacturing जैसे क्षेत्रों में, इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में '**मेक इन इंडिया**' का डंका बजता है, जब भारत अपने दम पर तेजस फाइटर प्लेन, एयरक्राफ्ट करियर INS विक्रांत और अरिहंत जैसी न्यूक्लियर सबमरीन बनाता है, तो स्वाभाविक है, दुनिया और दुनिया के लोगों में curiosity होती है कि भारत क्या कर रहा है, कैसे कर रहा है।

लोग जानना चाहते हैं कि भारत की स्पीड क्या है, स्केल क्या है, भारत का फ्यूचर क्या है। इसी तरह, जब cashless economy की बात होती है, फिनटेक की चर्चा होती है तो दुनिया ये देखकर हैरत में है कि विश्व के 40 परसेंट रियल टाइम डिजिटल transactions भारत में होते हैं। जब Space के फ्यूचर की बात होती है, तो भारत की चर्चा space technology के most advanced देशों में होती है। भारत, एक बार में सौ-सौ सैटेलाइट्स लॉन्च करने का रिकॉर्ड बना रहा है। सॉफ्टवेयर और डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमारी ताकत दुनिया देख रही है। आप में से बहुत से लोग भी इसका बहुत बड़ा जरिया हैं। भारत का ये बढ़ता हुआ सामर्थ्य, भारत का ये दम-खम, भारत की जड़ों से जुड़े हर व्यक्ति का सीना चौड़ा कर देता है। वैश्विक मंच पर आज भारत की आवाज, भारत का संदेश, भारत की कही बात एक अलग ही मायने रखती है। भारत की ये बढ़ती हुई ताकत आने वाले दिनों में और ज्यादा बढ़ने वाली है और इसलिए, भारत के प्रति जिज्ञासा, भारत के प्रति curiosity भी और बढ़ेगी और इसलिए विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की, प्रवासी भारतीयों की जिम्मेदारी भी बहुत बढ़ जाती है। आपके पास आज भारत के बारे में जितनी व्यापक जानकारी होगी, उतना ही आप दूसरों को भारत के बढ़ते सामर्थ्य के बारे में बता पाएंगे और तथ्यों के आधार पर बता पाएंगे। मेरा आग्रह है कि आपके पास कल्चरल और Spiritual जानकारी के साथ-साथ भारत की प्रगति की अपडेटेड इनफार्मेशन होनी चाहिए।

आप सबको ये पता है, इस वर्ष भारत दुनिया के G-20 समूह की अध्यक्षता भी कर रहा है। भारत इस जिम्मेदारी को एक बड़े अवसर के

रूप में देख रहा है। हमारे लिए ये दुनिया को भारत के बारे में बताने का अवसर है। ये दुनिया के लिए भारत के अनुभवों से सीखने का, पुराने अनुभवों से sustainable future की दिशा तय करने का अवसर है। हमें G-20 केवल एक diplomatic event नहीं, बल्कि जन-भागीदारी का एक ऐतिहासिक आयोजन बनाना है। इस दौरान विश्व के विभिन्न देश, भारत के जन-जन के मन में '**अतिथि देवो भवः**' की भावना का दर्शन करेंगे। आप भी अपने देश से आ रहे प्रतिनिधियों से मिलकर उन्हें भारत के बारे में बता सकते हैं। इससे उन्हें भारत पहुँचने से पहले ही अपनत्व और स्वागत का अहसास होगा।

मैं तो यह भी कहुंगा कि जब G-20 समिट में 200 मीटिंग्स होने वाली है। G-20 समूह के 200 delegation यहां आने वाले हैं। हिन्दुस्तान के अलग-अलग शहरों में जाने वाले हैं। वापस जाने के बाद वहां पर रहने वाले प्रवासी भारतीय उनको बुलाएं, भारत में गए थे तो कैसा रहा, उनके अनुभव सुनें। मैं समझता हूं कि उनके साथ हमारे बंधन को और मजबूत करने के लिए अवसर बन जाएगा।

आज भारत के पास न केवल दुनिया के नॉलेज सेंटर बनने का, बल्कि स्किल कैपिटल बनने का सामर्थ्य भी है। आज भारत के पास सक्षम युवाओं की एक बड़ी तादाद है। हमारे युवाओं के पास स्किल भी है, values भी हैं, और काम करने के लिए जरूरी जज्बा और ईमानदारी भी है। भारत की ये स्किल कैपिटल दुनिया के विकास का इंजन बन सकती है। भारत में उपस्थित युवाओं के साथ ही भारत की प्राथमिकता वो प्रवासी युवा भी हैं जो भारत से जुड़े हैं। हमारे ये नेक्स्ट जेनेरेशन युवा, जो विदेश में जन्मे हैं, वहीं पले-बढ़े हैं, हम उन्हें भी अपने भारत को जानने समझने के लिए कई अवसर दे रहे हैं। नेक्स्ट जेनेरेशन प्रवासी युवाओं में भी भारत को लेकर उत्साह बढ़ता चला जा रहा है। वो अपने माता-पिता के देश के बारे में जानना चाहते हैं, अपनी जड़ों से जुड़ना चाहते हैं। ये हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम इन युवाओं को न केवल देश के बारे में गहराई से बताएं, बल्कि उन्हें भारत दिखाएँ भी। पारंपरिक बोध और आधुनिक नजर के साथ ये युवा future world को भारत के बारे में कहीं ज्यादा प्रभावी ढंग से बता पाएंगे। जितनी युवाओं में जिज्ञासा बढ़ेगी, उतना ही भारत से जुड़ा पर्यटन बढ़ेगा, भारत से जुड़ी रिसर्च बढ़ेगी, भारत का गौरव बढ़ेगा। ये युवा भारत के विभिन्न पर्वों के दौरान, प्रसिद्ध मेलों के दौरान आ सकते हैं या फिर बुद्ध सर्किट, रामायण सर्किट का लाभ उठा सकते हैं। वो आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हो रहे कार्यक्रमों में भी जुड़ सकते हैं।

मेरा एक और सुझाव है। कई देशों में भारत से प्रवासी कई सदियों से जा कर बसे हैं। भारतीय प्रवासियों ने वहां के राष्ट्र के निर्माण में अपने असाधारण योगदान दिये हैं। हमें इनकी लाइफ, उनके struggles और उनके अचीवमेंट्स को डॉक्यूमेंट करना चाहिए। हमारे कई बुजुर्गों के पास उस जमाने की कई memories होंगी। मेरा आग्रह है कि यूनिवर्सिटीज के माध्यम से हर देश में हमारे डायस्पोरा की हिस्ट्री पर ऑडियो-विडियो या लिखित डॉक्यूमेंटेशन के प्रयास किए जाएँ।

कोई भी राष्ट्र उसमें निष्ठा रखने वाले हर एक व्यक्ति के दिल में जीवित रहता है। यहाँ भारत से कोई व्यक्ति जब विदेश जाता है, और उसे वहाँ एक भी भारतीय मूल का व्यक्ति मिल जाता है तो उसे लगता है कि उसे पूरा भारत मिल गया। यानी, आप जहां रहते हैं, भारत को अपने साथ रखते हैं। बीते 8 वर्षों में देश ने अपने diaspora को ताकत देने के लिए हर संभव प्रयास किया है। आज भारत का ये कमिटमेंट है कि आप दुनिया में कहीं भी रहेंगे, देश आपके हितों और अपेक्षाओं के लिए आपके साथ रहेगा। ▪

औद्योगिक, सांस्कृतिक विकास में मील का पत्थर बनेगा अप्रवासी सम्मेलन: विष्णुदत्त शर्मा

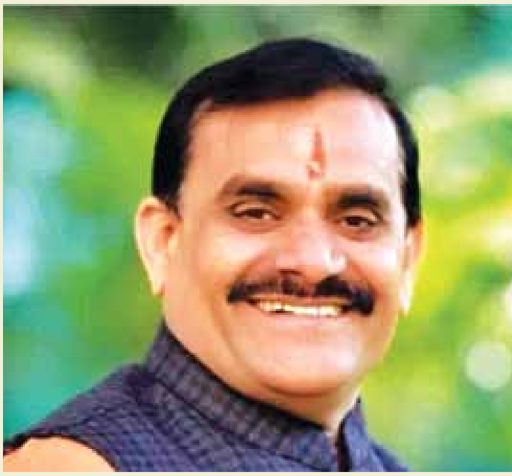

अप्रवासी भारतीय सम्मेलन सिर्फ निवेशकों का सम्मेलन नहीं है। बल्कि इस सम्मेलन में दुनिया के अनेक देशों से आए अप्रवासी भारतीयों ने जिस उत्साह से भाग लिया, जिस भावनात्मक गहराई से भारत से अपने जुड़ाव को रेखांकित किया, उससे यह आयोजन एक वैश्विक आयोजन बन गया। यह सम्मेलन दुनिया को भारत और भारतीयों की बढ़ती ताकत से परिचित तो कराएगा ही, मध्यप्रदेश में मौजूद निवेश की अपार संभावनाओं और क्षमता से भी अवगत कराएगा। निश्चित तौर पर यह आयोजन मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इंदौर के नागरिकों ने मेहमानों को प्रदेश की संस्कृति, विरासत और यहां के जनजीवन से परिचित कराने के लिए जो उत्साह और जज्बा दिखाया है, वह स्वागत योग्य है। इस आयोजन में जिस तरह से नागरिकों की भागीदारी को जोड़ा गया है, उससे यह अप्रवासी मेहमानों के लिए प्रदेश की संस्कृति, रहन-सहन और खानपान को प्रत्यक्ष रूप से जानने का एक अनूठा अवसर बन गया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का नारा '**सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास**' अब भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि एक वैश्विक नारा बन गया है। साथ ही कोरोना संकट के दौरान भारत ने जिस तरह अनेक देशों की मदद की है, उसने भारत को एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में दुनिया में स्थापित किया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं निवेशकों, उद्योगपतियों से मिले, उन्हें प्रदेश में उपलब्ध सुविधाओं और संभावनाओं की जानकारी दी, उसके परिणाम उत्साहवर्धक रहे। अधिकांश प्रवासी उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में निवेश करने के बारे में दिलचस्पी दिखाई। सम्मेलन के दौरान जितने व्यापक स्तर पर प्रदेश में निवेश करने पर विचार विमर्श रहा, चर्चाएं जिस दिशा में बढ़ी, उससे स्पष्ट है कि यह सम्मेलन प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। ▪

प्रवासी भारतीय विश्वसनीय भागीदार : शिवराज सिंह चौहान

इंदौरवासियों ने प्रवासी भारतीयों के भावभीने स्वागत के लिए पूरे शहर को रंगोली और विद्युत साज-सज्जा से जगमगाया है। इंदौर ने पलक पावड़े बिछाएँ हैं। मध्यप्रदेश, देश का दिल है और आप हमारे दिल के टुकड़े हैं। अतिथि देवो भव की भावना के साथ मध्यप्रदेश में स्वागत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सारी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। आजादी के अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए प्रवासी भारतीय विश्वसनीय भागीदार हैं। प्रवासी भारतीयों ने अपनी गतिशीलता, कड़ी मेहनत और व्यवहार से पूरी दुनिया में भारत का डंका बजाया है, अलग विलक्षण पहचान दी है,

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने स्वच्छता, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया के क्षेत्र में गतिविधियों से विश्व में विशेष स्थान बनाया है। ज्ञान-शक्ति और अर्थ-शक्ति के साथ आत्म-निर्भर भारत का निर्माण जारी है। युवाओं को नवाचार और तकनीक के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए निश्चित लक्ष्य, कठोर परिश्रम, धैर्य के साथ चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ने का साहस रखने से ही सफलता मिलती है। गूगल, मास्टर कार्ड, एबोड, माइक्रोसॉफ्ट जैसी तकनीक प्रधान संस्थाओं का संचालन भारतीय युवाओं के हाथों में है। सुंदर पिचाई, इंदिरा नूई जैसे लोगों ने सफलता का नया इतिहास रचा है। भारतीय युवाओं ने तकनीक और नवाचार के दम पर दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। मध्यप्रदेश 19.76 प्रतिशत की विकास दर के साथ लगातार आगे बढ़ रहा है। हम शीघ्र ही युवा नीति ला रहे हैं। शिक्षा के साथ उद्यमिता के विकास के लिए ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना की जा रही है। केवल इंदौर में ही पंद्रह सौ से अधिक स्टार्टअप आरंभ हो चुके हैं। प्रवासी भारतीय युवाओं को अपने नवाचार के क्रियान्वयन के लिए कोई भी ऐसा नवाचार हो, जिसे आप क्रियान्वित करने के इच्छुक हो तो मध्यप्रदेश सरकार आपको हरसंभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

स्टार्टअप क्षेत्र में मध्यप्रदेश में 2500 से अधिक स्टार्टअप की उपलब्धि प्रामाणिक बनी है। मध्यप्रदेश के युवा लंबी उड़ान भरना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देश में स्वच्छता को लेकर समन्वित विकास के अनेक कार्य हुए हैं। सरकार, प्रशासन और जनता एकजुट होकर विकास के नए प्रयासों को साकार करेंगे।

पर्यटन विकास से स्थानीय निवासियों को भी मिलेगा रोजगार

मध्यप्रदेश अब चीता राज्य भी है। कूनो पालपुर में अफ्रीका से चीते लाकर बसाए गए हैं। वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के क्षेत्र में स्थानीय निवासियों को विभिन्न कार्यों से रोजगार मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा। कूनो पालपुर में विशेष पिछड़ी जनजाति सहरिया के निर्धन भाई-बहनों को पर्यटन से रोजगार मिलेगा। कूनो पालपुर में पर्यटकों को चीता देखने की सुविधा मिलने लगेगी। इस क्षेत्र की जलवायु और वातावरण चीतों को रास आ गया है। चीतों की संख्या में भी वृद्धि होगी और पर्यटकों को बुनियादी सुविधाएँ

उपलब्ध करवा कर इस क्षेत्र के पर्यटन के महत्व को बढ़ाने का कार्य किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की व्यापक संभावनाएँ हैं। इंदौर और भोपाल के अलावा अन्य नगर भी होटल उद्योग के विकास, पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और वन्य-प्राणी दर्शन के लिए आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाएँ जुटाने का केन्द्र बन रहे हैं।

खाद्य प्र-संस्करण और भंडारण क्षेत्र की खूबियाँ

मध्यप्रदेश के मिलेट ज्वार, बाजरा के अलावा अनेक आर्गेनिक उत्पाद सरसों, लहसुन, संतरा, अदरक, टमाटर बाजार में अलग पहचान रखते हैं। मालवा क्षेत्र का एक कली वाला लहसुन लोकप्रिय रहा है। मध्यप्रदेश से शरबती गेहूँ के निर्यात में वृद्धि हो रही है। लॉजिस्टिक क्षेत्र में मध्यप्रदेश हब बन रहा है। इन सेक्टर्स में नवीन निवेशकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश पर आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करवाने का प्रावधान है। पारदर्शी प्रक्रिया से स्वीकृतियाँ प्रदान की जाती हैं। कोरोना महामारी से यह सबक मिला कि हेल्थ प्रिवेंशन को प्राथमिकता दी जाए। एक हेल्थ केयर इनोवेशन कॉरीडोर बनाया जा सकता है। भोपाल में सिंगापुर के सहयोग से ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना के बाद इस क्षेत्र में सिंगापुर की कम्पनी का सहयोग लेकर निवेश प्रोत्साहित किया जाएगा। राज्य सरकार इस कार्य में पूरा सहयोग करेगी।

मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और रोजगार बढ़ाने के लिए सरकार भरपूर मदद करेगी

नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भी नवीन निवेश का स्वागत है। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को पर्याप्त बढ़ावा दिया गया है। प्रदेश इस क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश में ओंकारेश्वर में 600 मेगावाट के फ्लोटिंग संयंत्र की स्थापना का कार्य हो रहा है। साथ ही शाजापुर, नीमच, छतरपुर और मुरैना आदि स्थानों में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रयास किए जा रहे हैं। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए राज्य की नीति के अनुसार पूरी सहायता दी जाएगी। पूर्व वर्षों में रीवा में सौर ऊर्जा परियोजना से लाभ लिया गया है। मध्यप्रदेश शरबती गेहूँ और बासमती चावल के साथ मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देना चाहता है।

करीब 20 वर्ष पहले मध्यप्रदेश में बिजली, पानी और सड़कों से जुड़ी समस्याएँ देखी जाती थी। दो दशक में इन क्षेत्रों में व्यवस्थाएँ मजबूत की गईं। आवश्यक अधो-संरचना के विकास और विभिन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए उद्योगपतियों को आमंत्रित करने से निवेश आने लगा।

योग्य युवाओं को काम मिलने लगा। प्रदेश की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ और मध्यप्रदेश अनेक क्षेत्र में अग्रणी हो गया है। अब नवीन क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्युटिकल, कृषि, पर्यटन, स्वास्थ्य, खाद्य प्र-संस्करण और टेक्सटाईल उद्योगों के विकास के ठोस कदम उठाये गये। प्रदेश में निवेश के लिये प्रवासी भारतीयों की भी रूचि बढ़ रही है।

सभी एकजुट होकर विकास के प्रयासों को साकार करेंगे

प्रवासी भारतीय दिवस और जीआईएस से मध्यप्रदेश की विशेषताएँ अनेक देशों के सामने आएंगी। विशेषकर स्टार्टअप क्षेत्र में मध्यप्रदेश में 2500 से अधिक स्टार्टअप की उपलब्धि प्रामाणिक बनी है।

मध्यप्रदेश के युवा लंबी उड़ान भरना चाहते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देश में स्वच्छता को लेकर समन्वित विकास के अनेक कार्य हुए हैं। सरकार, प्रशासन और जनता एकजुट होकर विकास के नए प्रयासों को साकार करेंगे।

गो अहेड, आप कितनी जल्दी उद्योग लगा सकते हैं

प्रदेश में भूमि, गैस पाइप लाइन, पर्याप्त विद्युत, जल, रेल और बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है। राज्य शासन की टीम के साथ रोडमैप बनाये और बताये कि कितनी जल्दी इकाई लगाने का काम आरंभ कर रहे हैं। ▪

पार्टी की रीति नीति और सरकार की उपलब्धियों को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं - मुरलीधर राव

बूथ सशक्तिकरण अभियान में हर बूथ का डिजिटलाइजेशन किया गया है। प्रत्येक बूथ पर भाजपा की शक्ति बढ़ी है। सुघोष अभियान से बूथ को डिजिटल करने वाले युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अभियान से प्रशिक्षित होकर युवा सटीक तथ्यों और तर्कों के साथ विपक्षी दलों द्वारा फैलाये जा रहे भ्रम को दूर करें। साथ ही पार्टी की रीति-नीति और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने का काम करें।

हर बूथ को मजबूत करने में जुटें कार्यकर्ता

आज का युग डिजीटल है और सोशल मीडिया युवाओं का अत्यंत लोकप्रिय विषय है, इसको ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया का पार्टी हित में बेहतर उपयोग हो इसके लिए पार्टी युवाओं को प्रशिक्षित कर रही है। हर बूथ मजबूत हो इसके लिए प्रशिक्षित कार्यकर्ता पार्टी के अभियानों और सरकार की योजनाओं के माध्यम से बूथ को मजबूत करने के लिए जुट जायें।

आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग का कार्यकर्ता एक सिपाही की तरह कार्य करे और पार्टी की सुरक्षा का दायित्व ले। सुघोष अभियान के अंतर्गत सोशल मीडिया के बूथ कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें सोशल मीडिया का महत्व बताते हुए किस तरह पार्टी की बात सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से आम जन तक पहुंचाया जाये, यह जानकारी दी जा रही है। प्रत्येक बूथ पर सोशल मीडिया और आईटी सेल के युवाओं की टीम तैयार की जा रही है और उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। ▪

स्थिर, निर्णायक, सही नीयत से चलने वाली सरकार विकास को अभूतपूर्व गति दे रही है: प्रधानमंत्री

आस्था और अध्यात्म से पर्यटन तक, कृषि से शिक्षा और कौशल विकास तक मध्य प्रदेश एक अद्‌भुत गंतव्य

''वैश्विक अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाली संस्थाओं और विश्वसनीय आवाजों का भारत में अभूतपूर्व विश्वास है''

''2014 से भारत ने 'रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म एंड परफॉर्म' का रास्ता अपनाया है''

''डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे, लॉजिस्टिक पार्क, ये नए भारत की पहचान बन रहे हैं''

''पीएम गति शक्ति भारत में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय मंच है जिसने राष्ट्रीय मास्टर प्लान का रूप ले लिया है''

''भारत को दुनिया का सबसे प्रतिस्पर्धी लॉजिस्टिक्स बाजार बनाने के उद्देश्य से अपनी राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति लागू की है''

''मध्य प्रदेश आने वाले निवेशकों से पीएलआई योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह करता हूं''

मध्य प्रदेश में ये समिट ऐसे समय में हो रही है जब भारत की आजादी का अमृतकाल शुरू हो चुका है।

हम सभी मिलकर विकसित भारत के निर्माण के लिए जुटे हुए हैं। और जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो ये सिर्फ हमारी aspiration नहीं है, बल्कि ये हर भारतीय का संकल्प है। हम भारतीय ही नहीं, बल्कि दुनिया की हर संस्था, हर एक्सपर्ट इसको लेकर आश्वस्त दिख रहा है।

''सरकार ने कुछ दिन पहले ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी है, जिससे लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं होंगी''

विकसित भारत के निर्माण में मध्य प्रदेश की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आस्था, अध्यात्म से लेकर पर्यटन तक, एग्रीकल्चर से लेकर एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट तक, MP अजब भी है, गजब भी है और सजग भी है।

मध्य प्रदेश में ये समिट ऐसे समय में हो रही है जब भारत की आजादी का अमृतकाल शुरु हो चुका है। हम सभी मिलकर विकसित भारत के निर्माण के लिए जुटे हुए हैं। और जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो ये सिर्फ हमारी aspiration नहीं है, बल्कि ये हर भारतीय का संकल्प है। हम भारतीय ही नहीं, बल्कि दुनिया की हर संस्था, हर एक्सपर्ट इसको लेकर आश्वस्त दिख रहा है।

The IMF sees India as a bright spot in the global economy. The World Bank says that India is in a better position to deal with global

भारत का आधुनिक होता इंफ्रास्ट्रक्चर, मल्टी मॉडल होता इंफ्रास्ट्रक्चर भी investment की संभावनाओं को जन्म दे रहा है। 8 वर्षों में नेशनल हाईवे के निर्माण की स्पीड दोगुनी की है। इस दौरान भारत में ऑपरेशनल एयरपोर्टस की संख्या दोगुनी हो चुकी है।

headwinds than many other countries. This is because of India's strong macroeconomic fundamentals. OECD has said that India will be among the fastest-growing economies in the G-20 group this year. According to Morgan Stanley, India is moving towards becoming the world's third largest economy in the next 4-5 years. The CEO of McKinsey has said that this is not only India's decade but India's century. Institutions and credible voices that track the global economy have unprecedented confidence in India. The same optimism is also shared by global investors. Recently, a prestigious international bank conducted a survey. They found that a majority of the investors preferred India. Today, India is receiving record-breaking FDI. Even your presence among us reflects this sentiment.

This optimism for India is driven by strong democracy, young demography and political stability. Due to these, India is taking decisions that boost ease of living and ease of doing business. Even during a once-in-a-century crisis, we took the path of reforms. India has been on the path of '**Reform, Transform and Perform'** since 2014 . The आत्मनिर्भर भारत अभियान has imparted greater momentum to it. As a result, India has become an attractive destination for investment.

एक स्थिर सरकार, एक निर्णायक सरकार, सही नीयत से चलने वाली सरकार, विकास को अभूतपूर्व गति देकर दिखाती है। देश के लिए हर जरूरी फैसले, उतनी ही तेजी से लिए जाते हैं। बीते 8 वर्षों में हमने रिफॉर्म की स्पीड और स्केल को लगातार बढ़ाया है। बैंकिंग सेक्टर में recapitalization और गवर्नेंस से जुड़े रिफॉर्म्स हों, IBC जैसा modern resolution framework बनाना हो, GST के रूप में वन नेशन वन टैक्स जैसा सिस्टम बनाना हो, corporate tax को globally competitive बनाना हो, sovereign wealth funds और pension funds को टैक्स से छूट हो, अनेक सेक्टर्स में ऑटोमेटिक रूट से 100 परसेंट FDI की परमिशन देना हो, छोटी-छोटी आर्थिक गलतियों को decriminalize करना हो, ऐसे अनेक रिफॉर्म्स के माध्यम से इन्वेस्टमेंट के रास्ते से कई रोड़े हटाए हैं। आज का नया भारत, अपने प्राइवेट सेक्टर की ताकत पर भी उतना ही भरोसा करते हुए आगे बढ़ रहा है। डिफेंस, माइनिंग और स्पेस जैसे अनेक strategic sectors को भी प्राइवेट सेक्टर के लिए खोल दिया है। दर्जनों Labor Laws को 4 codes में समाहित करना भी अपने आप में एक बहुत बड़ा कदम है।

Compliances के बोझ को कम करने के लिए तो केंद्र और राज्य, दोनों के स्तर पर अभूतपूर्व प्रयास चल रहे हैं। बीते कुछ समय में करीब 40 हजार compliances को हटाया जा चुका है। हाल ही में नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम शुरु किया है, जिससे मध्य प्रदेश भी जुड़ चुका है। इस सिस्टम के तहत अभी तक लगभग 50 हजार स्वीकृतियां दी जा चुकी हैं।

भारत का आधुनिक होता इंफ्रास्ट्रक्चर, मल्टी मॉडल होता इंफ्रास्ट्रक्चर भी investment की संभावनाओं को जन्म दे रहा है। 8 वर्षों में नेशनल हाईवे के निर्माण की स्पीड दोगुनी की है। इस दौरान भारत में ऑपरेशनल एयरपोर्टस की संख्या दोगुनी हो चुकी है। भारत की ports handling capacity और port turnaround में अभूतपूर्व सुधार आया है। Dedicated freight corridors, Industrial corridors, expressways, logistic parks, ये नए भारत की पहचान बनते जा रहे हैं। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के रूप में पहली बार भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर, निर्माण का एक नेशनल प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर देश की सरकारों, एजेंसियों, इन्वेस्टर्स से जुड़ा अपडेटेड डेटा रहता है। भारत दुनिया के सबसे competitive Logistics market के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए committed है। इसी लक्ष्य के साथ National Logistics Policy लागू की है।

भारत स्मार्टफोन डेटा कंजम्पशन में नंबर-1 है। भारत, ग्लोबल फिनटेक में नंबर-1 है। भारत, IT-BPN outsourcing distribution में नंबर-1 है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट और तीसरा बड़ा ऑटो मार्केट है। भारत के बेहतरीन डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, को लेकर हर कोई विश्वास से भरा हुआ है। ये ग्लोबल ग्रोथ के अगले फेज के लिए कितना जरूरी है, ये आप भलीभांति जानते हैं। भारत एक तरफ गांव-गांव तक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पहुंचा रहा है, वहीं तेजी से 5G नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। 5G से हर industry और consumer के लिए Internet of things से लेकर AI तक जो भी नए अवसर बन रहे हैं, वो भारत में विकास की गति को और तेज करेंगे।

इन सारे प्रयासों से ही मेक इन इंडिया को नई ताकत मिल रही है। मैन्युफेक्चरिंग की दुनिया में भारत तेजी से अपना विस्तार कर रहा है। Production linked Incentives स्कीम्स के तहत ढाई लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के इंसेंटिव्स की घोषणा की जा चुकी है। ये स्कीम दुनिया भर के manufactures में पॉपुलर हो रही है। इस स्कीम के तहत अब तक अलग-अलग सेक्टर्स में लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का प्रोडक्शन हो चुका है। मध्य प्रदेश में भी इस स्कीम की वजह से सैकड़ों करोड़ रुपए का निवेश आया है। MP को बड़ा फार्मा हब बनाने में, बड़ा टेक्सटाइल हब बनाने में इस योजना का भी महत्व है।

MP आ रहे Investors से आग्रह है कि PLI स्कीम का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। सभी को ग्रीन एनर्जी को लेकर भारत की आकांक्षा से भी जुड़ना चाहिए। कुछ दिन पहले ही मिशन ग्रीन हाइड्रोजन को स्वीकृति दी है। ये लगभग 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाओं को लेकर आ रहा है। ये सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि ग्लोबल डिमांड को पूरा करने का एक अवसर है। हजारों करोड़ रुपए के इंसेंटिव्स की व्यवस्था इस अभियान के तहत की गई है। इस महत्वकांक्षी मिशन में भी अपनी भूमिका जरूर एक्सप्लोर करें। हेल्थ हो, एग्रीकल्चर हो, न्युट्रिशन हो, स्किल हो, इनोवेशन हो, हर लिहाज से भारत में नई संभावनाएं इंतजार कर रही हैं। ये भारत के साथ-साथ एक नई ग्लोबल सप्लाई चेन के निर्माण का समय है। ▪

निवेश के लिए पूरी मदद

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। देश में प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन, बेहतर कानून-व्यवस्था, दक्ष मानव संसाधन, संसाधन की उपलब्धता ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के प्रभावी क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश उद्योग स्थापना और निवेश के लिए आकर्षण के केन्द्र के रूप में उभरा है।

देश ही नहीं जापान, कनाडा, जर्मनी सहित अन्य देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ भी अपनी इकाइयाँ स्थापित करने के लिए मध्यप्रदेश को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं।

टेक्सटाईल, नवकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, फार्मा, स्वास्थ्य, स्टार्टअप सहित विभिन्न क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने प्रोत्साहनकारी नीति लागू की है। इन्दौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए पूरी मदद की जाएगी। समिट में आए देश-विदेश के विभिन्न निवेशकों ने अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जताई।

एमओयू होगा विश्वास का पुल

प्रत्येक सेक्टर में उद्योग स्थापना के लिए राज्य सरकार पूर्ण सहयोग करेगी। एमओयू मात्र दस्तावेज न होकर देशों के मध्य विश्वास का पुल होगा। जी-20 सम्मेलन के माध्यम से भी विभिन्न राष्ट्रों के आपसी सम्पर्क में प्रगाढ़ता और परस्पर सहयोग में वृद्धि होगी।

स्टार्टअप के लिए नौजवानों को भरपूर मदद

मध्यप्रदेश स्टार्टअप के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। इंदौर शहर युवाओं को स्टार्टअप में प्रोत्साहित करने का केन्द्र बना है। राज्य सरकार ने स्टार्टअप नीति तैयार की, जिसका विमोचन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। प्रधानमंत्री जी का कहना है कि कार्य के लिए यही समय सही है। सिर्फ एक वर्ष में 2500 से अधिक स्टार्टअप सफलता के मार्ग पर बढ़े हैं। उल्लेखनीय बात यह है कि राज्य की स्टार्टअप नीति अफसरों ने नहीं, नौजवानों ने ही बनाई हैं। युवाओं को इस क्षेत्र में पूरी मदद की जा रही है।

उद्योग स्थापना और निवेश के लिए आकर्षण का केन्द्र बन कर उभरा है मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। देश में प्रदेश की भौगोलिक स्थिति,

मध्यप्रदेश का सौंदर्य अद्भुत है। यहाँ धार्मिक पर्यटन के रूप में 2 ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर, माँ नर्मदा के तट है।
विश्व धरोहर खजुराहो है। वाइल्डलाइफ टूरिज्म क्षेत्र में मध्यप्रदेश भारत का बाघ, घड़ियाल, गिद्ध, तेंदुआ और चीता स्टेट है।

उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन, बेहतर कानून-व्यवस्था, दक्ष मानव संसाधन, संसाधन की उपलब्धता ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के प्रभावी क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश उद्योग स्थापना और निवेश के लिए आकर्षण के केन्द्र के रूप में उभरा है। देश ही नहीं जापान, कनाडा, जर्मनी सहित अन्य देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ भी अपनी इकाइयाँ स्थापित करने के लिए मध्यप्रदेश को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं।

पर्यटन में निवेश के लिए मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएँ

मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के लिए अपार संभावनाएँ हैं। देश और विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन-स्थलों में भ्रमण करने आते हैं।

मध्यप्रदेश का सौंदर्य अद्भुत है। यहाँ धार्मिक पर्यटन के रूप में 2 ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर, माँ नर्मदा के तट है। विश्व धरोहर खजुराहो है। वाइल्डलाइफ टूरिज्म क्षेत्र में मध्यप्रदेश भारत का बाघ, घड़ियाल, गिद्ध, तेंदुआ और चीता स्टेट है। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या का लाभ लेते हुए सभी निवेशकों को पर्यटन में निवेश के अवसर तलाशने चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ-व्यवस्था के लक्ष्य की पूर्ति में मध्यप्रदेश का पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश पर्यटन क्षेत्र में आकर्षक निवेश नीतियों के साथ साहसिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और एग्रो पर्यटन जैसे नवाचारों के लिए जाना जाता है। प्रदेश में पर्यटन एक उभरता हुआ निवेश का क्षेत्र है। भारत की अर्थ-व्यवस्था में पर्यटन का महत्व बढ़ा है। कोविड के बाद के आंकड़ों को देखें तो पता चलता है कि देशवासी पर्यटन को अपनी जीवन-शैली में महत्व देने लगे हैं। भारत के सभी राज्यों में पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। पर्यटकों की बढ़ती हुई संख्या निवेशकों के लिए स्वर्णिम अवसर है।

अद्वितीय वन्य-जीवन, ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक तीर्थ-स्थलों के साथ भारत का हृदयप्रदेश मध्यप्रदेश निजी निवेशकों के लिए एक उपयुक्त स्थान है। यहाँ 11 नेशनल पार्क, 24 सेंचुरी, 3 यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट, 2 ज्योतिर्लिंग सहित अनेक विशेषताएँ हैं, जो पर्यटकों को अनायास ही आकर्षित करती है।

राज्य सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए विशेष ''पर्यटन नीति 2019'' बनाई है। पर्यटन नीतियों में प्रमुख रूप से पारदर्शी प्रक्रिया, सस्ती एवं आसान दरों पर निवेशकों को शासकीय भूमि का आवंटन, निवेशकों को हेरिटेज संपत्तियों का आवंटन, निजी निवेश पर पूंजी निवेश अनुदान, मार्ग सुविधा केंद्र (डब्ल्यूएसए) पॉलिसी, जल पर्यटन नीति, ब्रांडेड होटल प्रचार नीति, नीतिगत अनुदान और फिल्म पर्यटन नीति शामिल है। ▪

प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र मुख्यमंत्री श्री चौहान

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में हुआ जी-20 का वैचारिक कार्यक्रम

अनेक राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने की भागीदारी

अच्छे भविष्य के लिए पर्यावरण-संरक्षण आवश्यक है। इस नाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने G-20 में विचार का विषय **''वन अर्थ, वन फेमिली और वन फ्यूचर''** रखा है। प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र होना चाहिए। दरअसल ये दुनिया को बचाने का मंत्र है। संघर्ष नहीं प्रेम की आवश्यकता है। जो हम से कमजोर है, उसे भी अपनाएँ। अंधी प्रतिस्पर्धा नहीं होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य की बात है कि विश्व के अधिकांश संसाधनों का उपयोग चंद लोग ही करते हैं जबकि यह पृथ्वी हम सभी के लिए है। पूरा विश्व एक परिवार है। भोपाल में जी-20 के अंतर्गत थिंक 20 बैठक के विचार सत्र महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।

दो दिवसीय बैठक **''पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली, नैतिक मूल्य और सुमंगलम वैश्विक सुशासन के लिए परस्पर सहयोग''** पर केंद्रित है। अतिथि देवो भव भारत की परंपरा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी अद्‌भुत नेतृत्व क्षमता के धनी हैं। उन्होंने भारत की प्रतिष्ठा में वृद्धि की है। जी-20 की अध्यक्षता प्राप्त होना भारत की उपलब्धि है। हमारे देश में प्राचीन समय से यह विचार रहा है कि पूरा विश्व एक कुटुम्ब की तरह है। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के अंतर्गत आदि शंकराचार्य आचार्य शंकर की विशाल प्रतिमा और अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत संस्थान स्थापित किया जा रहा है।

आज सारी दुनिया को एक होने की जरूरत है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों का अस्तित्व भी महत्वपूर्ण है। प्राणियों की अनेक प्रजातियाँ खत्म हो रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के प्रयासों से नामीबिया से चीते लाकर मध्यप्रदेश में बसाए गए हैं। मध्यप्रदेश टाइगर, लेपर्ड, गिद्ध और घड़ियालों के संरक्षण के लिए जाना जाता था। अब मध्यप्रदेश चीता स्टेट भी बन गया है।

आज सारी दुनिया को एक होने की जरूरत है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों का अस्तित्व भी महत्वपूर्ण है। प्राणियों की अनेक प्रजातियाँ खत्म हो रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के प्रयासों से नामीबिया से चीते लाकर मध्यप्रदेश में बसाए गए हैं।

मध्यप्रदेश टाइगर, लेपर्ड, गिद्ध और घड़ियालों के संरक्षण के लिए जाना जाता था। अब मध्यप्रदेश चीता स्टेट भी बन गया है।

आज छोटे-छोटे उपायों से पर्यावरण को बचाने में सहयोग दिया जा सकता है। हम अपने व्यवहार में पौध-रोपण को शामिल करें तो यह पृथ्वी के लिए बड़ा योगदान होगा। मध्यप्रदेश में बिजली बचाओ, जल-संरक्षण, पर्यावरण-संरक्षण, नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग, बेटी बचाओ अभियान एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना का सफल क्रियान्वयन किया गया है। ग्रीन एनर्जी का महत्व बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा का उत्पादन बांधों की जल राशि के माध्यम से भी करने की पहल की गई है। प्रदेश में जलाभिषेक अभियान से साढ़े 4 लाख जल-संरचनाओं का निर्माण किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ''पर ड्रॉप मोर क्रॉप'' का आव्हान कर जल के पूर्ण उपयोग के लिए संकल्पित हैं। उनके नेतृत्व में भारत विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने आने वाले वर्षों में विभिन्न लक्ष्य तय किए हैं। इनमें प्रमुख रूप से नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग और कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ ही मजबूत अर्थ-व्यवस्था बनाने के लक्ष्य शामिल हैं। उन्होंने पंचामृत का मंत्र दिया है। सीओपी-26 में उन्होंने कहा था कि भारत, वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन (नेट जीरो) का लक्ष्य हासिल करेगा। वर्ष 2030 तक भारत अपनी अर्थ-व्यवस्था की कार्बन इंटेंसिटी को लगभग आधा कर लेगा। इसी तरह नवकरणीय ऊर्जा में भारत की स्थिति विश्व में चौथे क्रम पर है, उसमें भी सुधार लाया जाएगा। वन अर्थ, वन फेमिली और वन फ्यूचर का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। हमारी प्राथमिकता भी प्रकृति के साथ प्रगति है। मध्यप्रदेश में हो रहा पौध-रोपण इसका प्रमाण है। ▪

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक

भारत की G20 अध्यक्षता पर NEC का वक्तव्य

01. G20 एक अनूठा मंच है जो 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85%, वैश्विक व्यापार का 75% और वैश्विक आबादी का 60% हिस्सा है। 2008 से, अंतरराष्ट्रीय निर्णय लेने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत का अपनी अध्यक्षता ग्रहण करना न केवल राष्ट्रीय गौरव का विषय है बल्कि वैश्विक उद्देश्यों को आकार देने में मदद करने का एक अवसर है।

02. UN, IMF, WHO जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन भी G20 बैठकों में भाग लेंगे। वर्तमान अध्यक्ष के रूप में, भारत ने 9 अन्य देशों को अपने अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। पूरे वर्ष में लगभग 200 बैठकों में कुल मिलाकर 43 प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे। हम भारत में प्रतिनिधियों का दिल से स्वागत करते हैं और कामना करते हैं कि उनका दौरा सुखद रहे और वो यादों को संजो कर ले जाएं।

03. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि भारत की G20 अध्यक्षता पूरे देश की है और यह दुनिया के सामने विकास, ताकत और विविधता को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर है। इसलिए देशभर के 50 से अधिक शहरों में लगभग 200 बैठकें होंगी।

04. भारत की G20 अध्यक्षता पूरे देश के लिए गौरव का अवसर है और सभी को इसकी सफलता सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों के रूप में, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम भारत को उसकी विरासत, संस्कृति और सभ्यता के अनुरूप दुनिया के सामने पेश करें।

05. भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' यानी **"One Earth, One Family, One Future"** को अपनी G20 अध्यक्षता थीम के रूप में लिया है। इसका संदेश यह है कि आर्थिक विकास, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी जैसी प्रमुख वैश्विक चुनौतियों को केवल सहयोग के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकता है।

06. G20 अध्यक्षता के दौरान प्रतिनिधियों और राजनयिकों सहित बड़ी संख्या में विदेशी अतिथि भारत आएंगे, यह पर्यटन को बढ़ावा देने और हमारे स्थानीय उत्पादों के बारे में जागरुकता बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। ऐसे सभी स्थान जहां G20 बैठकें आयोजित की जाएंगी, ऐसे कार्यक्रम देखने को मिलेंगे जो स्थानीय संस्कृति, भोजन, विरासत, नृत्य और संगीत के संपर्क को अधिकतम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। हमें जो दृष्टिकोण अपनाना चाहिए वह "अतिथि देवो भवः'' की हमारी परंपरा के अनुरूप होना चाहिए।

07. साथ ही, विदेशी आगंतुक हमारी अर्थव्यवस्था और समाज के परिवर्तन को भी देखेंगे जो एक नए भारत की ओर हमारी यात्रा का हिस्सा है। विशेष रूप से, हमारी डिजिटल डिलीवरी, हरित विकास, सतत विकास, प्रौद्योगिकी विकास और मानव-केंद्रित शासन उनकी रुचि और ध्यान के विषय होंगे।

08. नए भारत के पथ प्रदर्शक होने के नाते, छात्र और युवा इस अवसर के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक दूत हैं। जैसा कि अगर दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए हुए लोग भारतीय राज्यों का दौरा करते हैं तो संबंधित राज्यों के युवाओं को अपने राज्य को जानने में उनकी सहायता करनी चाहिए।

09. G20 अध्यक्षता विभिन्न स्वरूपों में नागरिक समाज को जोड़ने हेतु एक महत्वपूर्ण मंच प्रस्तुत करता है। इसमें विभिन्न श्रेणियों जैसे महिला 20, विज्ञान 20, सिविल 20, थिंक टैंक 20, स्टार्टअप 20, श्रमिक 20, शहरी 20 और युवा 20 के तहत कार्यक्रम शामिल हैं। इन आयोजनों से संबंधित कई सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनियां विभिन्न स्थानों पर लगाई जा सकती हैं, जिनमें पिछले 8 वर्षों में सरकार द्वारा किये गए कार्यों का प्रदर्शन किया जाए।

10. सामूहिक निर्णय लेने की सबसे पुरानी ज्ञात परंपराओं के साथ, भारत अपनी G20 अध्यक्षता के दौरान विविध हितधारकों को एक साथ लाने और वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आम सहमति बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। भारत को सही मायने में 'लोकतंत्र की जननी' कहा जा सकता है।

11. चूंकि G20 मुख्य रूप से विकसित राष्ट्रों से बना है, इसलिए भारत पर ग्लोबल साउथ की आवाज बनने की भी जिम्मेदारी है। ऋण और आर्थिक सुधार के साथ-साथ ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा के बारे में उनकी चिंताएं गंभीर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने "Voice of the Global South" समिट बुलाई, जिसमें 120 से अधिक देशों को उनके विचारों और हितों का पता लगाने के लिए शामिल किया गया।

12. भारत की पहल पर **वर्ष 2023 को "International Year of Millets"** के रूप में मनाया जाएगा। यह सभी G20 आयोजनों में हमारे अपने बाजरा व्यंजनों को शामिल करने में परिलक्षित होगा।

13. G20 हमें **"Make in India"** और **"Vocal For Local"** जैसी विकासात्मक पहलों को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। विभिन्न बैठकों के लिए उपहार **"One District One Product"** पहल से प्राप्त किए जाएंगे।

14. सभी गतिविधियों को व्यक्तिगत और सामाजिक क्षमताओं में आयोजित किया जाना चाहिए। G20 के बारे में समाज को बड़े पैमाने पर अवगत किया जाना चाहिए और **'न्यू इंडिया'** दिखाने और अवसरों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। ▪

राजनीतिक प्रस्ताव

गुजरात विधानसभा चुनाव में 53% वोट के साथ 182 में से 156 विधानसभा सीटों पर कमल खिला जो गुजरात के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे बेजोड़ प्रदर्शन है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वयं आगे बढ़ कर एक बूथ कार्यकर्ता की तरह परिश्रम की पराकाष्ठा की।

उनके नेतृत्व में सबने पार्टी को आगे और self को लास्ट में रखते हुए अहर्निश अथक परिश्रम किया जिसके बल पर गुजरात ने भाजपा की झोली में ऐसी जीत भर दी जिसे दोहराना किसी और पार्टी के लिए लगभग नामुमकिन सा होगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में विभिन्न वैश्विक मंचों पर भारत की छवि एक निर्णायक, दूरदर्शी, वैश्विक भविष्य के प्रति सजग प्रहरी और सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हुई है। कोरोना संकट और रूस - यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत के सामर्थ्य और क्षमताओं से पूरी दुनिया परिचित हुई है। भारत मानवता की रक्षा तथा पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण की दिशा में विश्व को दिशा देने वाला अग्रणी देश बनकर उभरा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को मिली G-20 और SCO जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठनों की अध्यक्षता ने देश के इतिहास में एक नए अध्याय का सूत्रपात किया है। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी अपने सर्वोच्च नेता और देश ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय जन - नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करती है।

विधानसभा चुनाव और उप-चुनाव

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गरीब कल्याण नीतियों और इनोवेटिव विजन से सभी देशवासी इतने दिल की गहराइयों से जुड़े हैं कि मोदी मैजिक से गुजरात में जीत के सारे रिकॉर्ड धराशायी हो गए। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात में भाजपा की जीत इतनी प्रचंड थी कि दूसरे नंबर पर रहने वाली पार्टी मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी प्राप्त नहीं कर पाई। विपक्ष की इतनी बुरी हार गुजरात में इससे पहले कभी नहीं हुई। 27 वर्षों के शासन के बावजूद अब तक के इतिहास में सबसे प्रचंड बहुमत से भाजपा की विजय स्पष्ट कर देती है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकप्रियता कितनी अधिक है और उनके नेतृत्व में गुजरात की जनता की कितनी गहरी आस्था है। 20 साल तक पहले मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात सतत, सर्व-स्पर्शी और सर्व समावेशी विकास के बल पर एक Pro - Governance राज्य के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में भाजपा के लिए अब एंटी-इनकम्बेंसी का शब्द कहीं इस्तेमाल में नहीं आता बल्कि हर जगह हमारे लिए प्रो-इनकम्बेंसी की बात होती है। अगर नीति सही हो, नेतृत्व अच्छा हो और जनता के लिए काम करने की नीयत हो तो एंटी-इनकंबेंसी शब्द निरर्थक हो जाते हैं। इस पर शोध होना चाहिए कि किस तरह एक गरीब कल्याणकारी सरकार जन-जन के दिलों में अपना स्थान बनाती है और हर बार पहले से अधिक बहुमत के साथ वापसी करती है। 182 सीटों में से 156 विधानसभा सीटों पर जीत आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक परिश्रम, जनता के प्रति समर्पण और विकास से संभव हुआ है। इस शानदार जीत के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करती है।

गुजरात विधानसभा चुनाव में 53% वोट के साथ 182 में से 156 सीटों पर कमल खिला जो गुजरात के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे बेजोड़ प्रदर्शन है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वयं आगे बढ़ कर एक बूथ कार्यकर्ता की तरह परिश्रम की पराकाष्ठा की। उनके नेतृत्व में सबने पार्टी को आगे और self को लास्ट में रखते हुए अहर्निश अथक परिश्रम किया जिसके बल पर गुजरात ने भाजपा की झोली में ऐसी जीत भर दी जिसे दोहराना किसी और पार्टी के लिए लगभग नामुमकिन सा होगा। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने संगठन सर्वोपरि का संदेश देते हुए इस अभूतपूर्व जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

उनके मार्गदर्शन में गुजरात में श्री भूपेंद्र पटेल जी के नेतृत्व में सरकार और श्री सी आर पाटिल जी के नेतृत्व में संगठन ने एकजुट होकर इस ऐतिहासिक विजय की पटकथा लिखी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी आर पाटिल सहित पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का भी अभिनंदन करती है। साथ ही, भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी गुजरात की महान जनता का भी अभिनंदन करते हुए उन्हें धन्यवाद देती है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गुजरात चुनाव प्रचार अभियान में सहभागिता

गुजरात विधानसभा चुनाव में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पार्टी के एक सच्चे सिपाही की तरह पूरे चुनाव प्रचार अभियान में आगे बढ़ कर पार्टी का नेतृत्व किया। उन्होंने गुजरात में लगभग 32 रैलियां और 4 रोड शो किये और अपनी रैलियों व रोड शो से प्रचार अभियान के पूरे माहौल को ही बदल दिया। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने अहमदाबाद में 50 किमी. लंबा सबसे बड़ा रोड शो भी किया जो अहमदाबाद की सभी विधानसभाओं से गुजरा। जब इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा तो बहुत तरह की दुविधा थी, शंका थी कि भाजपा को कैसी विजय मिलेगी लेकिन जैसे ही आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने गुजरात में प्रवास प्रारम्भ किया, भाजपा के पक्ष में एक जबरदस्त लहर बनी और कार्यकर्ताओं ने विश्वास की इस सुनामी को मतों में परिवर्तित कर दिया।

गुजरात में भाजपा को मिला हर वर्ग के लोगों का समर्थन

गुजरात की आरक्षित 40 सीटों में से 34 सीटों पर भाजपा को भव्य विजय मिली, आदिवासी इलाके की 27 में से 23 सीटें भाजपा के खाते में आई जबकि एससी के लिए आरक्षित 13 सीटों में 11 सीटों पर भाजपा विजयी हुई। यहां यह ध्यान देने की बात है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को आदिवासी इलाके की 27 में से केवल 8 सीटें मिली थीं जबकि एससी के लिए आरक्षित 13 सीटों में से हमें केवल 7 सीटें ही मिल पाई थीं। दूसरे नंबर पर रहने वाली पार्टी से लगभग दोगुने वोट भाजपा को मिले। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को पहली बार किसी राज्य में 86% सीटें मिलीं। सौराष्ट्र में भाजपा ने अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। पिछली बार भाजपा ने सौराष्ट्र-कच्छ रीजन में 23 और

कांग्रेस ने 30 सीट जीती थीं। इस बार भाजपा ने रिकॉर्ड 46 सीट जीती हैं। उत्तर गुजरात में भी बीजेपी ने 32 में से 22 सीटें अपने नाम की हैं। ग्रामीण इलाकों की 98 सीटों में से भाजपा ने 79 सीटों पर जीत दर्ज की। गुजरात में विधानसभा की 53 सीटें शहरी इलाकों वाली हैं, इनमें से 49 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की।

गुजरात की ओबीसी बहुल 75 सीटों में से 64 सीटों पर कमल खिला

गुजरात में भाजपा को अब तक 50% से अधिक वोट प्राप्त नहीं हुए थे जबकि इस चुनाव में भाजपा को लगभग 53.33% वोट हासिल हुए जो गुजरात में किसी पार्टी को अब तक मिले वोट प्रतिशत के मामले में सबसे अधिक हैं। लगातार 27 साल तक सरकार में रहने के बावजूद भाजपा के मत प्रतिशत का बढ़ना और 50% से अधिक मत प्राप्त करना बताता है कि गुजरात की जनता के मन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति कितना सम्मान और उनके नेतृत्व में कितनी अटूट आस्था है।

अहमदाबाद की 21 में से 19 सीट और सूरत की सभी 16 सीटें भाजपा की झोली में आईं। इसके साथ ही अमरेली, भरूच, खेड़ा, राजकोट, वलसाड, गांधी नगर, छोटा उदयपुर, दाहोद, कच्छ, मोरबी, पंचमहल, सुरेंद्रनगर द्वारका में भी सभी की सभी विधानसभा सीटों पर कमल खिला। वड़ोदरा में 10 में से 9 सीटें भाजपा की झोली में आईं। पिछली बार भाजपा को 49% मत प्राप्त हुए थे जो इस बार 3% से भी अधिक बढ़ा । ऐसा भी नहीं है कि भाजपा के उम्मीदवार थोड़े-बहुत अंतर से विजयी हुए। **हमारे कई उम्मीदवारों ने एक लाख, 75 हजार, 50 हजार, 40 हजार के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। एक लाख से जीत का अंतर तो लोकसभा चुनाव में भी बड़ा मायने रखता है लेकिन इस बार के विधानसभा चुनाव में भी हमारे प्रत्याशियों ने 11 सीटों पर 1 लाख से ज्यादा और 40 सीटों पर 50 हजार से 1 लाख के बीच वोटों हासिल कर जीत दर्ज की।** गुजरात में भाजपा के कार्यों विशेषकर शांति, विकास, सुरक्षा, 24 घंटे बिजली, हर घर पानी, सांप्रदायिक सद्भाव और शिक्षा के नए आयामों - सब को गुजरात की जनता ने हृदय से स्वीकार किया और हमें आशीर्वाद दिया।

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति की करारी हार

गुजरात की जनता ने भाजपा को लगातार 7वीं बार सेवा का अवसर दिया है। ये मत प्रतिशत लोगों के भरोसे का प्रतीक है। जनता ने बड़े-बड़े दावे करने वाले विज्ञापनवादियों के हौसले पस्त कर दिए। जो लोग 'अंडर करेंट' की बात करते थे और जो मीडिया में लिख-लिख कर बहुमत के दावे करते थे, परिणाम आने के बाद स्पष्ट हो गया कि गुजरात ऐसे मतलबी, अहंकारी और झूठ की राजनीति करने वालों का भरोसा नहीं करती। **गुजरात में भाजपा की शानदार विजय विकास की जीत और विज्ञापन की हार है।** गुजरात चुनाव में विपक्ष ने संकीर्ण मानसिकता का परिचय देते हुए हृदय सम्राट यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया। इसे गुजराती भला कैसे बर्दाश्त कर सकते थे। उन्होंने विधानसभा चुनाव में ऐसी पार्टियों और ऐसे लोगों को लोकतांत्रिक तरीके से करारा सबक सिखाया।

गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम से देश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं में नया जोश, नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ है। यह देश के राजनीतिक चित्र को परिवर्तित करने वाली विजय है। गुजरात में भाजपा की इस शानदार जीत का सकारात्मक असर देश में आने वाले विधानसभाओं के चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव पर पड़ने वाला है। गुजरात विधानसभा चुनाव के परिणामों ने भाजपा के राजनीतिक आत्मविश्वास को और मजबूत किया है।

भाजपा की यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी इस भव्य विजय का नेतृत्व करने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करती है। इस शानदार विजय हेतु यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का भी हार्दिक अभिनंदन करती है। गुजरात के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी विधानसभा हुए थे। हालांकि हर बार बड़े वोट प्रतिशत के मार्जिन से हार-जीत होती थी लेकिन इस बार हार-जीत का अंतर एक प्रतिशत वोट से भी कम रहा। इससे पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भी शानदार और अभूतपूर्व बहुमत से सरकार बनाई थी।

विधानसभा चुनाव के साथ-साथ आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर हुए उप-चुनावों में भी भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह जीत कई मायनों में अभूतपूर्व है क्योंकि ये दोनों सीट भाजपा की परम्परागत सीट नहीं है और भाजपा यहां पर कभी भी जीत दर्ज नहीं कर पाई थी। इसलिए यह जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार की व्यापक स्तर पर स्वीकृति और समर्थन को दर्शाती है। रामपुर विधानसभा उप-चुनाव में भी भाजपा ने कमल खिलाया । यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी इस रिकॉर्ड ब्रेकिंग जीत के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और उनकी अगुआई में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व के लिए उनका हार्दिक अभिनंदन करती है। साथ ही, उन्हें विश्वास भी दिलाती है कि भारतीय जनता पार्टी और हमारी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना जारी रखेगी।

इस साल 9 राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, कर्नाटक, मिजोरम, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, त्रिपुरा और नागालैंड में हमारी गरीब कल्याणकारी और विकासोन्मुखी सरकार है। हम अपनी सरकारों के विकास कार्य और संगठन की मजबूती के बल पर इन राज्यों में बड़ी जीत की ओर अग्रसर हैं। जनता राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार और तेलंगाना की बीआरएस सरकार से त्रस्त है। यहां महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं, गरीब लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है और अपराध एवं भ्रष्टाचार ने इन प्रदेशों को जकड़ लिया है। जनता यहां परिवर्तन का मन बना चुकी है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर के राज्य भाजपा के गढ़ बने हैं। यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी विश्वास व्यक्त करती है कि भाजपा इन सभी प्रदेशों में जनता के आशीर्वाद से पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

काशी - तमिल संगमम

19 नवंबर 2022 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान शिव की नगरी काशी में काशी तमिल संगमम का उद्घाटन किया था, जिसका 16 दिसंबर को समापन हुआ। यह भारत की गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत से देशवासियों का परिचय कराने की यात्रा की शुरुआत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इस आयोजन के जरिये संस्कृति और सभ्यता के दो कालजयी केन्द्रों के 'संगम' के सहारे देश के एकता की डोर को और मजबूत करने में लगे हैं। यह हमारी प्राचीन संस्कृति के आदान-प्रदान और पुरातन परंपरा को जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को चरितार्थ करने वाला है। यह एक ऐसा प्रयास है जो भाजपा को अन्य राजनीतिक पार्टियों से अलग करता है। राजनीति से इतर भी देश को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प भाजपा की पहचान है। इस अभिनव

आयोजन और दो पुरातन संस्कृतियों के समागम से देश के दोनों भागों को एक करने के इस सार्थक प्रयास के लिए यह कार्यकारिणी अपने कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करती है।

हर घर तिरंगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की एक अपील देशवासियों के लिए जन आंदोलन बन जाती है। इसका एक और प्रमाण तब मिला, जब उन्होंने 22 जुलाई, 2022 को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सभी लोगों से अपने-अपने घरों या प्रतिष्ठानों पर 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराने की अपील की। इस अभियान ने पूरे राष्ट्र को उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक एकजुट कर दिया। इस अपील का लोगों पर जोरदार असर हुआ और लोगों ने अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया। इससे जहां देशभर में लोगों के मन में देश प्रेम की अलख जगी, वहीं अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त फायदा हुआ।

तिरंगा निर्माण में सबसे अधिक योगदान MSME सेक्टर का रहा। तिरंगे की मांग को पूरा करने के लिए दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, ओडिशा, बिहार, राजस्थान आदि के कपड़ा व्यापारियों ने अथक मेहनत की और इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। लोगों तक तिरंगा झंडा पहुंचाने के लिए डाक विभाग और जनवितरण प्रणाली की भी मदद ली गई। मोदी सरकार ने कम से कम 20 करोड़ झंडे लगाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन देश की जनता ने 25 से 30 करोड़ झंडे फहराए। राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत इस अभिनव प्रयोग के लिए यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करती है।

विपक्ष की झूठी राजनीति जनता की अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में हुई खारिज

विपक्ष ने हमारे प्रधानमंत्री जी को झूठी दलीलों में घेरने की काफी कोशिशें की लेकिन हर बार इन्हें मुंह की खानी पड़ी। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर पुलवामा तक, पाकिस्तान से लेकर चीन तक हर बार विपक्ष के मुद्दों की हवा निकली। जनता की अदालत में तो वे हारे ही, पिछले कुछ महीनों में विपक्ष को कई अहम मामलों में सुप्रीम कोर्ट से भी बुरी तरह शिकस्त झेलना पड़ा। मनगढ़ंत आरोपों की उम्र बहुत लंबी नहीं होती। गुजरात दंगा मामले में 20 साल से आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को बदनाम करने के लिए एक सघन अभियान चलाया गया और हमारे सर्वोच्च नेता नीलकंठ की तरह इस अपमान को सहन करते रहे क्योंकि उनका एकमात्र ध्येय राष्ट्र का विकास था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्लीन चिट देकर इस दुष्प्रचार का अंत किया। चाहे पेगासस मामला हो, राफेल से राजकोष को नुकसान हो, ईडी धनशोधन मामला हो, सेन्ट्रल विस्टा का मामला हो, आर्थिक आधार पर आरक्षण का मामला हो या अब नोटबंदी हर बार विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट में मुंह की खानी पड़ी है। विपक्ष को इस तरह की राजनीति से बाज आ जाना चाहिए नहीं तो जनता उन्हें कहीं का न छोड़ेगी । कुंदन की तरह तप कर निकले अपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी हार्दिक अभिनंदन करती है।

मन की बात

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिये प्रेरक और अद्भुत बातें करते हैं जिससे देशवासियों के हौसले बढ़ते हैं। प्रधानमंत्री जी जिस सरल तरीके से 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों के अनोखे कारनामों से लेकर देश की उपलब्धियों का बखान करते हैं वह देशवासियों के हृदय को स्पर्श कर जाती है। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह देश की जनता का कार्यक्रम है और आज तक इस मंच पर कोई भी राजनीतिक बात नहीं हुई है। अप्रैल 2023 में इस लोकप्रिय कार्यक्रम का 100वां संस्करण प्रसारित होगा। हमें पूरे मनोयोग से इसे अविस्मरणीय बनाना है।

वीर बाल दिवस

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 9 जनवरी, 2022 को दशम पिता गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन 26 दिसंबर को उनके महान बलिदानी पुत्रों - साहिबजादे बाबा वीर जोरावर सिंह जी और बाबा वीर फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति में 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। 26 दिसंबर को यह पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

ये बताता है कि महान सिख धर्म के प्रति आदरणीय प्रधानमंत्री जी की कितनी गहरी आस्था है। सिख समुदाय के लिए जितना कार्य हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है, उतना आज तक किसी ने भी नहीं किया। हमें अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है।

विश्व पटल पर भारत की बढ़ी साख

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व के बल पर भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसने हर भारतीय का मस्तक गर्व से ऊँचा किया है। एक ही साल में G-20, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और शंघाई सहयोग संगठन जैसे तीन-तीन बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों की अध्यक्षता मिलना बताता है कि भारत ने अपनी ताकत का लोहा पूरी दुनिया को मनवा दिया है। यही नहीं, इसी साल नामीबिया से चीते लाकर, अंतरिक्ष के क्षेत्र में छलांग लगाकर, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर भारत ने दुनिया भर के देशों को चमत्कृत कर दिया है। रूस- यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की दूरदर्शिता की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। हमने पूरी दुनिया को शांति का मार्ग दिखाया है ।

देश हित में सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता

आजादी के बाद पहली बार हमारी इस तरह की निर्णायक विदेश नीति बनी है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की विदेश नीति में 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को चरितार्थ किया है।

अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष उन्हीं की पहल पर मनाया जा रहा है। जब वे कहते हैं कि यह समय युद्ध का नहीं है, तो पूरी दुनिया इसकी मुक्त कंठ से सराहना करती है। वे संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधारों की बात करते हैं, आतंकवाद को लेकर दुनिया को आगाह करते हैं, जलवायु परिवर्तन को लेकर एक राय बनाते हैं और हर जगह भारत की विविधता, भारत की महान सांस्कृतिक एकता और वैश्विक एकजुटता की बात करते हैं। वे सही मायनों में भारत के 'True Brand Ambassador' हैं। जी-7 के हर सम्मेलन में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बुलाया जाता है। आज भारत क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे संगठनों का हिस्सा है। वे यूं ही नहीं दुनिया के सबसे लोकप्रिय जन- नेता हैं। यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करती है। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी देश के विकास को त्वरित गति प्रदान करने वाले, वैश्विक पटल पर भारत और भारतीयता के ध्वजवाहक, वसुधैव कुटुंबकम की परिधारणा को सार्थक करने वाले अथक परिश्रमी यशस्वी प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करती है। ▪

सामाजिक-आर्थिक संकल्प

मोदी सरकार के अंतर्गत गरीबों के 'अधिकार से सशक्तीकरण' की ओर बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में कोविड - 19 महामारी के कुशल और प्रभावी प्रबंधन को वैश्विक मंचों पर सराहना मिली है। भारत ने कोविड-19 वैक्सीन के 219.33 करोड़ टीके लगाए हैं।

सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहज समन्वय और साझेदारी के कारण भारत ने सफलतापूर्वक स्वदेशी टीके विकसित किए और दुनिया में अग्रणी टीका निर्माता के रूप में उभरा। भारत ने 101 देशों को 23.9 करोड़ खुराकों का निर्यात भी किया।

समानता, गरिमा, सम्मान और समावेशिता के सिद्धांत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भारत सरकार के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत शांति, स्थिरता और आर्थिक विकास के एक मरु-उद्यान के रूप में उभरा है। दुनिया भर में बढ़ती असमानता एक बड़ी चिंता का कारण बनकर उभरी है, जो उचित और जन-समर्थक सरकारी नीतियों के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की मांग करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी व समावेशी नेतृत्व और भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा में निहित केंद्र सरकार की जनोन्मुखी नीतियों के कारण आज भारत इन धाराओं के विपरीत खड़ा है।

कोविड- 19 चुनौती का प्रभावी प्रबंधन

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में कोविड - 19 महामारी के कुशल और प्रभावी प्रबंधन को वैश्विक मंचों पर सराहना मिली है। भारत ने कोविड-19 वैक्सीन के 219.33 करोड़ टीके लगाए हैं। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहज समन्वय और साझेदारी के कारण भारत ने सफलतापूर्वक स्वदेशी टीके विकसित किए और दुनिया में अग्रणी टीका निर्माता के रूप में उभरा। भारत ने 101 देशों को 23.9 करोड़ खुराकों का निर्यात भी किया।

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' अप्रैल, 2020 में उन लोगों की मदद के लिए शुरू की गई थी, जिनका जीवन कोविड के कारण प्रभावित हुआ था। इसके तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल या गेहूं और 1 किलो दाल प्रदान करके 80 करोड़ लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कवर किया गया है। इसने गरीबों और कमजोर लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान की है।

आर्थिक मोर्चे पर वापसी

विवेकपूर्ण राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों एवं महामारी के कुशल प्रबंधन के परिणामस्वरूप भारत को त्वरित आर्थिक वापसी करने का अवसर मिला है। जी -20 अर्थव्यवस्थाओं में भारत की आर्थिक वृद्धि सबसे अधिक है। विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.9% से बढ़ने का अनुमान लगाया है। **भारत 2014 में दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने से अब पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।** भारत मात्र 8 साल में पांच स्थान ऊपर चढ़कर 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और अब दशक की शुरुआत से पहले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 2014 में 2.6 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 3.5 प्रतिशत हो गई है।

आजादी का अमृत महोत्सव

भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए मार्च, 2021 में आजादी का अमृत महोत्सव शुरू किया गया था। इसने देश के गुमनाम नायकों के योगदान पर प्रकाश डाला। यह पहली बार है जब किसी सरकार ने समाज के सभी वर्गों के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी है और उनकी वीरता और बलिदान की गाथाओं को मुख्यधारा में लाई है। आजादी का अमृत महोत्सव इतिहास और बौद्धिक स्थलों को उपनिवेशवाद की छाया से मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सांस्कृतिक पुनरुद्धार

पिछले आठ वर्षों के दौरान हमने एक अभूतपूर्व सांस्कृतिक पुनरुद्धार देखाः

- अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पूरी गति से चल रहा है।
- काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर ने भारत की सांस्कृतिक राजधानी को पुनर्जीवित किया है।
- सोमनाथ में विकास कार्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।
- हिमालय में केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण।
- केदारनाथ-बद्रीनाथ तीर्थ क्षेत्र का सतत विकास किया जा रहा है।
- पहली बार चार धाम को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जाएगा।
- हेमकुंड साहिब और गिरनार को रोपवे से जोड़ा गया है।
- करतारपुर साहिब कॉरिडोर को सफलतापूर्वक श्रद्धालुओं के लिए खोला गया।
- उज्जैन में भव्य 'महाकाल लोक' का उद्घाटन हुआ, जो हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति का केंद्र बिंदु रहा है और भारत की भव्यता के एक नए युग का सूत्रपात कर रहा है।
- प्रसाद योजना के तहत बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया गया है।
- मोढेरा, गुजरात के सूर्य मंदिर में हेरिटेज लाइटिंग और अन्य सुविधाओं का उद्घाटन किया गया।
- मां महाकाली शक्ति पीठ और जैन विरासत के लिए प्रसिद्ध गुजरात के पावागढ़ में अब उन्नत सुविधाएं हैं।
- स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना देश भर की आध्यात्मिक चेतना को पुनर्स्थापित कर रही है।
- भारत विदेशों से कई मूर्तियों और पवित्र एवं सांस्कृतिक कलाकृतियों को सफलतापूर्वक वापस लाया है।

- राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किया गया है और इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की स्थापना औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त, एक गौरवशाली भविष्य की ओर प्रयास करने वाले नए भारत का एक साहसिक कदम है।

सभी को न्याय, किसी से भेदभाव नहीं

भारत की विकास गाथा में मध्यम वर्ग का योगदान बहुत अधिक है। मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए कई पहल की गई हैं।

जीएसटी

वन नेशन, वन टैक्स की शुरुआत से लोगों को करों के जटिल जाल से मुक्ति मिली और करों के व्यापक प्रभाव से राहत मिली है। इसने 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में सुधार किया है। देश ने जीएसटी संग्रह में 22.6% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है। कैलेंडर वर्ष 2022 में कुल एकत्र जीएसटी कैलेंडर वर्ष 2021 के 14.31 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 17.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। तीन वर्षों में यह वृद्धि कैलेंडर वर्ष 2019 में एकत्र 12.15 लाख करोड़ रुपये से 44.4% की वृद्धि है।

हार्ट स्टेंट और अन्य इम्प्लांट्स की कीमतों में कमी

हार्ट स्टेंट अब 85% तक सस्ते हो गये हैं, जिससे मरीजों की 46 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इसके अलावा, घुटने के प्रत्यारोपण की लागत में 69% की कमी से जनता के 1500 करोड़ रुपये बचे हैं।

जन औषधि केंद्र के माध्यम से सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं

देश भर में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने के लिए 9 हजार से अधिक जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। इन केंद्रों पर 800 से अधिक दवाएं बेहद कम कीमत पर उपलब्ध हैं।

मध्यम वर्ग के लिए सुलभ हुई हवाई यात्रा

उड़ान योजना के तहत हवाई यात्रा सुगम हो गई है। उड़ानें अब कई घरेलू गंतव्यों के लिए उपलब्ध हैं और देश भर में बड़े पैमाने पर हवाई बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है।

मुद्रा योजना के तहत ऋण की स्वीकृति

16 करोड़ से अधिक गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को 7 लाख 74 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृत किए गए हैं।

पेंशन

केंद्र सरकार ने न्यूनतम पेंशन 3,500 रुपये से बढ़ाकर 9000 रुपये प्रति माह कर दी है, जिससे लाखों पेंशनरों को लाभ हुआ है। सरकार ने एनपीएस टियर-1 के तहत कवर किए गए अपने कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य योगदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। 01 जनवरी, 2016 से पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नए वेतनमान के साथ पेंशन दी जा रही है। इसके साथ ही इस तिथि से पहले या बाद में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए जो विसंगतियां पैदा हुई थीं, उन्हें अब दूर कर दिया गया है।

ग्रेच्युटी

ग्रेच्युटी की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है। इससे कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर ज्यादा पैसा मिलेगा।

आवास ऋण के लिए प्रोत्साहन

आवास ऋण पर अधिकतम कर कटौती को 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया है, जबकि आयकर की धारा 80 के तहत आवास ऋण की सीमा एक लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये की गई है।

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों की जमा राशि को गिरती ब्याज दरों से बचाने की पहल की गई है। उन्हें दस वर्ष के लिए 8% की दर से ब्याज देना सुनिश्चित किया गया है। अगर ब्याज दर 8% से नीचे आती है तो सरकार इस अंतर को वहन करेगी।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष

केंद्र सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष की स्थापना की गई है, जिसके तहत दस वर्ष से अधिक के जीवन बीमा की, बिना दावे की राशि को वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष में स्थानांतरित किया जाएगा।

जीवन प्रमाण पत्र अब ऑनलाइन

वरिष्ठ नागरिकों को अपनी पेंशन जारी रखने के लिए हर साल जीवन प्रमाण पत्र देना पड़ता है और इसमें देरी के कारण कई मुश्किलें होती हैं। सरकार की नई पहल से यह जीवन प्रमाण पत्र किसी भी शाखा में या ऑनलाइन बनवाया जा सकता है।

किसानों को समर्थन

कृषि को टिकाऊ, लाभकारी और जलवायु के अनुकूल बनाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) सस्ता फसल बीमा प्रदान करती है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) सिंचाई सुविधाओं में सुधार का समर्थन करती है। परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई), जैविक खेती का समर्थन करती है। नाबार्ड सूक्ष्म सिंचाई के लिए सहायता प्रदान करता है, जिससे जल संरक्षण में मदद मिलती है। किसान क्रेडिट कार्ड किसानों की मदद करता हैं। पीएम- कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान) 2 मेगावाट बिजली संयंत्रों और सौर ऊर्जा से चलने वाले कृषि पंपों की स्थापना में मदद करता है और ई- एनएएम किसानों के कृषि उत्पादों की बेहतर प्राप्ति के लिए मौजूदा कृषि मंडियों को जोड़ता है। भाजपा कृषि अर्थव्यवस्था के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक प्रतिमान बदलाव है जो कई अन्य विकासों के बीच मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता की स्थापना, स्थानीय भाषा सीखने को बढ़ावा देने, उच्च शिक्षा के लचीलेपन और बहुमुखी प्रतिभा और निकट एकीकरण कौशल विकास जैसे लंबे समय से लंबित सुधार लाता है।

व्यवसाय के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना

भारत दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में उभरा है। आज का युवा 'जॉब सीकर्स' के बजाय 'जॉब क्रिएटर्स' बनने की आकांक्षा रखता है। भारत वर्तमान में 2021 के 51 यूनिकॉर्न, 32 गजैल और 54 चीतों के मुकाबले 84 यूनिकॉर्न, 51 गजैल और 71 चीता स्थापित करने में कामयाब हुआ है।

मेक इन इंडिया

मेक इन इंडिया पहल भारत में वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए शुरू की गई थी। 25 क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को उदार बनाया गया है। इसने भारत में व्यापार करने हेतु मापदंडों में सुधार किया है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर

भारत माला, सागरमाला, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान), भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क और डिजिटल इंडिया ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में हमारी रैंकिंग में सुधार किया है।

वोकल फॉर लोकल

स्थानीय कौशल और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करेगा और रोजगार और आय सृजन में मदद करेंगे।

स्टार्ट-अप और इन्क्यूबेशन केंद्रों की स्थापना के लिए मानदंडों को आसान बनाकर युवा उद्यमियों को मदद की जा रही है। युवा उद्यमियों के लिए कर में छूट एक स्वागत योग्य कदम है।

डिजिटल इंडिया

डिजिटल डिवाइड को पाटने और समावेशी डिजिटलीकरण से दक्षता एवं आर्थिक लाभ की क्षमता को प्राप्त करने के लिए सरकार ने डिजिटल पब्लिक गुड्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में एक सक्रिय भूमिका निभाई है। पूरी तरह से बाजार संचालित डिजिटल बुनियादी ढांचे या राज्य - नियंत्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे के विपरीत भारत ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल को अपनाया है, जिसमें सभी नागरिकों के समावेश और सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। मोदी सरकार ने ग्रामीण भारत को जोड़ने और लगभग 650 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कम लागत वाली इंटरनेट सेवाओं को प्रोत्साहित किया है। 2,74,246 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर से देश की 1.15 लाख ग्राम पंचायतों को जोड़ा गया है।

महामारी के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1.70 लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण (पीएमजीकेवाई) योजना और 20 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान (पीएमजीकेवाई सहित) की शुरुआत की। यह 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा, दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों, किसानों और एमएसएमई को आय समर्थन और वित्तीय सहायता सुनिश्चित करता है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत 31.9 लाख स्ट्रीट वेंडर्स के लिए ऋण का प्रावधान किया गया है। आत्मनिर्भर भारत का विजन अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, जीवंत जनसांख्यिकी और मांग पर केंद्रित है।

पीएम गति शक्ति योजना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 13 अक्टूबर, 2021 को 'पीएम गति शक्ति-मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान' का अनावरण किया। यह सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, सार्वजनिक परिवहन और जलमार्गों पर केंद्रित है। यह परियोजनाओं के लागत प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी को एक नई दिशा देगा ।

सबका साथ सबका विकास

- जनजातीय समुदायों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आदिवासी कल्याण बजट पिछले आठ वर्षों में तीन गुना से अधिक हो गया है।
- जनजातीय छात्रों के लिए विशेष रूप से विकसित एकलव्य मॉडल स्कूलों का बजट 278 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,418 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वहीं, आदिवासी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति के लिए धन आवंटन भी 978 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,546 करोड़ रुपये कर दिया गया है।
- भाजपा सरकार पिछड़ी और ईडब्ल्यूएस दोनों श्रेणियों को उचित आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है और यह भी सुनिश्चित किया है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों सहित सरकारी क्षेत्र में ओबीसी और एससी/एसटी आरक्षण को सख्ती से लागू किया जाए।
- डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 22.6 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों को हस्तांतरित किए गए हैं।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना आदि योजनाओं के माध्यम से गरीबों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है।
- जल जीवन मिशन के तहत 6.29 करोड़ घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं।

जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने उल्लेख किया है कि भारत की कई चुनौतियों का समाधान 'आत्मनिर्भरता' में है। सहकारिता आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ने का एक बेहतरीन मॉडल है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने देश भर में सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक नया मंत्रालय बनाया है। यह किसानों और समाज के अन्य वर्गों को सशक्त बना रहा है, उनकी आय बढ़ा रहा है तथा लोकतांत्रिक निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत कर रहा है।

साथ ही, भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में काफी प्रगति की है। स्वदेशी निर्माण और सैन्य हार्डवेयर के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप वर्ष 2021-22 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 14 हजार करोड़ रुपये रहा है। सरकार की यह पहल रोजगार सृजित करने के साथ बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज के माध्यम से संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है।

गरीबों के उत्थान की हमारी नीतियां 'भारत रत्न' बाबा साहब भीमराव रामजी अम्बेडकर से भी बड़ी प्रेरणा लेती हैं। उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए भाजपा सरकार ने उनके जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है- महू में अम्बेडकर जी का जन्म स्थान, लंदन में वह स्थान जहां वे पढ़ाई के दौरान रहे, नागपुर में दीक्षा स्थल- जहां उन्होंने शिक्षा ग्रहण की, दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल और मुंबई में चैत्य भूमि। ये भारतीयों की आने वाली पीढ़ी को समानता, न्याय और बंधुत्व के लिए प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

वर्ष 2023 में भारत को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का सम्मान प्राप्त हुआ है। यह भारत को महत्वपूर्ण मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय संवाद को आकार देने और समाधान - उन्मुख कार्य योजना का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के समावेशी और जनोन्मुखी शासन ने जनता का लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास मजबूत किया है। पिछले आठ वर्षों में भारत में लोकतांत्रिक भागीदारी गहरी हुई है, जिसका नेतृत्व युवा कर रहे हैं। भाजपा बिना युद्ध के युग की शुरुआत करने के प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान का समर्थन करती है। युद्ध और संघर्ष विशेष रूप से गरीबों और कमजोरों को नुकसान पहुंचाते हैं। हमारी प्रतिबद्धता खाद्य और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सहयोग को बहाल करने, विश्व अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और जनता की सामाजिक आर्थिक गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए होनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकारें और स्थानीय निकाय दोहरे इंजन के विकास के लाभों को पहचानते हैं, जिसमें लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को तेज गति से साकार किया जाता है। भारतीय जनता पार्टी भारत के इस अमृत काल@2047 के दौरान लोगों को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने और जनता की समृद्धि, नागरिकों की समानता और सभी के लिए न्याय के साथ एक नया भारत बनाने के अपने प्रयास में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को समर्थन और मजबूती देने का संकल्प लेती है। ▪

मोदी सरकार युवाओं को कर रही सशक्त

नई शिक्षा नीति हो या आईआईटी और आईआईएम का विस्तार, नए स्टार्ट-अप्स और यूनिकॉर्न से लेकर खेलो इंडिया केंद्र तक युवाओं के लिए प्रत्येक क्षेत्र में हर जरूरी पहल की गई है।

स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, मुद्रा योजना जैसी कई योजनाओं को धरातल पर लाकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने युवाओं को सशक्त बनाया है।

युवा मोर्चा की प्रदेश स्तरीय भाषण प्रतियोगिता प्रदेश कार्यालय में संपन्न

सीहोर के यशस्वी प्रथम एवं बालाघाट के सर्वोत्तम द्वितीय रहे

भारत की युवा शक्ति इस देश की सबसे बड़ी ताकत है, आज विभिन्न क्षेत्रों में युवा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे रहे हैं, जिसके पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई युवा हितैषी योजनाएं हैं। नई शिक्षा नीति हो या आईआईटी और आईआईएम का विस्तार, नए स्टार्ट-अप्स और यूनिकॉर्न से लेकर खेलो इंडिया केंद्र तक युवाओं के लिए प्रत्येक क्षेत्र में हर जरूरी पहल की गई है। स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, मुद्रा योजना जैसी कई योजनाओं को धरातल पर लाकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने युवाओं को सशक्त बनाया है।

57 संगठनात्मक जिलों में 25 दिसंबर को श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें पूरे प्रदेश में 2500 से अधिक युवा वक्ताओं ने अपने विचार रखे थे। इसी श्रृंखला में युवा मोर्चा द्वारा प्रदेश स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक जिले से तीन-तीन विजेता प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम तीन विजेता वक्ताओं को पुरस्कृत किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार सीहोर के श्री यशस्वी राव, दूसरा बालाघाट के श्री सर्वोत्तम चौधरी एवं तृतीय शहडोल के श्री नवनीत शर्मा को दिया गया। प्रतियोगिता में सबसे कम आयु के प्रतिभागी श्री राघव शर्मा को प्रोत्साहन पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने सहभागिता प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया।

चार विषयों पर प्रतिभागियों ने रखे विचार

प्रतिभागियों ने श्री नरेंद्र मोदी जी का डिजिटल इंडिया गुड गवर्नेंस पर जोर देता है, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है, समय की मांग, मुफ्तखोरी की राजनीति से विकास की राजनीति की ओर स्थानांतरण एवं श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार का ध्यान युवाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है, विषयों पर अपने विचार रखे। ▪

स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा मोर्चा ने प्रदेश में शुरू किया 'खेलेगा मध्यप्रदेश' अभियान

देश-प्रदेश को सशक्त, सक्षम बनाने के लिए काम करने का संकल्प लें युवा-विष्णुदत्त शर्मा

भारतीय जनता युवा मोर्चा मध्यप्रदेश ने 'खेलेगा मध्यप्रदेश' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों और सभी 1070 मंडलों में विभिन्न पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इसी अभियान के तहत यंग इंडिया, रन मैराथन की शुरुआत हुई। प्रदेश के प्रत्येक मंडल में मैराथन के माध्यम से 'खेलेगा मध्यप्रदेश' अभियान की शुरुआत हो रही है।

स्वामी विवेकानंद जी ने भारत को विश्व गुरू बनाने के संकल्प के साथ देश के युवाओं का आव्हान कर कहा था कि 'उठो जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको'। देश के युवाओं को सशक्त, सक्षम और अपने लक्ष्य के प्रति सदैव अडिग रहने का स्वामी जी का सपना अब साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत को विश्वगुरु के स्थान पर देखने का उनका संकल्प भी पूरा हो रहा है। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रदेश के युवा मिलकर यह संकल्प लें कि अपने देश और मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में सशक्त, सक्षम और समृद्ध बनाने के लक्ष्य के लिए काम करेंगे।

प्रत्येक विधानसभा में पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन देगा युवा मोर्चा का अभियान

भारतीय जनता युवा मोर्चा मध्यप्रदेश ने खेलेगा मध्यप्रदेश अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों और सभी 1070 मंडलों में विभिन्न पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसी अभियान के तहत यंग इंडिया, रन मैराथन की शुरुआत हुई। प्रदेश के प्रत्येक मंडल में मैराथन के माध्यम से 'खेलेगा मध्यप्रदेश' अभियान की शुरुआत हो रही है। सभी 1070 मंडलों में हमारे 'खिलते कमल' नौजवान सम्मिलित हो रहे हैं।

प्रदेश में एक साथ दौड़े 1 लाख से ज्यादा युवा, युवा मोर्चा का खेलेगा मप्र अभियान शुरू - वैभव पंवार

युवा दिवस के अवसर पर 865 मंडलों पर मैराथन दौड़ आयोजित हुईं, जिसमें कुल 1 लाख 15 हजार 177 युवाओं ने सहभागिता की। सबसे ज्यादा सागर के 34 मंडलों में 9 हजार 800 युवाओं ने सहभागिता की। वहीं सतना के 28 मंडलों में 6 हजार युवाओं ने भाग लिया। युवाओं ने जिस तरह से मैराथन दौड़ में ऊर्जा और उत्साह का परिचय दिया है उससे स्पष्ट है कि युवा मोर्चा का खेलेगा मध्यप्रदेश अभियान सफल होगा। इस अभियान में खेलों से जुड़े प्रतिभावान युवा बढ़ चढ़कर सहभागिता करेंगे।

प्रदेश संगठन महामंत्री ने आष्टा में दिखाई मैराथन को हरी झंडी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी युवा मोर्चा द्वारा सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित मिनी मैराथन दौड़ में मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुये। उन्होंने झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया। ▪

स्वत्व व सतीत्व का प्रतीक
चंदेरी का जौहर स्मारक

हितानंद शर्मा

हम सभी के जीवन में कुछ स्थान व घटनायें ऐसी होती हैं, जो हर्ष व विषाद दोनों भावों को समाहित कर सदैव स्मृति पटल पर अंकित रहती हैं और यदि यह घटनायें ऐतिहासिक परिदृश्य के साथ जुड़ी हुई हों तो इनका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मेरे जीवन में भी ऐसा ही एक स्थान है-चंदेरी, जो मेरे गृह जिले अशोकनगर से 65 किमी की दूरी पर है और मेरे आरंभिक प्रचारक जीवन में मेरा कार्यक्षेत्र रहा है। वहां का किला, जौहर स्मारक, खूनी दरवाजा प्रारंभ से मेरा ध्यान खींचते रहे हैं। आज की व्यस्तता के बीच में भी जब भी 28-29 जनवरी का दिन आता है तो बरबस ही मन चंदेरी की ओर खिंच जाता है। क्या है इन स्मारको में? क्यों इनको स्मरण करने की आवश्यकता है? तो उत्तर मिलता है कि हमारा राष्ट्र स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह स्वत्व के भाव के जागरण का काल है। हम स्वदेश, स्वदेशी, स्वभाषा, स्वभूषा के लिये स्वाभिमान का अनुभव कर रहे हैं। ऐसे में हमें अपने प्राचीन गौरव के प्रति भी स्वाभिमान का भाव और सम्मान रखना चाहिए। सदैव उन स्थानों, घटनाओं, व्यक्तियों को जानने व समझने का प्रयत्न करना चाहिए, जिन्हें किसी कालखंड में एक सुनियोजित तरीके से विस्मृत कर दिया गया।

अपनी साड़ियों व हथकरघा उद्योग के लिये प्रसिद्ध चंदेरी के ऐतिहासिक महत्व को भी ऐसे ही भुला दिया गया। वह चंदेरी, जो साक्षी है राजा मेदिनीराय के साहस व शौर्य का, वह चंदेरी जो समाहित किये हुये है रानी मणिमाला व 1600 क्षत्राणियों के स्वत्व व सतीत्व की रक्षा हेतु किए गए सामूहिक जौहर को। इतिहास का एक ऐसा कालखंड जब बाबर जैसा आततायी आक्रमणकारी अपनी विस्तारवादी, विध्वंसक नीति के साथ 495 वर्ष पहले 27 जनवरी 1528 की रात को अपनी कुदृष्टि चंदेरी के किले पर डालता है और प्रातः सूर्य उदय होते ही भीषण युद्ध होता है। इसमें राजा मेदिनीराय वीरगति को प्राप्त होते हैं। राजा की मृत्यु और बाबर के महल के अंदर प्रवेश करने की जानकारी जैसे ही रानी मणिमाला के पास पंहुचती है, वह 1600 क्षत्राणियों के साथ अपने सतीत्व की रक्षा हेतु जौहर का निर्णय लेती हैं। महल के अंदर बनाये गये जौहर कुंड में एक-एक कर सभी क्षत्राणियां समिधा के समान स्वयं की आहुति देती हैं जिसको देख 495 वर्ष पहले बर्बर बाबर भी कांप गया और उसकी चौथी

अपनी साड़ियों व हथकरघा उद्योग के लिये प्रसिद्ध चंदेरी के ऐतिहासिक महत्व को भी ऐसे ही भुला दिया गया। वह चंदेरी, जो साक्षी है राजा मेदिनीराय के साहस व शौर्य का, वह चंदेरी जो समाहित किये हुये है रानी मणिमाला व 1600 क्षत्राणियों के स्वत्व व सतीत्व की रक्षा हेतु किए गए सामूहिक जौहर को।

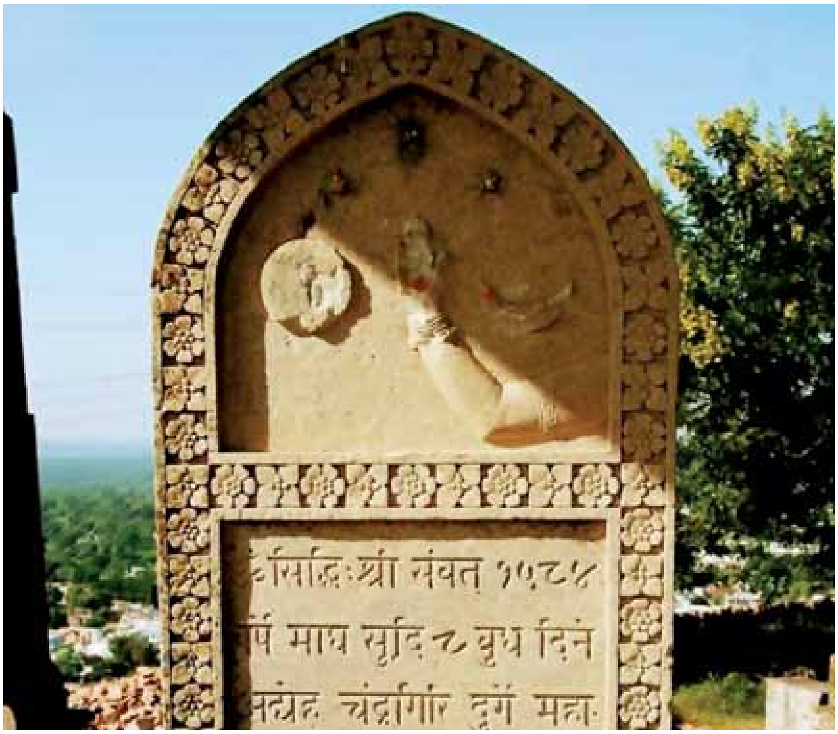

रानी के जौहर की बात बाबर तक पहुंची तो वह तत्काल रक्त से सनी तलवार लेकर महल में दाखिल हुआ। जौहर कुंड तक पहुंचने के बाद बाबर ने यहां का जो दृश्य देखा, उससे वह घबरा गया।

कहा जाता है कि उसकी चौथी बेगम दिलावर भी मौके पर पहुंची और जौहर देखकर बेहोश हो गई। 495 वर्ष पहले जिस स्थान पर यह जौहर हुआ आज भी वहां के पत्थरों का रंग काला है।

बीबी दिलावर बेगम तो बेहोश होकर गिर गयी।

इसी जौहर की स्मृति में वहाँ एक स्मारक बनाया गया है और प्रतिवर्ष इन वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि देने आयोजन होते हैं।

क्या हुआ था उस दिन?

27 जनवरी 1528 की रात का अंतिम पहर बीतने वाला था कि अचानक प्रहरियों को उत्तर दिशा की ओर से धूल का बवंडर चंदेरी की ओर बढ़ता दिखाई दिया। धीरे-धीरे घोड़ों की टापों की आवाजें तेज होती गईं और धूल का गुबार दुर्ग को घेर चुका था। मंत्रियों ने महाराज मेदिनी राय को सूचना दी कि बाबर चंदेरी के किले के पास तक तोपों से तैयार सेना के साथ पहुंच चुका है। कुछ देर बाद एक प्रहरी राजा के पास बाबर का पत्र लेकर पहुंचता है। खानवा के युद्ध में राजपूतों को हराने के बाद बाबर चंदेरी को कब्जे में करने के इरादे से यहां पहुंचा था। उसने पत्र में दुर्ग उसे सौंपकर उसके साथ आने को कहा। हालांकि राजा ने इनकार कर दिया। बाबर ने किला युद्ध से जीतने की चेतावनी देते हुए आक्रमण कर दिया। राजा ने राणा सांगा के पास मदद मांगते हुए एक पत्र भेजा और सेना के साथ युद्ध के मैदान में कूद पड़े। बाबर और मेदिनी राय के बीच भीषण युद्ध हुआ।

सतीत्व को बचाने 1600 रानियां अग्निकुंड में कूदी

28 जनवरी 1528 को युद्ध के मैदान में राजा मेदिनी राय वीर गति को प्राप्त हो गए। दिन ढलते रानी मणिमाला के पास सूचना आई कि राजा अब नहीं रहे। उन्हें यह भी पता चला कि दुश्मन दुर्ग पर कब्जा करने के लिए किसी भी समय महल में प्रवेश कर सकता है। राजा की मौत की सूचना सुनकर और शत्रु से अपने सतीत्व की रक्षा करने के लिए रानी ने जौहर का निर्णय लिया। महल के भीतर ही कुंड में जौहर करने के लिए आग जलाई गई। रानी मणिमाला 1600 से अधिक वीरांगनाओं के साथ जौहर कुंड के पास पहुंची और सभी एक-एक कर कूद गईं।

बाबर की चौथी बेगम दृश्य देख हुई बेहोश

युद्ध में सैकड़ों सैनिक वीरगति को प्राप्त हुये। यहां केवल खून ही खून दिखाई दे रहा था। इतना खून जमा हुआ कि इस स्थान को खूनी दरवाजा कहा गया। रानी के जौहर की बात बाबर तक पहुंची तो वह तत्काल रक्त से सनी तलवार लेकर महल में दाखिल हुआ। जौहर कुंड तक पहुंचने के बाद बाबर ने यहां का जो दृश्य देखा, उससे वह घबरा गया। कहा जाता है कि उसकी चौथी बेगम दिलावर भी मौके पर पहुंची और जौहर देखकर बेहोश हो गई। 495 वर्ष पहले जिस स्थान पर यह जौहर हुआ आज भी वहां के पत्थरों का रंग काला है।

15 कोस दूर तक दिखी धधक रही जौहर की ज्वाला

रानी के जौहर की बात आग की तरह राज्य में फैल चुकी थी। जौहर की धधकती आग 15 कोस दूर तक दिखाई दे रही थी। जौहर का पता चलते ही सुदूर अंचल की प्रजा भी किले की ओर भागी। ग्वालियर घराने ने रानी मणिमाला के जौहर की स्मृति में यहां पर एक स्मारक बनवाया। स्मारक के पास स्थित कुंड के आसपास लगे नागफनी के पौधों के कांटों की चुभन आज भी जौहर का स्मरण कराती हैं। महिलाएं आज भी इस स्थान पर पूजा करने जाती हैं और मेरा स्वयं भी जब-जब चंदेरी जाना होता है, इस स्थान पर जाने की सदैव मंशा रहती है और मन में पं. श्याम नारायण पांडे जी की यही पंक्तियां गूंजती हैं-

सुन्दरियों ने जहाँ देश-हित,
जौहर व्रत करना सीखा।
स्वतंत्रता के लिए जहाँ के
बच्चों ने भी मरना सीखा।
वहीं जा रहा पूजन करने,
लेने सतियों की पद-धूल।
वहीं हमारा दीप जलेगा,
वहीं चढ़ेगा माला, फूल।

(लेखक- भाजपा मप्र के संगठन महामंत्री हैं)

पद्म पुरस्कारों में जनजातीय जीवन का अच्छा-खासा प्रतिनिधित्व

पद्म पुरस्कार पाने वाले अनेक लोग, हमारे बीच के वो साथी हैं, जिन्होंने, हमेशा देश को सर्वोपरि रखा, राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

वो सेवाभाव से अपने काम में लगे रहे और इसके लिए उन्होंने कभी किसी पुरस्कार की आशा नहीं की। वो जिनके लिए काम कर रहे हैं, उनके चेहरे का संतोष ही उनके लिए सबसे बड़ा award है। ऐसे समर्पित लोगों को सम्मानित करके हम देशवासियों का गौरव बढ़ा है।

हर साल जनवरी का महीना काफी Eventful होता है। इस महीने, 14 जनवरी के आसपास उत्तर से दक्षिण तक और पूर्व से पश्चिम तक, देश-भर में त्योहारों की रौनक होती है। इसके बाद देश अपने गणतंत्र उत्सव भी मनाता है। इस बार भी गणतन्त्र दिवस समारोह में अनेक पहलुओं की काफी प्रशंसा हो रही है। जैसलमेर से पुल्कित ने लिखा है कि 26 जनवरी की परेड के दौरान कर्तव्य पथ का निर्माण करने वाले श्रमिकों को देखकर बहुत अच्छा लगा। कानपुर से जया ने लिखा है कि उन्हें परेड में शामिल झांकियों में भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को देखकर आनंद आया। इस परेड में पहली बार हिस्सा लेने वाली Women Camel Riders और CRPF की महिला टुकड़ी की काफी सराहना हो रही है।

देहरादून के वत्सल जी ने लिखा है कि 25 जनवरी का मैं हमेशा इंतजार करता हूं क्योंकि उस दिन पद्म पुरस्कारों की घोषणा होती है और एक प्रकार से 25 तारीख की शाम ही मेरी 26 जनवरी की उमंग को और बढ़ा देती है। जमीनी स्तर पर अपने समर्पण और सेवा-भाव से उपलब्धि हासिल करने वालों को People's Padma को लेकर भी कई लोगों ने अपनी भावनाएँ साझा की हैं। इस बार पद्म पुरस्कार से सम्मानित होने वालों में जनजातीय समुदाय और जनजातीय जीवन से जुड़े लोगों का अच्छा-खासा प्रतिनिधित्व रहा है। जनजातीय जीवन, शहरों की भागदौड़ से अलग होता है, उसकी चुनौतियां भी अलग होती हैं। इसके बावजूद जनजातीय समाज, अपनी परम्पराओं को सहेजने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। जनजातीय समुदायों से जुड़ी चीजों के संरक्षण और उन पर research के प्रयास भी होते हैं। ऐसे ही टोटो, हो, कुइ, कुवी और मांडा जैसी जनजातीय भाषाओं पर काम करने वाले कई महानुभावों को पद्म पुरस्कार मिले हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। धानीराम टोटो, जानुम सिंह सोय और बी. रामकृष्ण रेड्डी जी के नाम, अब तो पूरा देश उनसे परिचित हो गया है। सिद्धी, जारवा और ओंगे जैसी आदि-जनजाति के साथ काम करने वाले लोगों को भी इस बार सम्मानित किया गया है। जैसे - हीराबाई लोबी, रतन चंद्र कार और ईश्वर चंद्र वर्मा जी। जनजातिय समुदाय हमारी धरती, हमारी विरासत का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। देश और समाज के विकास में उनका योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। उनके लिए काम करने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान, नई पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा। इस वर्ष पद्म पुरस्कारों की गूँज उन इलाकों में भी सुनाई दे रही है, जो नक्सल प्रभावित हुआ करते थे। अपने प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में गुमराह युवकों को सही राह दिखाने वालों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इसके लिए कांकेर में लकड़ी पर नक्काशी करने वाले अजय कुमार मंडावी और गढ़चिरौली के प्रसिद्ध झाडीपट्टी रंगभूमि से जुड़े परशुराम कोमाजी खुणे को भी ये सम्मान मिला है। इसी प्रकार नॉर्थ-ईस्ट में अपनी संस्कृति के संरक्षण में जुटे रामकु ईवांगबे निउमे, बिक्रम बहादुर जमातिया और करमा वांगचु को भी सम्मानित किया गया है।

इस बार पद्म पुरस्कार से सम्मानित होने वालों में कई ऐसे लोग शामिल हैं, जिन्होंने संगीत की दुनिया को समृद्ध किया है। कौन होगा जिसको संगीत पसंद ना हो। हर किसी की संगीत की पसंद अलग-अलग हो सकती है, लेकिन संगीत हर किसी के जीवन का हिस्सा होता है। इस बार

पद्म पुरस्कार पाने वालों में वो लोग हैं, जो, संतूर, बम्हुम, द्वितारा जैसे हमारे पारंपरिक वाद्य यंत्र की धुन बिखेरने में महारत रखते हैं। गुलाम मोहम्मद जाज, मोआ सु-पोंग, री-सिंहबोर कुरका-लांग, मुनि-वेंकटप्पा और मंगल कांति राय ऐसे कितने ही नाम हैं जिनकी चारों तरफ चर्चा हो रही है।

पद्म पुरस्कार पाने वाले अनेक लोग, हमारे बीच के वो साथी हैं, जिन्होंने, हमेशा देश को सर्वोपरि रखा, राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वो सेवाभाव से अपने काम में लगे रहे और इसके लिए उन्होंने कभी किसी पुरस्कार की आशा नहीं की। वो जिनके लिए काम कर रहे हैं, उनके चेहरे का संतोष ही उनके लिए सबसे बड़ा award है। ऐसे समर्पित लोगों को सम्मानित करके हम देशवासियों का गौरव बढ़ा है। मैं सभी पद्म पुरस्कार विजेताओं के नाम भले ही यहाँ नहीं ले पाऊँ , लेकिन आप से मेरा आग्रह जरुर है, कि आप, पद्म पुरस्कार पाने वाले इन महानुभावों के प्रेरक जीवन के विषय में विस्तार से जानें और औरों को भी बताएं।

आज जब हम आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान गणतंत्र दिवस की चर्चा कर रहे हैं, तो मैं यहाँ एक दिलचस्प किताब का भी जिक्र करूंगा। कुछ हफ्ते पहले ही मुझे मिली इस book में एक बहुत ही interesting Subject पर चर्चा की गयी है। इस book का नाम India - The Mother of Democracy है और इसमें कई बेहतरीन Essays हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हम भारतीयों को इस बात का गर्व भी है कि हमारा देश Mother of Democracy भी है। लोकतंत्र हमारी रगो में है, हमारी संस्कृति में है - सदियों से यह हमारे कामकाज का भी एक अभिन्न हिस्सा रहा है। स्वभाव से, हम एक Democratic Society हैं। डॉ. अम्बेडकर ने बौद्ध भिक्षु संघ की तुलना भारतीय संसद से की थी। उन्होंने उसे एक ऐसी संस्था बताया था, जहां Motions, Resolutions, Quorum (कोरम), Voting और वोटों की गिनती के लिए कई नियम थे। बाबासाहेब का मानना था कि भगवान बुद्ध को इसकी प्रेरणा उस समय की राजनीतिक व्यवस्थाओं से मिली होगी।

तमिलनाडु में एक छोटा, लेकिन चर्चित गाँव है - उतिरमेरुर। यहाँ ग्यारह सौ-बारह सौ साल पहले का एक शिलालेख दुनिया भर को अचंभित करता है। यह शिलालेख एक Mini-Constitution की तरह है। इसमें विस्तार से बताया गया है कि ग्राम सभा का संचालन कैसे होना चाहिए और उसके सदस्यों के चयन की प्रक्रिया क्या हो। हमारे देश के इतिहास में Democratic Values का एक और उदाहरण है - 12वीं सदी के भगवान बसवेश्वर का अनुभव मंडपम। यहाँ free debate और discussion को प्रोत्साहन दिया जाता था। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि यह Magna Carta से भी पहले की बात है। वारंगल के काकतीय वंश के राजाओं की गणतांत्रिक परम्पराएं भी बहुत प्रसिद्ध थी। भक्ति आन्दोलन ने, पश्चिमी भारत में, लोकतंत्र की संस्कृति को आगे बढ़ाया। Book में सिख पंथ की लोकतान्त्रिक भावना पर भी एक लेख को शामिल किया गया है जो गुरु नानक देव जी के सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों पर प्रकाश डालता है। मध्य भारत की उरांव और मुंडा जनजातियों में community driven और consensus driven decision पर भी इस किताब में अच्छी जानकारी है। आप इस किताब को पढ़ने के बाद महसूस करेंगे कि कैसे देश के हर हिस्से में सदियों से लोकतंत्र की भावना प्रवाहित होती रही है। Mother of Democracy के रूप में, हमें, निरंतर इस विषय का गहन चिंतन भी करना चाहिए, चर्चा भी करना चाहिए और दुनिया को अवगत भी कराना चाहिए। इससे देश में लोकतंत्र की भावना और प्रगाढ़ होगी।

अगर मैं आपसे पूंछू कि योग दिवस और हमारे विभिन्न तरह के मोटे अनाजों - Millets में क्या common है तो आप सोचेंगे ये भी क्या तुलना हुई? अगर मैं कहूँ कि दोनों में काफी कुछ common है तो आप हैरान हो जाएंगे। दरअसल संयुक्त राष्ट्र ने International Yoga Day और International Year of Millets, दोनों का ही निर्णय भारत के प्रस्ताव के बाद लिया है। दूसरी बात ये कि योग भी स्वास्थ्य से जुड़ा है और millets भी सेहत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तीसरी बात और महत्वपूर्ण है - दोनों ही अभियानों में जन-भागीदारी की वजह से क्रांति आ रही है। जिस तरह लोगों ने व्यापक स्तर पर सक्रिय भागीदारी करके योग और fitness को अपने जीवन का हिस्सा बनाया है उसी तरह millets को भी लोग बड़े पैमाने पर अपना रहे हैं। लोग अब millets को अपने खानपान का हिस्सा बना रहे हैं। इस बदलाव का बहुत बड़ा प्रभाव भी दिख रहा है। इससे एक तरफ वो छोटे किसान बहुत उत्साहित हैं जो पारंपरिक रूप से millets का उत्पादन करते थे। वो इस बात से बहुत खुश हैं कि दुनिया अब millets का महत्व समझने लगी है। दूसरी तरफ, FPO और entrepreneurs ने millets को बाजार तक पहुँचाने और उसे लोगों तक उपलब्ध कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले के रहने वाले

के.वी. रामा सुब्बा रेड्डी जी ने millets के लिए अच्छी-खासी salary वाली नौकरी छोड़ दी। माँ के हाथों से बने millets के पकवानों का स्वाद कुछ ऐसा रचा-बसा था कि इन्होंने अपने गाँव में बाजरे की processing unit ही शुरू कर दी। सुब्बा रेड्डी जी लोगों को बाजरे के फायदे भी बताते हैं और उसे आसानी से उपलब्ध भी कराते हैं। महाराष्ट्र में अलीबाग के पास केनाड गाँव की रहने वाली शर्मीला ओसवाल जी पिछले 20 साल से millets की पैदावार में unique तरीके से योगदान दे रही हैं। वो किसानों को smart agriculture की training दे रही हैं। उनके प्रयासों से न सिर्फ Millets की उपज बढ़ी है, बल्कि, किसानों की आय में भी वृद्धि हुई है।

अगर आपको छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जाने का मौका मिले तो यहाँ के Millets Cafe जरुर जाइएगा। कुछ ही महीने पहले शुरू हुए इस Millets Cafe में चीला, डोसा, मोमोस, पिज्जा और मंचूरियन जैसे Item खूब popular हो रहे हैं।

आपने entrepreneur शब्द सुना होगा, लेकिन, क्या आपने Milletpreneurs सुना है क्या? ओडिशा की Milletpreneurs, आजकल खूब सुर्खियों में हैं। आदिवासी जिले सुंदरगढ़ की करीब डेढ़ हजार महिलाओं का Self Help Group, Odisha Millets Mission से जुड़ा हुआ है। यहाँ महिलाएं millets से cookies, रसगुल्ला, गुलाब जामुन और केक तक बना रही हैं। बाजार में इनकी खूब demand होने से महिलाओं की आमदनी भी बढ़ रही है।

कर्नाटका के कलबुर्गी में Aland Bhootai (अलंद भुताई) Millets Farmers Producer Company ने पिछले साल Indian Institute of Millets Research की देखरेख में काम शुरू किया। यहाँ के खाकरा, बिस्कुट और लड्डू लोगों को भा रहे हैं। कर्नाटका के ही बीदर जिले में, Hulsoor Millet

Producer Company से जुड़ी महिलाएं millets की खेती के साथ ही उसका आटा भी तैयार कर रही हैं। इससे इनकी कमाई भी काफी बढ़ी है। प्राकृतिक खेती से जुड़े छत्तीसगढ़ के संदीप शर्मा जी के FPO से 12 राज्यों के किसान जुड़े हैं। बिलासपुर का यह FPO, 8 प्रकार के millets का आटा और उसके व्यंजन बना रहा है।

हिंदुस्तान के कोने-कोने में G-20 की summits लगातार चल रही है और मुझे खुशी है कि देश के हर कोने में, जहां भी G-20 की summit हो रही है, millets से बने पौष्टिक, और स्वादिष्ट व्यंजन उसमें शामिल होते हैं। यहाँ बाजार से बनी खिचड़ी, पोहा, खीर और रोटी के साथ ही रागी से बने पायसम, पूड़ी और डोसा जैसे व्यंजन भी परोसे जाते हैं। G-20 के सभी Venues पर Millets Exhibitions में Millets से बनी Health Drinks, Cereals (सीरियल्स) और Noodles को Showcase किया गया। दुनिया भर में Indian Missions भी इनकी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए भरपूर प्रयास कर रहे हैं। आप कल्पना कर सकते हैं कि देश का ये प्रयास और दुनिया में बढ़ने वाली मिलेट्स (Millets) की डिमांड (demand), हमारे छोटे किसानों को कितनी ताकत देने वाली है। मुझे ये देखकर भी अच्छा लगता है कि आज जितने तरह की नई-नई चीजें मिलेट्स (Millets) से बनने लगी हैं, वो युवा पीढ़ी को भी उतनी ही पसंद आ रही है। International Year of Millets की ऐसी शानदार शुरुआत के लिए और उसको लगातार आगे बढ़ाने के लिए मैं 'मन की बात' के श्रोताओं को भी बधाई देता हूं।

जब आपसे कोई Tourist Hub गोवा की बात करता है, तो, आपके मन में क्या ख्याल आता है? स्वभाविक है, गोवा का नाम आते ही, सबसे पहले, यहां की खूबसूरत Coastline, Beaches और पसंदीदा खानपान की बातें ध्यान में आने लगती हैं। लेकिन गोवा में इस महीने कुछ ऐसा हुआ, जो बहुत सुर्खियों में है। आज 'मन की बात' में, मैं इसे, आप सबके साथ साझा करना चाहता हूं। गोवा में हुआ ये इवेंट (Event) है - Purple Fest (पर्पल फेस्ट) इस फेस्ट को 6 से 8 जनवरी तक पणजी में आयोजित किया गया। दिव्यांगजनों के कल्याण को लेकर यह अपने-आप में एक अनूठा प्रयास था। Purple Fest (पर्पल फेस्ट) कितना बड़ा मौका था, इसका अंदाजा आप सभी इस बात से लगा सकते हैं, कि 50 हजार से भी ज्यादा हमारे भाई-बहन इसमें शामिल हुए। यहां आये लोग इस बात को लेकर रोमांचित थे कि वो अब 'मीरामार बीच' घूमने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। दरअसल, 'मीरामार बीच' हमारे दिव्यांग भाई-बहनों के लिए गोवा के Accessible Beaches में से एक बन गया है। यहां पर Cricket Tournament, Table Tennis Tournament, Marathon Competition के साथ ही एक डीफ-ब्लाइंड कन्वेंशन भी आयोजित किया गया। यहाँ Unique Bird Watching Programme के अलावा एक फिल्म भी दिखाई गयी। इसके लिए विशेष इंतजाम किये गए थे, ताकि, हमारे सभी दिव्यांग भाई-बहन और बच्चे इसका पूरा आनंद ले सकें। Purple Fest की एक खास बात इसमें देश के private sector की भागीदारी भी रही। उनकी ओर से ऐसे products को showcase किया गया, जो, Divyang Friendly हैं। इस fest में दिव्यांग कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के अनेक प्रयास देखे गए। Purple Fest को सफल बनाने के लिए, मैं, इसमें हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को बधाई देता हूँ। इसके साथ ही उन Volunteers का भी अभिनन्दन करता हूं, जिन्होंने इसे Organise करने के लिए रात-दिन एक कर दिया। मुझे पूरा विश्वास है कि Accessible India के हमारे Vision को साकार करने में इस प्रकार के अभियान बहुत ही कारगर साबित होंगे।

अब 'मन की बात' में, मैं, एक ऐसे विषय पर बात करूंगा जिसमें आपको आनंद भी आएगा, गर्व भी होगा और मन कह उठेगा - वाह भाई वाह! दिल खुश हो गया! देश के सबसे पुराने Science Institutions में से एक बेंगलुरु का Indian Institute of Science, यानी IISc एक शानदार मिसाल पेश कर रहा है। 'मन की बात' में, मैं, पहले इसकी चर्चा कर चुका हूं, कि कैसे, इस संस्थान की स्थापना के पीछे, भारत की दो महान विभूतियाँ, जमशेदजी टाटा और स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा रही है, तो, आपको और मुझे आनंद और गर्व दिलाने वाली बात ये है कि साल 2022 में इस संस्थान के नाम कुल 145 patents रहे हैं। इसका मतलब है - हर पांच दिन में दो patents। ये रिकॉर्ड अपने आप में अद्भुत है। इस सफलता के लिए मैं IISc की टीम को भी बधाई देना चाहता हूं।

आज Patent Filing में भारत की ranking 7वीं और trademarks में 5वीं है। सिर्फ patents की बात करें, तो पिछले पांच वर्षों में इसमें करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। Global Innovation Index में भी, भारत की ranking में, जबरदस्त सुधार हुआ है और अब वो 40वें पर आ पहुंची है, जबकि 2015 में, भारत Global Innovation Index में 80 नंबर के भी पीछे था। एक और दिलचस्प बात मैं आपको बताना चाहता हूं। भारत में पिछले 11 वर्षों में पहली बार Domestic Patent Filing की संख्या Foreign Filing से अधिक देखी गई है। ये भारत के बढ़ते हुए वैज्ञानिक सामर्थ्य को भी दिखाता है।

हम सभी जानते हैं कि 21वीं सदी की Global Economy में Knowledge ही सर्वोपरि है। मुझे विश्वास है कि भारत के Techade का सपना हमारे Innovators और उनके Patents के दम पर जरूर पूरा होगा। इससे हम सभी अपने ही देश में तैयार World Class Technology और Products का भरपूर लाभ ले सकेंगे।

NaMo App पर मैंने तेलंगाना के इंजीनियर विजय जी की एक Post देखी। इसमें विजयजी ने E-Waste के बारे में लिखा है। विजय जी का आग्रह है कि मैं 'मन की बात' में इस पर चर्चा करूं। इस कार्यक्रम में पहले भी हमने 'Waste to Wealth' यानी 'कचरे से कंचन' के बारे में बातें की हैं, लेकिन आइए, आज, इसी से जुड़ी E-Waste की चर्चा करते हैं।

आज हर घर में Mobile Phone, Laptop, Tablet जैसी devices आम हो चली हैं। देशभर में इनकी संख्या Billions में होगी। आज के Latest Devices, भविष्य के E-Waste भी होते हैं। जब भी कोई नई device खरीदता है या फिर अपनी पुरानी device को बदलता है, तो यह ध्यान रखना जरूरी हो जाता है कि उसे सही तरीके से Discard किया जाता है या नहीं। अगर E-Waste को ठीक से Dispose नहीं किया गया, तो यह, हमारे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन, अगर सावधानी पूर्वक ऐसा किया जाता है, तो, यह Recycle और Reuse की Circular Economy की बहुत बड़ी ताकत बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र की एक Report में बताया गया था कि हर साल 50 मिलियन टन E-Waste फेंका जा रहा है। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कितना होता है? मानव इतिहास में जितने Commercial Plane बने हैं, उन सभी का वजन मिला दिया जाए, तो भी जितना E-Waste निकल रहा है, उसके बराबर, नहीं होगा। ये ऐसा है जैसे हर Second 800 Laptop फेंक दिए जा रहे हों। आप जानकर चौंक जाएंगे कि अलग-अलग Process के जरिए इस E-Waste से करीब 17 प्रकार के Precious Metal निकाले जा सकते हैं। इसमें Gold, Silver, Copper और Nickel शामिल हैं, इसलिए

E-Waste का सदुपयोग करना, 'कचरे को कंचन' बनाने से कम नहीं है। आज ऐसे Startups की कमी नहीं, जो इस दिशा में Innovative काम कर रहे हैं। आज, करीब 500 E-Waste Recyclers इस क्षेत्र से जुड़े हैं और बहुत सारे नए उद्यमियों को भी इससे जोड़ा जा रहा है। इस Sector ने हजारों लोगों को सीधे तौर पर रोजगार भी दिया है। बेंगलुरु की E-Parisaraa ऐसे ही एक प्रयास में जुटी है। इसने Printed Circuit Boards की कीमती धातुओं को अलग करने की स्वदेशी Technology विकसित की है। इसी तरह मुंबई में काम कर रही Ecoreco (इको-रीको) ने Mobile App से E-Waste को Collect करने का System तैयार किया है। उत्तराखंड के रुड़की की Attero (एटेरो) Recycling ने तो इस क्षेत्र में दुनियाभर में कई Patents हासिल किए हैं। इसने भी खुद की E-Waste Recycling Technology तैयार कर काफी नाम कमाया है। भोपाल में Mobile App और Website 'कबाड़ीवाला' के जरिए टनों E-Waste एकत्रित किया जा रहा है। इस तरह के कई उदाहरण हैं। ये सभी भारत को Global Recycling Hub बनाने में मदद कर रहे हैं, लेकिन, ऐसे Initiatives की सफलता के लिए एक जरूरी शर्त भी है - वो ये है कि E-Waste के निपटारे से सुरक्षित उपयोगी तरीकों के बारे में लोगों को जागरूक करते रहना होगा। E-Waste के क्षेत्र में काम करने वाले बताते हैं कि अभी हर साल सिर्फ 15-17 प्रतिशत E-Waste को ही Recycle किया जा रहा है।

आज पूरी दुनिया में Climate-change और Biodiversity के संरक्षण की बहुत चर्चा होती है। इस दिशा में भारत के ठोस प्रयासों के बारे में हम लगातार बात करते रहे हैं। भारत ने अपने wetlands के लिए जो काम किया है, वो जानकर आपको भी बहुत अच्छा लगेगा। कुछ श्रोता सोच रहे होंगे कि wetlands क्या होता है? Wetland sites यानी वो स्थान जहाँ दलदली मिट्टी जैसी जमीन पर साल-भर पानी जमा रहता है। कुछ दिन बाद, 2 फरवरी को ही World Wetlands day है। हमारी धरती के अस्तित्व के लिए Wetlands बहुत जरूरी हैं, क्योंकि इन पर, कई सारे पक्षी, जीव-जंतु निर्भर करते हैं। ये Biodiversity को समृद्ध करने के साथ Flood control और Ground Water Recharge को भी सुनिश्चित करते हैं। आप में से बहुत लोग जानते होंगे Ramsar (रामसर) Sites ऐसे Wetlands होते हैं, जो International Importance के हैं। Wetlands भले ही किसी देश में हो, लेकिन उन्हें, अनेक मापदंडो को पूरा करना होता है, तब जाकर उन्हें, Ramsar Sites घोषित किया जाता है। Ramsar Sites में 20,000 या उससे अधिक water birds होने चाहिए। स्थानीय मछली की प्रजातियों का बड़ी संख्या में होना जरुरी है। आजादी के 75 साल पर, अमृत महोत्सव के दौरान Ramsar Sites से जुड़ी एक अच्छी जानकारी भी मैं आपके साथ share करना चाहता हूँ। हमारे देश में अब Ramsar Sites की कुल संख्या 75 हो गयी है, जबकि, 2014 के पहले देश में सिर्फ 26 Ramsar Sites थी। इसके लिए स्थानीय समुदाय बधाई के पात्र हैं, जिन्होनें इस Biodiversity को संजोकर रखा है। यह प्रकृति के साथ सद्भावपूर्वक रहने की हमारी सदियों पुरानी संस्कृति और परंपरा का भी सम्मान है। भारत के ये Wetlands हमारे प्राकृतिक सामर्थ्य का भी उदाहरण हैं। ओडिशा की चिलका झील को 40 से अधिक Water Bird Species को आश्रय देने के लिए जाना जाता है। कई बुल-लमजाअ, लोकटाक को Swamp Deer का एकमात्र Natural Habitat (हैबिटैट) माना जाता है। तमिलनाडु के वेड़न्थांगल को 2022 में Ramsar Site घोषित किया गया। यहाँ की Bird Population को संरक्षित करने का पूरा श्रेय आस-पास के किसानों को जाता है। कश्मीर में पंजाथ नाग समुदाय Annual Fruit Blossom festival के दौरान एक दिन को विशेष तौर पर गाँव के झरने की साफ - सफाई में लगाता है। World's Ramsar Sitesमें अधिकतर Unique Culture Heritage भी हैं। मणिपुर का लोकटाक और पवित्र झील रेणुका से वहाँ की संस्कृतियों का गहरा जुड़ाव रहा है। इसी प्रकार Sambhar का नाता माँ दुर्गा के अवतार शाकम्भरी देवी से भी है। भारत में Wetlands का ये विस्तार उन लोगों की वजह से संभव हो पा रहा है, जो Ramsar Sitesके आसपास रहते हैं। मैं, ऐसे सभी लोगों की बहुत सराहना करता हूँ, 'मन की बात' के श्रोताओं की तरफ से उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ।

इस बार हमारे देश में, खासकर उत्तर भारत में, खूब कड़ाके की सर्दी पड़ी। इस सर्दी में लोगों ने पहाड़ों पर बर्फ बारी का मजा भी खूब लिया। जम्मू-कश्मीर से कुछ ऐसी तस्वीरें आईं जिन्होंने पूरे देश का मन मोह लिया। Social Media पर तो पूरी दुनिया के लोग इन तस्वीरों को पसंद कर रहे हैं। बर्फ बारी की वजह से हमारी कश्मीर घाटी हर साल की तरह इस बार भी बहुत खूबसूरत हो गई है। बनिहाल से बडगाम जाने वाली ट्रेन की वीडियो को भी लोग खासकर पसंद कर रहे हैं। खूबसूरत बर्फ बारी, चारों ओर सफेद चादर सी बर्फ । लोग कह रहे हैं, कि ये दृश्य, परिलोक की कथाओं सा लग रहा है। कई लोग कह रहे हैं कि ये किसी विदेश की नहीं, बल्कि अपने ही देश में कश्मीर की तस्वीरें हैं।

एक Social Media User ने लिखा है - 'कि स्वर्ग इससे ज्यादा खूबसूरत और क्या होगा?' ये बात बिलकुल सही है - तभी तो कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। आप भी इन तस्वीरों को देखकर कश्मीर की सैर जाने का जरुर सोच रहे होंगे। मैं चाहूँगा, आप, खुद भी जाइए और अपने साथियों को भी ले जाइए। कश्मीर में बर्फ से ढके पहाड़, प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ-साथ और भी बहुत कुछ देखने-जानने के लिए हैं। जैसे कि कश्मीर के सय्यैदाबाद में Winter games आयोजित किए गए। इन Games की theme थी -Snow Cricket! आप सोच रहे होंगे कि Snow Cricket तो ज्यादा ही रोमांचक खेल होगा-आप बिलकुल सही सोच रहे हैं। कश्मीरी युवा बर्फ के बीच Cricket को और भी अद्भुत बना देते हैं। इसके जरिए कश्मीर में ऐसे युवा खिलाड़ियों की तलाश भी होती है, जो आगे चलकर टीम इंडिया के तौर पर खेलेंगे। ये भी एक तरह से Khelo India Movement का ही विस्तार है। कश्मीर में, युवाओं में, खेलों को लेकर, बहुत उत्साह बढ़ रहा है। आने वाले समय में इनमें से कई युवा, देश के लिए मेडल जीतेंगे, तिरंगा लहरायेंगे। मेरा आपको सुझाव होगा कि अगली बार जब आप कश्मीर की यात्रा plan करें तो इन तरह के आयोजनों को देखने के लिए भी समय निकालें। ये अनुभव आपकी यात्रा को और भी यादगार बना देंगे। गणतंत्र को मजबूत करने के हमारे प्रयास निरंतर चलते रहने चाहिए। गणतंत्र मजबूत होता है 'जन-भागीदारी से', 'सबका प्रयास से', 'देश के प्रति अपने-अपने कर्तव्यों को निभाने से', और मुझे संतोष है, कि, हमारा 'मन की बात', ऐसे कर्तव्यनिष्ठ सेनानियों की बुलंद आवाज है। ▪

वासुदेव बलवंत फड़के जिनके नाम से अंग्रेज काँपते थे

ब्रिटिश शासन की प्रताड़ना, अत्याचार तथा भारत माता को स्वतंत्र कराने की स्वराज की स्थापना की जोत देश में सुलग रही थी। स्वतंत्रता प्राप्त करने के महायज्ञ में असंख्य देशभक्तों ने प्राणों को हंसते-हंसते न्योछावर कर दिया। कई समाज,कई संस्कृति अपनी जमीन को छोड़ कर के दर-दर भटकने को मजबूर हो गई तथा अपने-अपने प्रकार से देश को स्वतंत्रता दिलाने की जिद ठान ली। कई वीर ऐसे भी हैं, जिनका योगदान अद्वितीय है, पर वह इतिहासकारों की पुस्तकों में या स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चाओं में कम ही याद किए जाते हैं।

वीर सावरकर ने लिखा है ''जिन लोगों में कुछ और करने का साहस अथवा सामर्थ्य नहीं था,पर अपने इष्ट देवता की पूजा करते समय इतनी प्रार्थना भर की हो कि मेरी मातृभूमि स्वतंत्र कर दो'' उनका भी स्वतंत्रता प्राप्ति में स्थान है।

ए सर्वे ऑफ इंडियन हिस्ट्री में सरदार पणिकर ने लिखा है ''सब का एक ही और समान उद्देश्य था- ब्रिटिशों को देश से बाहर निकाल कर राष्ट्रीय स्वतंत्रता प्राप्त करना। इस दृष्टि से उसे विद्रोह नहीं कह सकेंगे। वह एक महान राष्ट्रीय उत्थान था।'' ऐसे ही एक महान वीर,महान क्रांतिकारी भारत माता के सपूत वासुदेव बलवंत फड़के थे जिन्होंने कहा ''हे हिंदुस्तान वासियों- मैं भी दधीचि के समान मृत्यु को स्वीकार क्यों ना करूं? अपने आत्मसमर्पण से आपको गुलामी व दुख से मुक्त करने का प्रयास क्यों ना करूं? आप सब को अंतिम प्रणाम करता हूं।'' नवंबर 1879 में प्रकाशित अमृत बाजार पत्रिका ने लिखा था- वासुदेव बलवंत फड़के में वह सब महान विभूतियां थीं जो संसार में महत्वपूर्ण कार्य सिद्धि के लिए भेजी जाती हैं। वे देवदूत थे। उनके व्यक्तित्व की ऊंचाई सामान्य मानव के मुकाबले सतपुड़ा व हिमालय से तुलना जैसी अनुभव होगी।

4 नवंबर 1845 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के शिरढोणे गांव में जन्मे वासुदेव बलवंत फड़के भारत के स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी थे, जिन्हें आदि क्रांतिकारी कहा जाता है। उन्होंने गुलामी से मुक्ति के लिए, स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए सशस्त्र मार्ग का चयन किया था। अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने के लिए लोगों में क्रांति का संचार किया। महाराष्ट्र की कोली, भील तथा धांगड़ जातियों को अपने साथ लेकर ''रामोशी'' नाम से संगठन बनाया जिसका उद्देश्य क्रांति था। स्वतंत्रता संग्राम

के लिए आवश्यक धन की व्यवस्था के लिए अंग्रेज साहूकारों को लूटने से कोई परहेज नहीं की। क्रांति के माध्यम से सफलता तो इस तरह हासिल की कि अंग्रेजों से पुणे नगर को कुछ समय के लिए अपने नियंत्रण में भी लिया था। भारतीय जनमानस में संघर्ष की चिंगारी फैलाने में सफलता हासिल करी।

श्री फड़के की प्रारंभिक शिक्षा कल्याण और पुणे में हुई। प्रारंभ से ही श्री फड़के तेजस्वी और बहादुर थे। श्री फड़के जी के पिताजी चाहते थे कि वासुदेव व्यापारी की दुकान पर नौकरी करें। लेकिन श्री फड़के के दिल में तो कुछ और ही था। पिता से असहमत होकर वे मुंबई आ गए, फिर उन्होंने 15 वर्ष तक पुणे के मिलिट्री एकाउंट्स डिपार्टमेंट में नौकरी की, यहां उनका संपर्क अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से हुआ। श्री महादेव गोविंद रानाडे जी का उन पर खास प्रभाव पड़ा। जंगलों को हथियार चलाने का अभ्यास स्थल बनाया, ज्योतिबा फुले और लोकमान्य तिलक उनके साथी थे। 1871 में एक शाम को एक तार से संदेश मिला जिसमें लिखा था 'वासु तुम शीघ्र ही घर आ जाओ,नहीं तो मां के दर्शन भी शायद ना हो सकेंगे'। तार के समाचार से परेशान व विचलित होकर वासुदेव अंग्रेज अधिकारी के पास अवकाश मांगने गए पर अंग्रेज अधिकारी ने उन्हें अपमानित कर अवकाश की स्वीकृति नहीं दी। प्रार्थना पत्र अस्वीकार होने के बावजूद भी श्री फड़के जी अपने गांव चले आए,पर तब तक देर हो चुकी थी, मां स्वर्ग सिधार चुकी थी। इस घटना ने वासुदेव बलवंत फड़के जी के मन को भीतर तक झकझोर के रख दिया, उन्होंने अंग्रेजों की नौकरी से अपना नाता तोड़ दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ मिलकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की तैयारी शुरू कर दी और सहयोग ना मिलने पर शिवाजी को अपना पथ प्रदर्शक मानकर आदिवासियों के साथ सेना का गठन करना प्रारंभ किया। 1879 मे अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह की घोषणा कर दी, महाराष्ट्र के कई जिलों में फड़के जी की सेना का प्रभाव फैल गया। क्रांतिकारी गतिविधियों से अंग्रेज भयभीत हुए। श्री फड़के के नाम से अंग्रेज थर-थर कांपते थे। 13 मई 1879 को अंग्रेज एक विश्रामगृह में इकट्ठे हुए तथा श्री फड़के के डर के कारण बैठक कर रहे थे, इसी समय अर्धरात्रि में श्री फड़के जी भी वहां आ गए, उन्होंने अंग्रेज अफसरों को खूब मारा फिर भवन में आग लगा दी। इस घटना से अंग्रेज सरकार डर गई और उसने श्री फड़के को जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर 50000 रूपये के इनाम की घोषणा करी। श्री फड़के जी ने भी अंग्रेज सरकार को जवाब देने में देरी नहीं करी और अगले ही दिन स्वयं के हस्ताक्षर के साथ मुंबई में एक इश्तेहार लगा दिया कि जो कोई भी अंग्रेज अफसर 'रिचर्ड' का सिर लाएगा उसे 75000 रूपये का ईनाम दिया जाएगा। इससे अंग्रेज तिलमिला उठे। अंग्रेज सेना बार-बार प्रयास करती पर श्री फड़के की सेना से प्रत्युत्तर पीछे हटने को मजबूर कर देता था। 20 जुलाई 1879 को बीमार श्री फड़के मंदिर में विश्राम कर रहे थे, इसकी खबर ब्रिटिश अफसर को मिल गई उसने श्री फड़के को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाया और फांसी की सजा सुनाई।

उस वक्त के प्रसिद्ध व योग्य वकील श्री महादेव आप्टे ने उनकी पैरवी करी और फांसी की सजा को काला पानी की सजा में बदलवाने में सफलता हासिल करी। कालापानी की सजा के लिए श्री फड़के को अंडमान जेल भेज दिया गया। 17 फरवरी 1883 कालापानी की सजा काटते हुए भारत माता का वीर सपूत शहीद हो गया। भारत सरकार ने श्री फड़के जी के सम्मान में डाक टिकट जारी किया। दक्षिण मुंबई में श्री फड़के जी की स्थापित मूर्ति इस अमर शहीद की प्रेरणा को आज भी दिल और दिमाग में ताजा कर देती है। महान क्रांतिकारी सपूत को कोटि-कोटि नमन्, ऐसे वीर सपूत चर्चा में भले ही कम आते हों पर उनका स्वतंत्रता संग्राम में योगदान अद्वितीय, अविस्मरणीय है तथा इनका नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता रहेगा। इतिहास में ऐसी प्रेरणादायक विभूतियां भारतीयों का सम्मान गर्व से ऊंचा करती हैं। ▪

ऋगवेद से निकला है हिन्दू शब्द

वीर सावरकर

हिन्दू, हिन्दुस्थान, हिन्द इन प्राकृत शब्दों का मूल उद्‌गम ऋग्वेदकालीन सप्तसिन्धु नामक हमारे अपने प्राचीनतम राष्ट्रीय अभिधा में ही है।

आसिंधुसिंधुपर्यन्ता यस्य भारतभूमिका।
पितृभूः पुण्यभूश्चैव स वै, 'हिन्दू' रिति स्मृतः।।

'हिन्दू' शब्द हिन्दू संगठन का प्रमुख धार है, अतएव दृढ़ या ढीला, चिरन्तन या चंचल होगा उसी प्रमाण में उस आधार पर निर्मित हिन्दू संगठन की यह प्रचंड बनावट भी व्यापक, भारी भरकम तथा स्थायी होने वाली है। हिन्दू महासभा क्या तथा उसने उठाया हुआ हिन्दू संगठन का महान कार्य क्या, जब तक वह 'हिन्दू किसे कहा जाय?' इस प्रश्न का निश्चित उत्तर नहीं देता तब तक उसका एक पग भी दिशाभ्रम के बिना आगे बढ़ना असंभव होगा, अनर्थकारी होगा।

'हिन्दू' शब्द की प्राचीनता

1. हिन्दू शब्द की उत्पत्ति न तो मुसलमानों द्वारा हुई है न ही मुसलमानों ने प्राथमिक रूप से यह शब्द हमारे राष्ट्र के लिये सम्बोधित ही किया है जिस काल में हिन्दू शब्द की उत्पत्ति के सम्बन्ध में पर्याप्त गवेषणा ही नहीं हुई थी उस काल की यह दुष्ट दन्तकथा भर है? हिन्दू शब्द की ऐतिहासिक उत्पत्ति के निम्नलिखित स्पष्टीकरण से यह सिद्ध हो जाएगा।
2. हिन्दू, हिन्दुस्थान, हिन्द इन प्राकृत शब्दों का मूल उद्‌गम ऋग्वेदकालीन सप्तसिन्धु नामक हमारे अपने प्राचीनतम राष्ट्रीय अभिधा में ही है। हमारे वेदकालीन पूर्वजों ने ऋग्वेद में 'सप्तसिन्धवः' इस शब्द को देशवाचक एवं राष्ट्रवाचक अर्थों में ही, स्वतः की राष्ट्रीय अभिधा के रूप में, स्वतः के हेतु ही प्रयुक्त किया है।
उस प्राचीन काल में हमारे निकटस्थ ईरान, बाबिलोन, प्राचीन अरब आदि राष्ट्र हमें हमारे 'सप्तसिन्धु' इसी राष्ट्रीय अभिधा से जानते थे। 'पारसियों ने' ढाई हजार वर्ष पूर्व के उनके धर्मग्रंथों में हमारे राष्ट्र को 'सप्तहिन्दू' से ही सम्बोधित किया है। तत्कालीन प्राचीन 'बेबोलियन' ग्रंथों में हमारे देश से निर्यातित झीने तथा सुन्दर वस्त्रों को 'सिन्धु' या 'सिन्धुव' कहा हुआ है।
अलेक्जेण्डर के दो सौ वर्ष पूर्व का ग्रीक इतिहासकार हेकाटेआस भी हमारे प्राचीन राष्ट्र को हमारे ही सिन्धु शब्द के ग्रीक रूप Indu India इसी नाम का उल्लेख करता है। बुद्धकाल में हिन्दुस्थान में आये हुए, 'चीनी' यात्री हुएन्त्संग ने भी हमारे राष्ट्र को सिन्धु शब्द का चीनी अपभ्रंश 'शिन्दु' इसी अभिधा से सम्बोधित किया था और तो और, मोहम्मद पैगंबर के जन्म के पूर्व जब अरबी लोग शैव एवं शाक्त पन्थ सदृश धर्म के अनुयायी थे और जब मुसलमानी धर्म का पता ठिकाना भी अरबों को ज्ञात नहीं था तब दो हजार वर्ष पूर्व के एक अरब ग्रंथ में हमारे राष्ट्र के संबंध में वर्णन करते हुए हिन्द एवं हिन्दू इन नामों का गौरव से उच्चारण किया गया है।
3. हिन्दू, हिन्दुस्थान आदि प्राकृत रूप हमारे सप्तसिन्धु, सिन्धु, सिन्धुस्थान इन संस्कृत एवं स्वकीय तथा प्राचीन अभिधाओं के ही प्राकृत रूप हैं, यह बात हमारे प्राचीन पंडितवर्ग को भी ज्ञात थी। उन नामों को वर्तमान में बादरायण सम्बन्ध से जोड़ा नहीं गया है। इसे स्पष्ट करने वाले भविष्यपुराण के निम्नलिखित उल्लेख जितने अभिनन्दनीय हैं उतने ही उद्‌बोधक भी हैं। 'सप्तसिन्धु' का ही प्राकृत रूप 'हप्तहिन्दु' है यह बात उक्त पुराण के निम्नलिखित श्लोकों में वर्णित है
जानुस्थाने जैनुशदः सप्तसिन्धुस्तथैव च।। हप्तहिन्दुर्यावनीति पुनर्ज्ञेया गुरूण्डिका।।1।।
इस प्रकार उधर उस सिन्धुसरिता का एवं इधर इस सिन्धुसागर का उल्लंघन न करें। उनका उल्लंघन करते ही विदेश गमन का निषिद्ध कृत्य हो जाता है। सिन्धु बन्धन की हजार वर्ष पुरानी यह शास्त्राज्ञा भी दर्शाती है कि, उस प्राचीन काल से ही हमारे इस हिन्दुस्थान की मर्यादा 'आसिन्धु सिन्धुपर्यंता' यही मानी जाती थी।
4. सप्तसिन्धु, सिन्धुदेश, सिन्धुस्थान आदि शब्दों का 'हिन्दु' यह प्राकृत रूप भी हमारे ही प्रकृतीकरण के नियम के अनुरूप हमारे प्राकृत में रूढ़ हो गया संस्कृत शब्दों के 'स' का हमारे प्राकृत में 'ह' विकल्प होता है। मारवाड़ी आदि बोलियों में इसके उदाहरण प्रचुरता से दिखाई देते हैं। जैसे केसरी का केहरी, सप्ताह का हप्ता, सार का हार, दश का दहा आदि, अस्मि, असि, स्मः आदि के प्राकृत रूप इसी के उदाहरण हैं। हमारी प्राकृत के समान ही प्राचीन पारसी भाषा भी संस्कृत की ही एक प्राकृत भाषा होने के कारण उसके कई रूप हमारे समान ही बने हुए दिखाई देते हैं। परन्तु केवल इसी आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि वे रूप इधर से आये हैं या इसी आधार पर उन्हें विदेशी भी नहीं माना जा सकता। चन्द भाट पूर्व की हिन्दी की जो पुरानी से पुरानी कविता आज मानी जाती है उसमें भी हिन्दुस्थान शब्द का गौरवयुक्त प्रयोग किया गया है। ▪

(हिन्दुत्व के पंच प्राण से)

सप्तसिन्धु से हिन्दू

पूज्य मा. स. गोलवलकर

अनादि काल से एक महान एवं सुसंस्कृत समाज, जिसे 'हिंदू' कहते हैं, यहाँ उसी भूमि के पुत्र के रूप में निवास कर रहा है। किन्तु कुछ लोग हैं, जो हिन्दू नाम पर आपत्ति करते हैं और कहते हैं कि तुलनात्मक दृष्टि से इसका मूल तो सांप्रदायिक है तथा यह नाम हमें विदेशियों द्वारा दिया गया है। वे हिन्दू के स्थान पर आर्य अथवा भारतीय नाम का सुझाव देते हैं। निस्संदेह आर्य एक स्वाभिमानपूर्ण प्राचीन नाम है, किन्तु इसका प्रयोग विशेषतया गत सहस्त्र वर्ष से अप्रचलित हो गया है। गत शताब्दी में ऐतिहासिक शोध के नाम पर अंग्रेजों द्वारा किए हुए अपप्रचार ने हमारे मस्तिष्क में धूर्ततापूर्वक बनाए गए आर्य द्रविड़ विवाद के विषैली जड़ें गहराई तक पैठा दी हैं। अतः आर्य नाम का प्रयोग हमारे उद्देश्य की सिद्धि में स्वतः निष्फलता का कारण बनेगा, क्योंकि हमारा उद्देश्य तो अपने उस संपूर्ण समाज का साक्षात करना है, जो अतीत और वर्तमान की समस्त संज्ञाओं से निरपेक्ष हिमालय से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है।

भारतीय भी प्राचीन नाम है, जो अति प्राचीनकाल से हमसे संबंधित है। भारत नाम वेदों तक में मिलता है। हमारे पुराणों ने भी हमारी मातृभूमि को भारत कहा है और यहाँ के निवासियों को भारती। वास्तव में भारती संबोधन हिन्दू का पर्यायवाची है, किन्तु आज भारतीय शब्द के संबंध में भी भ्रांत धारणा उत्पन्न हो गई है। सामान्यतया यह इंडियन शब्द के अनुवाद के रूप में प्रयुक्त होने लगा है, जिसमें इस देश में रहने वाली मुसलमान, ईसाई तथा पारसी आदि सभी जातियों का समावेश होता है। इस प्रकार भारतीय शब्दप्रयोग, जब हम इस विशिष्ट समाज को लक्ष्य कर करना चाहते हैं, हमें भ्रमित कर सकता है। केवल हिन्दू शब्द ही इस भाव के पूर्ण एवं शुद्ध रीति से व्यक्त करता है, जिसे हम व्यक्त करना चाहते हैं। यह कल्पना भी ऐतिहासिक दृष्टि से ठीक नहीं है कि हिन्दू नाम नूतन है अथवा विदेशियों द्वारा हमें दिया गया है। विश्व के प्राचीनतम अभिलेख 'ऋग्वेद' में हमें 'सप्त सिंधु' नाम मिलता है जो हमारे देश एवं हमारे जन के लिए उपाधि के रूप में प्रयुक्त हुआ है। यह भी भली प्रकार से ज्ञात है कि संस्कृत का 'स' वर्ण कभी कभी हमारी कुछ प्राकृत भाषाओं में तथा कुछ यूरोपीय भाषाओं में 'ह' में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रकार प्रथम 'हप्त हिन्दू' तत्पश्चात् हिन्दू नाम प्रचलित हो गया। इसलिए हिन्दू हमारा अपना गौरवशाली नाम है, जिसके द्वारा बाद में अन्य लोग भी हमें पुकारने लगे।

हिन्दू और हिन्दुस्थान

बृहस्पति आगम के अनुसार 'हिन्दू' शब्द का 'हि' 'हिमालय' से तथा 'न्दु', 'इन्द' 'इन्दु सरोवर' (दक्षिणी सागर) से लिया गया है। इस प्रकार यह (शब्द) हमारी मातृभूमि के संपूर्ण विस्तार को संप्रेषित करता है।

बृहस्पति आगम का कथन है

हिमालयं समारम्य यावदिन्दु सरोवरम्।
तं देव निर्मितं देशं हिंदुस्थानं प्रचक्ष्यते।।

(देवताओं द्वारा निर्मित वह देश जो हिमालय से प्रारंभ होकर इंदु सरोवर (अर्थात् दक्षिणी सागर) तक फैला हुआ है, हिंदुस्थान कहलाता है।)

'हिन्दू' शब्द का इतिहास

'हिंदू' शब्द हमारे इतिहास के गत एक सहस्त्र वर्षों के संकटपूर्ण काल से जुड़ा रहा है। पृथ्वीराज के दिनों से लेकर हमारे समस्त राष्ट्र निर्माताओं, राज्यवेत्ताओं, कवियों और इतिहासकारों ने 'हिंदू' शब्द का प्रयोग हमारे जनसमाज और धर्म को अभिहित करने के लिए किया है। गुरु गोविंदसिंह, विद्यारण्य और शिवाजी जैसे समस्त पराक्रमी स्वतंत्रता सेनानियों का स्वप्न 'हिंदुस्वराज्य' की स्थापना करना ही था। 'हिंदू' शब्द अपने साथ उन समस्त महान् जीवनों, उनके कार्यों और आकांक्षाओं की मधुर गंध समेटे हुए है। इस प्रकार यह एक ऐसा शब्द बन जाता है, जो संघरूप से हमारी एकात्मता, औदात्य और विशेष रूप से हमारे जनसमाज को व्यंजित करता है।

विकास के लक्षण

अब हम अपने हिंदू जीवन पर एक दृष्टिपात करें। जब लोग, विशेष रूप से बाहरी लोग, हमारे विश्वासों, संप्रदायों, जातियों, भाषाओं, रीतिरिवाजों एवं स्वभावगत विविधताओं के बाहुल्य को देखते हैं तो वे भ्रम में पड़ जाते हैं और कह उठते हैं कि 'इन सब भाँति भाँति के तत्वों तथा असंगत स्वरों से युक्त समूह को किस प्रकार एक समाज कहा जा सकता है? कहाँ है एक जीवन पद्धति जिसे तुम 'हिंदू' कहते हो।'

एकम् सत् विप्राः बहुधा वदन्ति

हमारे लचीले धर्म के स्वरूप की जो प्रथम नैसर्गिक विशेषता बाहरी व्यक्ति की दृष्टि में आती है, वह है पंथ एवं उपपंथों की आश्चर्यजनक विविधता। यथा शैव, वैष्णव, शाक्त, वैदिक, बौद्ध, जैन, सिख, लिंगायत, आर्यसमाज आदि। इन सभी उपासनाओं के महान आचार्यों एवं प्रवर्तकों ने उपासना के विचित्र रूपों की स्थापना हमारे लोक मस्तिष्क की विविध योग्यताओं की अनुकूलता का ध्यान रखकर ही की है। किन्तु अंतिम निष्कर्ष के रूप में सभी ने इस एक चरम सत्य को लक्ष्य के रूप में प्राप्त करने के लिए कहा है, जिसे ब्रह्म, आत्मा, शिव, विष्णु, ईश्वर अथवा शून्य या महाशून्य तक के विविध नामों से पुकारा जाता है। देखिए, यह श्लोक किस सुंदरता से हिंदूदर्शन के विविध पंथों में स्वरैक्य एवं एकत्व का समावेश करता है।

यं शैवाः समुपासते शिव इति ब्रह्मेति वेदान्तिनो
बौद्धा बुद्ध इति प्रमाणपटवः कर्तेति नैयायिकाः।
अर्हन्नित्यथ जैनशासनरताः कर्मेति मीमांसकाः
सोऽयं वो विदधातु वांछतफलं त्रैलोक्यनाथो हरिः।
(रामभक्त हनुमान, हनुमन्नाटकम् अंक 1:3)

(वह, जिसकी उपासना शैव 'शिव' मानकर करते हैं; वेदांती, जिसे 'ब्रह्म' मानकर उपासते हैं, बौद्ध, जिसे 'बुद्ध' और तर्कपटु नैयायिक 'कृष्ण' मानकर आराधना करते हैं एवं जैन लोग, जिसे 'अर्हत्' मानकर तथा मीमांसक, जिसे कर्म बताकर उपासना करते हैं, वहीं 'त्रिलोकीनाथ हरि' हमारी इच्छाओं को पूरा करें।) ▪

(विचार नवनीत से)

राष्ट्र जीवन की समस्याएँ

अर्थवादी यदि एकदम उद्योगों का राष्ट्रीयकरण अथवा बिना मुआवजा दिए जमींदारी उन्मूलन चाहता है तो राजनीतिवादी अपने राजनीतिक कारणों से ऐसा करने में असमर्थ है। उसके लिए इस प्रकार संस्कृति एवं मजहब का भी मूल्य अपनी राजनीति के लिए ही है, अन्यथा नहीं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय

भारत में एक ही संस्कृति है; एक से अधिक संस्कृतियों का नारा देश के टुकड़े-टुकड़े करके हमारे जीवन का विनाश कर देगा। अतः आज लीग का द्विसंस्कृतिवाद, कांग्रेस का प्रच्छन्न द्विसंस्कृतिवाद तथा साम्यवादियों का बहुसंस्कृतिवाद नहीं चल सकता। आज तक एक संस्कृतिवाद को संप्रदायवाद कहकर ठुकराया गया किंतु अब कांग्रेस के विद्वान भी अपनी गलती समझकर इस एक संस्कृतिवाद को अपना रहे हैं। इसी भावना और विचार से भारत की एकता तथा अखंडता बनी रह सकती है तथा तभी हम अपनी संपूर्ण समस्याओं को सुलझा सकते हैं। मनुष्य की अनेक जन्मजात प्रवृत्तियों के समान वह देशभक्ति की भावना को भी स्वभाव से ही प्राप्त करता है। परिस्थितियाँ एवं वातावरण के दबाव से किसी व्यक्ति में यह प्रवृत्ति सुप्त होकर विलीन प्राय हो जाती है। इस प्रकार विकसित देशप्रेम के व्यक्ति अपने कार्यकलापों की प्रेरणा अस्पष्ट एवं क्षीण भावना से न पाकर अपने स्वप्नों के अनुसार अपने देश का निर्माण करने की प्रबल ध्येय वादिता से पाते हैं। भारत में भी प्रत्येक देशभक्त के सम्मुख इस प्रकार का एक ध्येयपथ है तथा वह समझता है कि अपने पथ पर चलाकर ही वह देश को उन्नत बना सकेगा।

आज यह ध्येय पथ यदि एक ही होता तथा सब देशभक्तों के आदर्श भारत का स्वरूप भी एक ही होता तब तो किसी भी प्रकार के विवाद का संघर्ष का प्रश्न नहीं था। किंतु वस्तुस्थिति यह है कि आज भिन्न-भिन्न मार्गों से लोग देश को आगे ले जाना चाहते हैं तथा प्रत्येक का विश्वास है कि उसी का मार्ग सही मार्ग है। अतः हमको इन मार्गों का विश्लेषण करना होगा और उसी समय हम प्रत्येक की वास्तविकता को भी समझ सकेंगे।

चार प्रमुख मार्ग

इन मार्गों को देखते हुए हमें चार प्रधान वर्ग दिखाई देते हैं अर्थवादी, राजनीतिवादी, मतवादी तथा संस्कृतिवादी।

अर्थवादी

पहला वर्ग, अर्थवादी संपत्ति को ही सर्वस्व समझता है तथा उसके स्वामित्व एवं वितरण में ही सब प्रकार की दुरवस्था की जड़ मानकर उसमें सुधार करना ही अपना एकमेव कर्तव्य समझता है। उसका एकमेव लक्ष्य अर्थ है। साम्यवादी एवं समाजवादी इस वर्ग के लोग हैं। इनके अनुसार भारत की राजनीति का निर्धारण अर्थनीति के आधार पर होना चाहिए तथा संस्कृति एवं मत को वे गौण समझकर अधिक महत्व देने को तैयार नहीं हैं।

राजनीतिवादी

दूसरा वर्ग है। यह जीवन का संपूर्ण महत्व राजनीतिक प्रमुख प्राप्त करने में ही समझता है तथा राजनीतिक दृष्टि से ही संस्कृति, मजहब तथा अर्थनीति की व्याख्या करता है। अर्थवादी यदि एकदम उद्योगों का राष्ट्रीयकरण अथवा बिना मुआवजा दिए जमींदारी उन्मूलन चाहता है तो राजनीतिवादी अपने राजनीतिक कारणों से ऐसा करने में असमर्थ है। उसके लिए इस प्रकार संस्कृति एवं मजहब का भी मूल्य अपनी राजनीति के लिए ही है, अन्यथा नहीं। इस वर्ग के अधिकांश लोग कांग्रेस में हैं जो आज भारत की राजनीतिक बागडोर सँभाले हुए हैं।

मतवादी

तीसरा वर्ग, मजहब परस्त या मतवादी है। इसे धर्मनिष्ठ कहना ठीक नहीं होगा, क्योंकि धर्म

मजहब या मत से बड़ा तथा विशाल है। यह वर्ग अपने-अपने मजहब के सिद्धांतों के अनुसार ही देश की राजनीति अथवा अर्थनीति को चलाना चाहता है। इस प्रकार का वर्ग मुल्ला मौलवियों अथवा रूढ़िवादी कट्टरपंथियों के रूप में अब भी थोड़ा बहुत विद्यमान है, यद्यपि आजकल उसका बहुत प्रभाव नहीं रह गया है।

संस्कृतिवादी

चौथा वर्ग है। इसका विश्वास है कि भारत की आत्मा का स्वरूप प्रमुखतया संस्कृति ही है। अतः अपनी संस्कृति की रक्षा एवं विकास ही हमारा कर्तव्य होना चाहिए। यदि हमारा सांस्कृतिक ह्रास हो गया तथा हमने पश्चिम के अर्थ प्रधान अथवा भोग प्रधान जीवन को अपना लिया तो हम निश्चित ही समाप्त हो जाएँगे। यह वर्ग भारत में बहुत बड़ा है। इसके लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में तथा कुछ अंशों में कांग्रेस में भी हैं। कांग्रेस के ऐसे लोग राजनीति को केवल संस्कृति का पोषक मात्र ही मानते हैं, संस्कृति का निर्णायक नहीं। हिंदीवादी सब लोग इसी वर्ग के हैं।

मार्गों की प्राचीनता

उपर्युक्त चार वर्गों की विवेचना में यद्यपि हमने आधुनिक शब्दों का प्रयोग किया है। किंतु प्राचीन काल में भी ये चार प्रवृत्तियाँ उपस्थित थीं तथा इनमें से एक प्रवृत्ति को ही अपनाकर हमने अपने जीवन के आदर्श का मानदंड बनाया है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ही ये चार प्रवृत्तियाँ हैं। धर्म संस्कृति का, अर्थ नैतिक वैभव का, काम राजनीतिक आकांक्षाओं का तथा मोक्ष पारलौकिक उन्नति का द्योतक था। इनमें से हमने धर्म को ही अपने जीवन का अंग बनाया है क्योंकि उसके द्वारा ही हमने शेष सबको सधते हुए देखा है। इसीलिए जब महाभारत काल में धर्म की अवहेलना होनी प्रारंभ हुई, तब महर्षि व्यास ने कहा

ऊर्ध्वबाहुर्विरोयेष न च कश्चिच्छणोति मे।
धर्मादर्धश्च कामश्च स धर्मः किं न सेव्यते।।

अर्थ और काम की ही नहीं, मोक्ष की भी प्राप्ति धर्म से होती है, इसलिए धर्म की व्याख्या करते हुए कहा है कि यतोऽयुदयनिः श्रेयस सिद्धिः स धर्मः। जिससे ऐहिक संतान एक है और उसको इस एकता का अनुभव करते हुए रहना चाहिए। अनेक अंगों को इकट्ठा करके शरीर की सृष्टि नहीं होती किंतु शरीर के अनेक अंग होते हैं और इसलिए प्रत्येक अवयव अपने स्वतंत्र अस्तित्व के लिए नहीं अपितु शरीर के अस्तित्व के लिए प्रयत्न करता है। इसी प्रकार राष्ट्र के सभी अंगों को अपनी रूपरेखा राष्ट्रीय स्वरूप और हितों के अनुकूल बनानी चाहिए न कि राष्ट्र को ही इन

प्रथम दृष्टिकोण में अनेक को सत्य मानकर एक की कल्पना का प्रयत्न है तो दूसरे में एक को सत्य मानकर अनेक उसके रूपमात्र हैं जैसे नदी के जल में आवर्त्त-विवतरंग आदि अनेक रूप होते हैं किंतु उनका अस्तित्व नदी के जल से भिन्न और स्वतंत्र नहीं और न उनके समुच्चय का ही नाम नदी है।

अंगों के अनुसार काटा छाँटा जाए। संप्रदायों, प्रांतों, भाषाओं और वर्गों का तभी तक मूल्य है जब तक वे राष्ट्र हितों के अनुकूल हैं अन्यथा उनका बलिदान करके भी राष्ट्र की एकता की रक्षा करनी होगी।

प्रथम दृष्टिकोण में अनेक को सत्य मानकर एक की कल्पना का प्रयत्न है तो दूसरे में एक को सत्य मानकर अनेक उसके रूपमात्र हैं जैसे नदी के जल में आवर्त्त-विवतरंग आदि अनेक रूप होते हैं किंतु उनका अस्तित्व नदी के जल से भिन्न और स्वतंत्र नहीं और न उनके समुच्चय का ही नाम नदी है। दुःख का विषय है कि आज भी देश की बागडोर जिनके हाथ में हैं वे प्रथम दृष्टिकोण से ही समस्त समस्याओं को देखते हैं। जब तक राजनीति की इस मौलिक भूल का परिमार्जन नहीं होगा तब तक राजनीतिक भारत का निर्माण सुदृढ़ नींव पर नहीं हो सकता।

धर्म प्रधान भारतीय जीवन

भारतीय जीवन को धर्म प्रधान बनाने का प्रमुख कारण यह था कि इसी में जीवन के विकास की सबसे अधिक संभावना है। आर्थिक दृष्टिकोण वाले लोग यद्यपि आर्थिक समानता के पक्षपाती हैं, किंतु वे व्यक्ति की राजनीति एवं आत्मिक सत्ता को पूर्णतः समाप्त कर देते हैं। राजनीतिवादी प्रत्येक व्यक्ति को मतदान का अधिकार देकर उसके राजनीतिक व्यक्तित्व की रक्षा तो अवश्य करते हैं किंतु आर्थिक एवं आत्मिक दृष्टि से वे भी अधिक विचार नहीं करते। अर्थवादी यदि जीवन को भोग प्रधान बनाते हैं तो राजनीतिवादी उसको अधिकार प्रधान बना देते हैं। मतवादी बहुत कुछ अव्यावहारिक, गतिहीन एवं संकुचित हो जाते हैं। किसी-किसी व्यक्ति विशेष अथवा पुस्तक विशेष के विचारों के वे इतने गुलाम हो जाते हैं कि समय के साथ वे अपने आपको नहीं रख पाते तथा इस प्रकार पूर्णतः नष्ट हो जाते हैं। इन सबके विपरीत संस्कृति प्रधान जीवन की यह विशेषता है कि इसमें जीवन के केवल मौलिक तत्वों पर तो जोर दिया जाता है पर शेष बाह्य बातों के संबंध में प्रत्येक को स्वतंत्रता रहती है। इसके अनुसार व्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रत्येक क्षेत्र में विकास होता है। संस्कृति किसी

काल विशेष अथवा व्यक्ति विशेष के बंधन से जकड़ी हुई नहीं है, अपितु यह तो स्वतंत्र एवं विकासशील जीवन की मौलिक प्रवृत्ति है। इस संस्कृति को ही हमने धर्म कहा है। अतः जब कहा जाता है कि भारतवर्ष धर्म प्रधान देश है तो इसका अर्थ मजहब, मत या रिलीजन नहीं, किंतु यह संस्कृति ही होता है।

भारत की विश्व को देन

हमने देखा है कि भारत की आत्मा को समझना है तो उसे राजनीति अथवा अर्थ नीति के चश्मे से न देखकर सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ही देखना होगा। भारतीयता की अभिव्यक्ति राजनीति के द्वारा न होकर उसकी संस्कृति के द्वारा ही होगी। विश्व को भी यदि हम कुछ सिखा सकते हैं तो उसे अपनी सांस्कृतिक सहिष्णुता एवं कर्तव्य प्रधान जीवन की भावना की ही शिक्षा दे सकते हैं, राजनीति अथवा अर्थ नीति की नहीं। उसमें तो शायद हमको उनसे ही उलटे भीख माँगनी पड़े। अर्थ, काम और मोक्ष के विपरीत धर्म की प्रमुख भावना ने भोग के स्थान पर त्याग, अधिकार के स्थान पर कर्तव्य तथा संकुचित असहिष्णुता के स्थान पर विशाल सहिष्णुता प्रकट की है। इनके साथ ही हम विश्व में गौरव के साथ खड़े हो सकते हैं।

संघर्ष का आधार

भारतीय जीवन का प्रमुख तत्व उसकी संस्कृति अथवा धर्म होने के कारण उसके इतिहास में भी जो संघर्ष हुए हैं, वे अपनी संस्कृति की सुरक्षा के लिए ही हुए हैं। तथा इसी के द्वारा हमने विश्व में ख्याति भी प्राप्त की है। हमने बड़े-बड़े साम्राज्यों के निर्माण को महत्व न देकर अपने सांस्कृतिक जीवन को पराभूत नहीं होने दिया। यदि हम अपने मध्ययुग का इतिहास देखें तो हमारा वास्तविक युद्ध अपनी संस्कृति के रक्षार्थ ही हुआ है। उसका राजनीतिक स्वरूप यदि कभी प्रकट भी हुआ तो उस संस्कृति की रक्षा के निमित्त ही। राणाप्रताप तथा राजपूतों का युद्ध केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए नहीं था किंतु धार्मिक स्वतंत्रता के लिए ही था। छत्रपति शिवाजी ने अपने स्वतंत्र राज्य की स्थापना गो ब्राह्मण प्रतिपालन के लिए ही की। सिख गुरुओं ने अपने युद्ध धर्म की रक्षा के लिए ही किए। इन सबका अर्थ यह नहीं समझना चाहिए कि राजनीति का कोई महत्व नहीं था तथा राजनीतिक गुलामी हमने सहर्ष स्वीकार कर ली थी, किंतु तात्पर्य यह है कि राजनीति को हमने जीवन का केवल सुख का कारण मात्र माना है, जबकि संस्कृति संपूर्ण जीवन ही है।

संस्कृतियों का संघर्ष

आज भी भारत में प्रमुख समस्या सांस्कृतिक ही है। वह भी आज दो प्रकार से उपस्थित है, प्रथम तो संस्कृति को ही भारतीय जीवन का प्रथम तत्व मानना तथा दूसरे यदि इसे मान लें तो उस संस्कृति का रूप कौन सा हो? विचार के लिए यद्यपि यह समस्या दो प्रकार की मालूम होती है, किंतु वास्तव में है एक ही। क्योंकि एक बार संस्कृति का जीवन को प्रमुख एवं आवश्यक तत्व मान लेने पर उसके स्वरूप के संबंध में झगड़ा नहीं रहता, न उसके संबंध में किसी प्रकार का मतभेद ही उत्पन्न होता है। यह मतभेद तो तब उत्पन्न होता है जब अन्य तत्वों को प्रधानता देकर संस्कृति को उसके अनुरूप उन ढाँचों में ढकने का प्रयत्न किया जाता है।

इस दृष्टि से देखें तो आज भारत में एक-संस्कृतिवाद, द्वि-संस्कृतिवाद तथा बहु - संस्कृतिवाद के नाम से तीन वर्ग दिखाई देते हैं। एक-संस्कृतिवाद के पुरस्कर्ता भारत में केवल एक ही भारतीय संस्कृति का अस्तित्व मानते हैं तथा अन्य संस्कृतियों का या तो अस्तित्व ही मानने को तैयार नहीं हैं या उसके लिए आवश्यक समझते हैं कि वह भारतीय संस्कृति में विलीन हो जाए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा कांग्रेस में श्री पुरुषोत्तमदास टंडन जैसे व्यक्ति इसी एक संस्कृतिवाद के पोषक हैं।

द्वि संस्कृतिवादी

द्वि-संस्कृतिवादी दो प्रकार के हैं। एक तो स्पष्ट तथा दूसरे प्रच्छन्न। एक वर्ग भारत में स्पष्टतया दो संस्कृतियों का अस्तित्व मानता है तथा उनको बनाए रखने की माँग करता है। मुस्लिम लीग इसी मत के हैं।

ये हिंदू और मुस्लिम दो संस्कृतियों को मानते हैं तथा उनका आग्रह है कि मुसलमान अपनी संस्कृति की रक्षा अवश्य करेगा। दो संस्कृतियों के आधार पर ही उन्होंने दो राष्ट्रों का सिद्धांत सामने रखा, जिसके परिणाम को हम पिछले वर्षों में भलीभाँति अनुभव कर चुके हैं। प्रच्छन्न द्वि-संस्कृतिवादी वे लोग हैं जो स्पष्टतया तो दो संस्कृतियों का अस्तित्व नहीं मानते, भूल से एक संस्कृति एवं एक राष्ट्र का ही राग अलापते हैं, किंतु व्यवहार में दो संस्कृतियों को मानकर उनका समन्वय करने का असफल प्रयत्न करते हैं।

वे ये तो मान लेते हैं कि हिंदू और मुसलमान दो संस्कृतियाँ हैं, किंतु उनको मिलाकर एक नवीन हिंदुस्तानी संस्कृति बनाना चाहते हैं। अतः हिंदी, उर्दू का प्रश्न वे हिंदुस्तानी बनाकर हल करना चाहते हैं तथा अकबर को राष्ट्र पुरुष मानकर अपने राष्ट्र के महापुरुषों के प्रश्न को हल करना चाहते हैं। नमस्ते और सलाम मालेकुम का काम ये आदाब अर्ज से चला लेना चाहते हैं। यह वर्ग कांग्रेस में बहुमत में है।

दो संस्कृतियों के मिलाने के अब तक असफल प्रयत्न हुए हैं किंतु परिणाम विघातक ही रहा है। मुख्य कारण यह है कि जिसको मुस्लिम संस्कृति के नाम से पुकारा जाता है वह किसी मजहब की संस्कृति न होकर अनेक अभारतीय संस्कृतियों का समुच्चय मात्र है। फलतः उसमें विदेशीपन है, जिसका मेल भारतीयत्व से बैठना कठिन ही नहीं, असंभव भी है। इसलिए यदि भारत में एक संस्कृति एवं एक राष्ट्र को मानना है तो वह भारतीय संस्कृति एवं भारतीय हिंदू राष्ट्र जिसके अंतर्गत मुसलमान भी आ जाते हैं, के अतिरिक्त और कोई नहीं हो सकता।

बहु संस्कृतिवादी

बहुसंस्कृतिवादी वे लोग हैं जो प्रांत की निजी संस्कृति मानते हैं तथा उस प्रांत को उस आधार पर आत्मनिर्णय का अधिकार देकर बहुत कुछ अंशों में स्वतंत्र ही मान लेते हैं। साम्यवादी एवं भाषानुसार प्रांतवादी लोग इस वर्ग के हैं। वे भारत में सभी प्रांतों में भारतीय संस्कृति की अखंड धारा का दर्शन नहीं कर पाते। ▪

(संदर्भ : राष्ट्र धर्म, शरद पूर्णिमा, वि.सं. 2006, अंक 1)

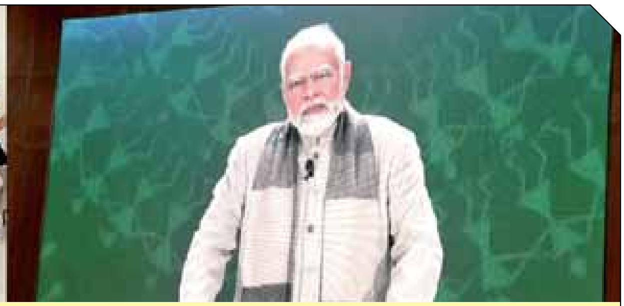

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी वर्चुअली शामिल हुए।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश जी ने झंडावंदन किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा जी ने गणतंत्र दिवस पर पन्ना में ध्वजारोहण किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा जी ने छात्र-छात्राओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम को सुना।

प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी, संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने मुरैना में पार्टी कार्यालय का भूमिपूजन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन इंदौर में आगमन पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने आगवानी की।

प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा जी ने जबलपुर में नगरीय निकाय जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण वर्ग को सम्बोधित किया।

प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा जी ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जी की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

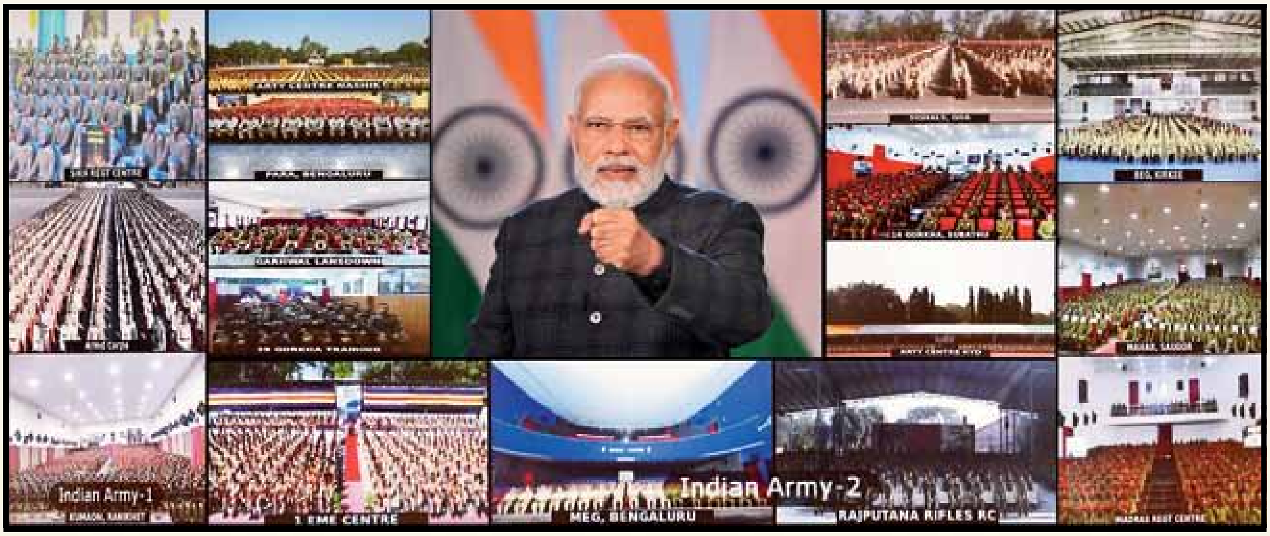
ARTY CENTRE NASHIK
PARA, BENGALURU
GARHWAL LANSDOWN
Indian Army-1
KUMAON, RANIKHET
1 EME CENTRE
MEG, BENGALURU
Indian Army-2
RAJPUTANA RIFLES RC
MADRAS REGT CENTRE

गंगा विलास